हरियाणा विधान सभा

की

कार्यवाही

2 मार्च, 1994

खण्ड 1, अंक 3

अधिकृत विवरण

विषय सूची

बुधवार, 2 मार्च, 1994

	पृष्ठ संख्या
तारांकित प्रश्न एवं उत्तर	(3) 1
नियम 45 के अधीन सदन की मेज पर रखे गए तारांकित प्रश्नों के लिखित उत्तर	(3) 19
अतारांकित प्रश्न एवं उत्तर	(3) 52
स्थगन प्रस्ताव तथा मुख्य मन्त्री द्वारा संक्षिप्त वक्तव्य--	
एस०वाई०एल० नहर के निर्माण तथा चण्डीगढ़ को पंजाब में ट्रांसफर करने सम्बन्धी	(3) 55
वाक आउट	(3) 65
वर्ष 1993-94 के सप्लीमैंटरी एस्टीमेट्स पेश करना	(3) 66
एस्टीमेट्स कमेटी की वर्ष 1993-94 के सप्लीमैंटरी एस्टीमेट्स पर रिपोर्ट पेश करना	(3) 66
नेमिंग आफ मैम्बर्ज	(3) 67
बैठक का स्थगन	(3) 69
अध्यक्ष द्वारा रूलिंग--	(3) 74
सदन की मर्यादा तथा गरिमा बनाये रखने सम्बन्धी नेम किए हुए सदस्यों को वापिस बुलाना	(3) 77

मूल्य :

	पृष्ठ संख्या
वाक आउट	(3) 79
राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर चर्चा (पुनरारम्भ)	(3) 79
बैठक का समय बढ़ाना	(3) 95
राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर चर्चा (पुनरारम्भ)	(3) 96
बैठक का समय बढ़ाना	(3) 97
राज्यपाल महोदय के मभिभाषण पर चर्चा (पुनरारम्भ)	(3) 97
बैठक का समय बढ़ाना	(3) 99
राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर चर्चा (पुनरारम्भ)	(3) 99
बैठक का समय बढ़ाना/पुनरारम्भ	(3) 101
राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर चर्चा (पुनरारम्भ)	(3) 101

हरियाणा विधान सभा

बुधवार, 2 मार्च, 1994

हरियाणा विधान सभा की बैठक, हरियाणा विधान सभा हाल, विधान भवन, सैक्टर 1, चण्डीगढ़ में प्रातः 9-30 बजे हुई। अध्यक्ष (चौधरी ईश्वर सिंह) ने अध्यक्षता की।

तारांकित प्रश्न एवं उत्तर

श्री अध्यक्ष : ऑनरेबल मैम्बर्ज, अब सवाल होंगे। श्री जिले सिंह अपना सवाल पूछें।

तारांकित प्रश्न संख्या 76।

यह सवाल पूछा नहीं गया क्योंकि माननीय सदस्य श्री जिले सिंह इस समय हाउस में उपस्थित नहीं थे।

Construction of Water Works at Village Rewari-Khera

810* Shri Dhir Pal Singh : Will the Minister for Public Health be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to construct separate water works for the supply of water to village Rewari-Khera, District Rohtak, if so, the time by which it is likely to be constructed ?

जन स्वास्थ्य मंत्री (श्री रामपाल सिंह कंवर) :

(क) जी हां।

(ख) सिंचाई विभाग के साथ नहरी पानी की उपलब्धता के संबंध होने बारे विचार किया जा रहा है और कार्य नहरी पानी की उपलब्धता होने पर हाथ में लिया जावेगा।

श्री धीरपाल सिंह : स्पीकर सर, मैं आपके माध्यम से माननीय मन्त्री जी से जानना चाहूंगा कि नहरी पानी कब तक मुहैया हो पाएगा और क्या मन्त्री जी इस बारे में कोई समय सीमा निर्धारित करने की कृपा करेंगे ?

श्री राम पाल सिंह कंवर : इसके लिए पीरियोडिकली मीटिंग्ज डिपार्टमैंट के साथ चल रही है और कई बैठकें हो चुकी हैं। हमारी कोशिश यही है कि पानी की उपलब्धता जल्दी से जल्दी हो ताकि हम इन स्कीमों को चालू कर सकें

श्री धीर पाल सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मन्त्री से जानना चाहूंगा कि क्या आने वाले बजट में इस वाटर वर्कस के लिए पैसे का कोई प्रावधान किया गया है ?

श्री राम पाल सिंह कंवर : इस वाटर वर्क्स के लिए एडमिनिस्ट्रेटिव एप्रूवल हो चुकी है। एक लाख रुपया हमने निर्धारित किया था लेकिन पानी की समस्या है। अगर हम इस स्कीम पर काम शुरू कर भी दें और पानी उपलब्ध न हो पाए तो काम करने का कोई औचित्य नहीं है। ज्योंहि पानी उपलब्ध होने का आश्वासन मिल जाएगा, हम काम शुरू कर देंगे।

श्री धीर पाल सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मन्त्री जी से जानना चाहूंगा कि जब तक नहरी पानी मुहैया नहीं हो पाता, तब तक क्या इस गांव के लिए पीने के पानी की कोई व्यवस्था वह करेंगे ?

श्री रामपाल सिंह कंवर : स्पीकर साहब, इसके लिए हमने सैलो ट्यूबवैल 6 महीने पहले लगाया था ताकि पानी की मात्रा बढ़ाई जा सके, लेकिन सैलो ट्यूबवैल पर अधिक डिपैंड नहीं किया जा सकता है।

श्री अमर सिंह : स्पीकर साहब, मैं आनरेबल पब्लिक हैल्थ मिनिस्टर महोदय से आपके माध्यम से पूछना चाहूंगा कि क्या वे यह बताने का कष्ट करेंगे कि वाटर वर्कस बनाने के लिए क्या क्राईटेरिया है ?

श्री राम पाल सिंह कंवर : स्पीकर साहब, मैं आपके माध्यम से आनरेबल मैम्बर को बताना चाहूंगा कि इसके लिए हमारी 2 प्लानज हैं, एक तो डी०डी० प्लान और दूसरी एक और प्लान है। डी०डी० प्लान उस एरिया के लिए है जो रेगिस्तान हो, राजस्थान जैसा ऐरिया हो और जहां पानी उपलब्ध न हो, वहां पर हम नहरी पानी की स्कीम चालू करते है। यह स्कीम नहरी पानी की उपलधता पर निर्भर करती है। इसका जहां तक क्राईटेरिया का तालूक है, 8वीं फाईव ईयर प्लान तक सरकार का नजरिया यह है कि 40 लिटर प्रति व्यक्ति प्रतिदिन पानी उपलब्ध करवा दिया जाए। ऐसा हमारी सरकार का प्रावधान है। लेकिन जहां जहां नहरी पानी की उपलब्धता में दिक्कत आ रही है, वहां इन स्कीमों में भी दिक्कत है। ज्योंही नहरी पानी उपलब्ध हो जाएगा, इन स्कीमों को चालू कर देंगे। जहां पर ग्राउंड वाटर अवेलेबल है, वहां पर हम ट्यूबवैल लगाने का प्रावधान करते हैं। इस प्रकार से आगुमैंटेशन का काम हम अपने हाथ में लेकर काम कर रहे हैं और अगले वर्ष की योजना में 800 गांवों में पानी की मात्रा हम बढ़ा सकेंगे।

श्री मनी राम केहरवाला : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मन्त्री जी से जानना चाहूंगा कि हरियाणा में कितने वाटर वर्क्स ऐसे हैं जिनपर आधे से ज्यादा पैसा खर्च हो चुका है, परन्तु वह काम बीच में ही रह गया है ?

श्री राम पाल सिंह कंवर : अध्यक्ष महोदय, इसके लिए सैपरेटली नोटिस दिया जाए।

श्रीमती चन्द्रावती : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से पूछना चाहती हूं कि कुछ गांव ऐसे हैं जिनमें नहरों का पानी नहीं पहुंचता और जमीन में भी खारा पानी है, लेकिन कुछ ही दूरी पर मीठा पानी है। क्या सरकार वहां पर शैलो ट्यूबवैल लगाकर पानी उपलब्ध करवायेगी ?

श्री राम पाल सिंह कंवर : अध्यक्ष महोदय, अगर हमारे नोटिस में लाया जाए कि वहां पर पानी अच्छा है तो हम यह जरूर करेंगे।

साथी लहरी सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से यह पूछना चाहता हूं कि इस बारे में जो इरिगेशन डिपार्टमैंट से बात चल रही है, वह कब से चल रही है? क्या गवर्नमैंट आफ इंडिया से चल रही है, पंजाब सरकार से चल रही है या हरियाणा सरकार से ही चल रही है? साथ ही अभी तक इसका फैसला क्यों नहीं हुआ ?

श्री राम पाल सिंह कंवर : अध्यक्ष महोदय, गवर्नमैंट आफ इंण्डिया इसमें नहीं आती। यह हमारे और इरिगेशन डिपार्टमैंट के बीच में फैसला होता है। अध्यक्ष महोदय, पानी का फैसला तो तभी कर सकते हैं अगर पानी अवेलेबल हो।

चौधरी बलवन्त सिंह मैना : अध्यक्ष महोदय, मैं मन्त्री जी से जानना चाहता हूं कि जो वाटर वर्क्स बने हुए हैं उनमें पानी पूरा सप्लाई नहीं होता, क्या ऐसी कोई स्कीम है जिसके तहत वहां पर पानी चालू हो सके ?

श्री राम पाल सिंह कंवर : अध्यक्ष महोदय, हम ओवर हैड टैंक्स तभी बनाते हैं, अगर हमें पानी ऊंची जगह पर पहुंचाना हो। अगर जरूरत हो तो ओवर हैड टैंक्स बनाने की बजाए बूस्टिंग पम्पस से पानी पहुंचाते हैं।

चौधरी सूरज भान काजल : अध्यक्ष महोदय, मन्त्री जी ने नए जलघर बनाने की स्कीम बताई है। जो पहले जलघर थे उनके पानी की क्षमता 20–25 वर्ष पहले की आवश्यकता के अनुसार थी लेकिन अब आबादी बढ़ जाने की वजह से उनकी कपैसटी बढ़ाएंगे। दूसरे कई जगह वाटर लाईन्ज जलघर से या जहां से पानी की लाईन जाती है, खराब है। क्या उनको भी ठीक करने या दोबारा से बनाने का विचार है ?

श्री राम पाल सिंह कंवर : अध्यक्ष महोदय, मैं पहले भी बता चुका हूं कि जहां पर पानी 20 लिटर या 30 लिटर है, वहां प्रति व्यक्ति 40 लिटर करने का विचार है। दूसरे जहां पर लाईन टूटी हुई है तो सरकार उसे बदलती है और बदलने का प्रयास करती है। लेकिन कई जगहों पर हमारे नोटिस में आया है कि लोगों ने पाईप लाईन्ज बीच में ही तोड़ कर अपने खेतों में पानी डाल लिया है, हम ऐसे लोगों के खिलाफ कार्यवाही करेंगे। हमने कई केस भी रजिस्टर किए हैं और उनके खिलाफ एक्शन ले रहे हैं।

श्री जय प्रकाश : अध्यक्ष महोदय, मैं मन्त्री जी से जानना चाहूंगा कि जिन ट्यूबवैल्ज की डिसचार्जिंग कपैसिटी कम हो गई है, क्या उनकी जगह पर दूसरे ट्यूबवैल्ज लगाने का विचार है ताकि जनता को पानी मिल सके ?

श्री राम पाल सिंह कंवर : अध्यक्ष महोदय, यही तो मैंने पहले भी बताया था कि हम प्रतिव्यक्ति 40 लिटर पानी देने का विचार रखते हैं। इसी तरह से बड़े शहरों में 110 लिटर प्रति व्यक्ति करने का विचार है। साथ ही जहां पर पानी कम है, वहां दूसरे ट्यूबवैल्ज लगाकर पानी को बढ़ाने का विचार है।

श्री जय प्रकाश : स्पीकर साहब, मन्त्री जी ने कहा है कि प्रति व्यक्ति चालीस लीटर पानी देने का प्रावधान है। हरियाणा में ऐसे बहुत से देहात हैं जहां जनसंख्या बहुत ज्यादा है, जिसके कारण वहां पर चालीस लीटर प्रति व्यक्ति पानी नहीं मिल पाता। इसलिए मैं मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि ऐसे इलाकों में जहां लोगों को पर्याप्त पानी नहीं मिलता, क्या ये वहां पर चालीस लीटर पानी देने का कोई प्रावधान करेंगे ?

श्री राम पाल सिंह कंवर : स्पीकर साहब, मैंने बताया है कि आठवीं पंचवर्षीय योजना में हमारा प्लान यही है कि जहां पर लोगों को चालीस लीटर प्रति व्यक्ति पानी नहीं मिल पाता, वहां पर हमारा लोगों को चालीस लीटर प्रति व्यक्ति पानी देने का प्रावधान है।

श्री जय प्रकाश : स्पीकर साहब, पानी की आवश्यकता तो हर एक आदमी को फौरन ही पड़ती है, इसलिए ये कब तक उनको चालीस लीटर पानी प्रति व्यक्ति पूरा करवायेंगे ?

श्री अध्यक्ष : जय प्रकाश जी, मंत्री जी ने बता दिया है कि आठवीं पंचवर्षीय योजना में यह काम पूरा हो जाएगा।

श्री अजमत खां : स्पीकर साहब, मैं आपके माध्यम से मन्त्री जी से जानना चाहूंगा, जैसा कि इन्होंने कहा है चालीस लीटर पानी प्रति व्यक्ति लोगों को मिलेगा। मैं यह चाहता हूं कि जहां पर पानी भी है, ट्यूबवैल भी हैं लेकिन वहां पर इनके कर्मचारियों की तादात काफी कम है, कहीं पर लाईनमैन नहीं है तो कहीं पर ड्राईवर नहीं है, जिसके कारण लोगों को पानी होते हुए भी नहीं दिया जा रहा है। तो क्या मंत्री जी ऐसे इलाकों में कोई इंतजाम करेंगे ?

श्री राम पाल सिंह कंवर : स्पीकर साहब, मैं माननीय सदस्य को बताना चाहूंगा कि ऐसी कोई जगह नहीं है जहां हमारे वाटर वर्क्स पर आदमी न हों। फिर भी अगर ऐसी कोई जगह इनके नोटिस में हो तो यह हमें बताएं। हम वहां पर फौरन आदमी लगाकर ठीक करायेंगे। इसके अलावा, इन्होंने यह भी कहा है कि इनके इलाके में पानी पूरा नहीं मिल रहा। स्पीकर साहब, मैं इस महान सदन को बताना चाहूंगा कि हमने स्ट्राईक के दिनों में भी पानी की सप्लाई को कम नहीं होने दिया। हम उन दिनों में भी पूरा पानी उपलब्ध करवाते रहे हैं, तो फिर नार्मल दिनों में तो हमारे खिलाफ यह शिकायत नहीं होनी चाहिए।

चौधरी जाकिर हुसैन : स्पीकर साहब, मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि क्या उनके नोटिस में यह बात है कि पिछले समय में हमारे मेवात एरिये में सात-आठ नये ट्यूबवैल लगाये गए थे। लेकिन इतने महीने हो जाने के बावजूद भी इनको अभी तक बिजली बोर्ड ने बिजली के कनैक्शंज नहीं दिये हैं। बिजली बोर्ड इसके लिए इंडस्ट्रियल सिक्योरिटी मांग रहा है जो नहीं मांगनी चाहिए। क्या मंत्री जी इस मामले को बिजली बोर्ड के साथ टेकअप करेंगे और क्या उन ट्यूबवैल्ज को चालू करवाएंगे ?

श्री राम पाल सिंह कंवर : स्पीकर साहब, मैं यह बात मानता हूं कि हमारे कई ट्यूबवैल्ज इस वक्त बोर हो चुके हैं और वे पानी देने के लिए तैयार खड़े हैं लेकिन अभी तक बिजली का कनैक्शन न मिल पाने की वजह से वे पानी नहीं उपलब्ध करवा पा रहे हैं। लेकिन हमारा यह प्रयास है कि जल्दी से जल्दी बिजली बोर्ड के साथ मीटिंग करके इनको चलवाया जाए। वैसे मैंने मंत्री जी से इनके बारे में बात भी की है और मंत्री जी ने हमें आश्वासन दिया है कि वाटर सप्लाई के कनैक्शन आपको दे दिये जायेंगे। इसलिए हम उनको जल्दी से जल्दी कनैक्शन दिलवाकर चालू करवाएंगे।

श्री हरि सिंह बलवा : स्पीकर साहब, अभी मंत्री महोदय ने फरमाया था कि आठवीं पंचवर्षीय योजना में प्रति व्यक्ति चालीस लीटर पानी देने का प्रावधान है। लेकिन गवर्नर साहब के एड्रैस में यह दर्शाया गया है कि सरकार ने 334 गांवों में पिछले साल पीने का पानी दे दिया है और 1993-94 के अन्दर 800 गांवों में सरकार पीने का पानी दे देगी तथा उससे अगले साल भी सरकार 800 गांवों को पानी देगी। सर, इस तरह से तो 800 और 800, सोलह सौ गांव हो जायेंगे, जब कि 334 गांवों को सरकार ने पानी दे दिया है। सर, मेरी समझ में यह नहीं आता कि आठवीं पंचवर्षीय योजना में यह काम कैसे पूरा हो सकता है ? मैं समझता हूं कि हरियाणा प्रांन्त की फाईनेंशियल पोजीशन इतनी मजबूत नहीं है जिससे कि यह काम पूरा हो सके। मैं आदरणीय मन्त्री महोदय से जानना चाहूंगा कि क्या भारत सरकार से आठवीं पंचवर्षीय योजना में पीने के पानी के लिए कोई ऐड मिलनी संभव है, अगर है तो वह कितनी है ?

श्री राम पाल सिंह कंवर : स्पीकर सर, हमने 40 लीटर प्रति व्यक्ति पानी की सप्लाई देने के लिए जो गांव आइडैन्टीफाई किए हैं, उनके बारे में यह है कि जितना धन उपलब्ध होता रहेगा, उतने से ही हम इन स्कीमों को चालू करेंगे और पानी देंगे। छोटे कस्बों में अधिक मात्रा में पानी देने के लिए सैन्ट्रल गवर्नमैंट की स्कीम आई है जिसको हरियाणा सरकार ने अनुमति देकर सैन्ट्रल गवर्नमैन्ट को भेजा है ताकि हमें उन स्माल टाउन्ज में पानी देने के लिए पैसा मिल जाए। इससे यह होगा कि जो पैसा हमें खर्च करना है, वह हमें सैन्ट्रल गवर्नमैन्ट से उपलब्ध हो जाएगा और जो धन स्टेट गवर्नमैन्ट का बचेगा, उसे बाकी गांवों पर खर्च करेंगे।

श्री राम भजन अग्रवाल : स्पीकर सर, मैं आपके माध्यम से मंत्री महोदय से कहना चाहूंगा कि पीने के पानी की समस्या के लिए पब्लिक हैल्थ, इरीगेशन और बिजली, तीनों महकमों की आपस में कोई को-आर्डीनेशन नहीं है। क्या मुख्य मंत्री जी इस बारे में को-आर्डीनेशन कर पाएंगे जिससे कि पीने के पानी की अच्छी व्यवस्था हो सके ?

श्री राम पाल सिंह कंवर : स्पीकर सर, हमेशा सरकार के डिपार्टमैंट्स का आपस में को-आर्डीनेशन रहता है । सरकार की ज्वायंट जिम्मेदारी होती है। कहीं भी कोई काम करना हो, 2-3 डिपार्टमैन्ट्स की आपस में इन्वोल्वमैंट होती है । मीटिंग करके उनका कोई न कोई समाधान निकालकर सुचारू रूप से काम किया जाता है।

श्री अध्यक्ष : मुख्य मंत्री जी भी इस प्रश्न का जवाब दे दें ।

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल) : अध्यक्ष महोदय, सवाल बड़ा अहम है। पीने के पानी का बंदोबस्त मैं सरकार के लिए पहला काम समझता हूं, खेती के लिए भी और पीने के पानी के लिए भी । हरियाणा प्रदेश देश में पहला ऐसा प्रदेश है जिसके हर गांव में हमने पीने के स्वच्छ पानी की टूटी पहुंचाई है । जहां तक इन्होंने को-आर्डीनेशन की बात कही है, बिजली डिपार्टमैन्ट, इरीगेशन और पब्लिक हैल्थ डिपार्टमैन्ट बैठकर मीटिंग करके फैसला करते हैं, जहां कहीं भी थोड़ी बहुत दिक्कत आती है, इस के लिए बाकायदा पब्लिक हैल्थ मिनिस्टर की अध्यक्षता में कमेटी बना रखी है, जब भी कोई दिक्कत हो वे मीटिंग बुला सकते हैं । बिजली का कनैक्शन देने की बात हो, चाहे इरीगेशन से वाटर सप्लाई को जोड़ने की बात हो, इस के लिए पूरी फैसिलिटी और पूरा इंतजाम हमने किया हुआ है कि पीने के पानी की तकलीफ किसी भी गांव में न हो, किसी जगह न हो ।

श्री राम रतन : स्पीकर सर, मैं आपके माध्यम से जानना चाहता हूं, जैसा अभी मुख्यमंत्री जी ने कहा है कि पीने के पानी की सुविधा हर गांव में दी है । मैं आपको अपने क्षेत्र के कई गांव बता सकता हूं जहां वाटर सप्लाई का कोई नामो-निशान नहीं है । क्या उन गांवों में पीने के पानी की व्यवस्था की जाएगी ? गांवों के नाम इस प्रकार से हैं :—भवाना, सेख साही, पहलादपुर, गुरवाड़ी, गड़ी-हीडल, भरतगढ़, गुरजननगला, समशाबाद, इस्लामाबाद, बसन्तगढ़ और लुहारगढ़ ।

श्री अध्यक्ष : राम रतन जी, आप नाम लिख कर भेज दें ।

चौधरी भजन लाल : अध्यक्ष महोदय जैसाकि हमने गवर्नर साहब के ऐड्रैस में भी जीक्र किया है, हरियाणा प्रदेश के ऐसे गांव जिनकी आबादी 250 से कम है,

या खादर में हैं, या पहाड़ी एरिया में हैं, वहां कुछ गांवों में पानी नहीं पहुंचा पाए हैं। राम रतन जी ने कहा है कि उनके हल्के के कुछ गांव ऐसे हैं जिनमें पानी की व्यवस्था नहीं है, हो सकता है उनकी आबादी कुछ कम हो। मैं आपको बताना चाहूंगा कि हमारी स्टेट के लिये 6 जिलों में डेजर्ट स्कीम भी आ गई है, उसके तहत पैसा भी आ गया है। हम इसके तहत प्रदेश में, जहां पर डैजर्ट एरिया है और पानी की दिक्कत है वहां के लिये पानी का प्रबन्ध कर रहे हैं। इसके तहत जहां पर पानी की पुरानी स्कीमें बनी हुई हैं, उनकी भी रिवाईज कर रहे हैं। जहां पहले 20 लिटर प्रति व्यक्ति पानी मिलता था, अब वहां के लिये 40 लिटर, जहां पहले 40 लिटर मिलता था, वहां के लिये 70 लिटर और जहां पर पहले 70 लिटर मिलता था, वहां के लिये 110 लिटर पानी मुहैया कराने जा रहे हैं। इस तरह से हम पीने के पानी की उपलब्धता पर जोर दे रहे हैं। जहां तक माननीय सदस्य की इस बात का ताल्लुक है कि उनके क्षेत्र के कुछ गांव ऐसे हैं जहां पानी की सुविधा नहीं हैं, वह हमें इसकी लिस्ट देने की मेहरबानी करें या हमें लिख कर भेज दें, हम जरूर इस बारे में कार्यवाही करेंगे।

श्री सूरज मल : अध्यक्ष महोदय, मैं मंत्री महोदय से एक बात जानना चाहता हूं। जहां पर पानी को ओपन नालियों द्वारा डिग्गियों में लाने की स्कीम है, वहां पर इतनी गन्दगी होती है कि उसी पानी को हमें पीना पड़ता है। जो ओपन नालियां होती हैं, वहीं पर लोग लैट्रीन्ज करते हैं। इसको कवर किया जाना चाहिए या फिर पाईप लाईन के जरिये यह पानी डिग्गियों में लाया जाना चाहिए, इसका क्या कोई समाधान करने की कोशिश करेंगे ? मेरे हल्के में बराही एक गांव है, वहां पर खुली नालियां हैं। उस पानी में इतनी गन्दगी होती है कि वह सारी की सारी टैंक में आती है। इसका समाधान यही हो सकता है कि या तो उसको कवर करके नालियों द्वारा लायें या फिर पाईप के जरिए पानी लायें। क्या सरकार इस बारे में कुछ कार्यवाही करेगी ?

श्री राम पाल सिंह कंवर : अध्यक्ष महोदय, यह दिक्कत वहां पर है जहां नहरी पानी को पीने के लिए दिया जाता है। हमने वहां पर कैरियर चैनल्ज बना रखी हैं, वे सारी चैनल्ज ओपन हैं। उसके द्वारा पानी को टैंकियों में लेकर आते हैं। वहां इस पानी को फिल्टर करके आगे पीने के लिए सप्लाई करते हैं। फिलहाल तो हमारी उन चैनल्ज को कवर करने की कोई पालिसी नहीं है। उनको कवर करने की बजाये हम पानी की मात्रा बढ़ाने का प्रयास कर रहे हैं। उसके पश्चात जब पूरा पानी आने लगेगा, तब इस बात की ओर ध्यान दिया जायगा।

तारांकित प्रश्न सं0 739

यह प्रश्न पूछा नहीं गया क्योंकि इस समय माननीय सदस्य श्री बलवन्त सिंह सदन में उपस्थित नहीं थे।

तारांकित प्रश्न सं0 766

यह प्रश्न पूछा नहीं गया क्योंकि इस समय माननीय सदस्य श्री रमेश कुमार सदन में उपस्थित नहीं थे।

Students in Schools and Colleges

*782. **Prof. Ram Bilas Sharma** : Will the Minister for Education be pleased to state the total number of students in the Government Schools and Colleges and the Government aided Private Schools and Colleges in the State during the year 1992-93, separately ?

Education Minister (Shri Phool Chand Mullana) :

Colleges

Total number of students in Govt. Colleges during 1992-93.	56,689
Total number of students in Govt. aided Private Colleges.	1,01,204
Total	1,57,893

Secondary Schools

Total number of students in Govt. schools during 1992-93.	19,32,280
Total number of students in Govt. aided private schools	1,21,005
Total	20,53,285

Primary/Attached Primary Schools

Total number of students in Govt. schools during 1992-93	16,29,000
Total number of students in privately managed aided recognised schools	1,16,000
Total	17,45,000

प्रो0 राम बिलास शर्मा : अध्यक्ष महोदय, मन्त्री महोदय ने अपने लिखित उत्तर में वर्ष 1992–93 में राजकीय महाविद्यालयों में छात्रों की संख्या 56,689 बताई है और प्राईवेट कालिजिज में यह संख्या 1,01,204 बताई है जो कि दुगनी है। मैं शिक्षा मन्त्री महोदय से जानना चाहूंगा कि सरकारी कालिजिज की बजाए प्राईवेट कालिजिज में जो छात्रों की संख्या दुगनी है, कहीं इसका कारण सरकारी कालिजिज में शिक्षा का स्तर नीचा होना तो नहीं है, अथवा इसका कारण यह तो नहीं है कि सरकारी कालिजिज में सरकार ने दाखिला बन्द कर दिया था? स्पीकर साहब, दूसरा सवाल मेरा यह है कि टीचर और स्टूडैंट का रेशो क्या है?

श्री फूल चन्द मुलाना : अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य ने पूछा है कि प्राईवेट कालिजिज में छात्रों की संख्या ज्यादा क्यों है और गवर्नमैंट कालिजिज में संख्या कम क्यों है। मैं इस सदन को बताना चाहूंगा कि हरियाणा प्रान्त बनने के पश्चात शिक्षा के क्षेत्र में बहुत प्रगति हुई है। जब 1966 में हरियाणा बना तो उस समय राज्य में बारह गवर्नमैंट कालिजिज थे और तेतीस प्राईवेट कालिजिज थे। इस समय टोटल कालिजिज 140 हैं और इन 140 में से 43 गवर्नमैंट कालिजिज हैं और 97 प्राईवेट हैं। इसलिए प्राईवेट कालिजिज में संख्या ज्यादा है क्योंकि प्राईवेट कालिजिज की संख्या ज्यादा है। माननीय सदस्य ने यह भी पूछा है कि कहीं इसका कारण स्तर का कम होना तो नहीं है, इस बारे में मैं बताना चाहता हूं कि आप जानते हैं कि गवर्नमैंट कालिजिज का तो शिक्षा के क्षेत्र में नाम है, स्तर कम नहीं है। जहां तक यह पूछा है कि टीचर और स्टूडैंट का रेशो क्या है, इसके लिए मैं माननीय सदस्य से प्रार्थना करूंगा कि वे अलग से क्वैश्चन भेज दें, जवाब दे दिया जायेगा।

डा0 राम प्रकाश : क्या मन्त्री महोदय यह बताने की कृपा करेंगे कि प्राईमरी स्कूलों में शिड्यूल्ड कास्ट्स बच्चों की ड्रौप आउट की संख्या क्या है और क्या यह संख्या पिछले साल से बढ़ी है या घटी है?

श्री फूल चन्द मुलाना : स्पीकर साहब, पहले ड्रौप आउट बहुत ज्यादा थी लेकिन सरकार की चेष्टा है कि न केवल ड्रौप आउट को रोका जाए बल्कि पूरी एनरोलमैंट हो और इसके लिए उनको कई प्रकार के प्रलोभन और हैल्प दी है। आज के दिन मैं यह कह सकता हूं कि इन साधनों को अपनाने से ड्रौप आउट की संख्या घटी है, बढ़ी नहीं है।

डा0 राम प्रकाश : मन्त्री महोदय ने यह ड्रौप आउट की संख्या घटने के बारे में जो बात कही है, क्या वह इसकी पुष्टि आंकड़ों से करेंगे?

श्री फूल चन्द मुलाना : इसके लिए माननीय सदस्य अलग से प्रश्न भेज दें।

श्री अमर सिंह : अध्यक्ष महोदय, शिक्षा मन्त्री जी ने कालिजिज में छात्रों की संख्या 1,57,893 बताई है और हायर सेकेण्डरी स्कूलों में 20,53,285 बताई है तथा प्राईमरी

[श्री अमर सिंह]

स्कूलों में 17,45,000 संख्या बताई है। क्या मन्त्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि इनमें बैकवर्ड क्लासिज और शिड्यूल्ड कास्टस के टोटल स्टूडेंट्स कितने हैं और दूसरा मेरा सवाल यह है कि क्या सरकार की यह मंशा पूरी हो गई है कि हरियाणा में छः साल के सभी बच्चे शिक्षा प्राप्त करें ?

श्री फूल चन्द मुलाना : स्पीकर साहब, सवाल में कास्टवाइज फिगर्ज नहीं पूछी हैं, टोटल स्ट्रैंग्थ पूछी है। कास्टवाइज फिगर्ज के लिए माननीय सदस्य अलग से क्वैश्चन भेज दें, मैं जवाब दे दूंगा।

श्री अमर सिंह : स्पीकर साहब, मेरे दूसरे सवाल का जवाब नहीं आया कि सरकार का यह उद्देश्य कि छः साल का हर बच्चा शिक्षा प्राप्त करे, क्या यह लक्ष्य पूरा हो गया है ?

श्री फूल चन्द मुलाना : स्पीकर साहब, सरकार का लक्ष्य लगभग पूरा हो गया है और सरकार का यह प्रयास है कि सभी ऐसे बच्चों को स्कूल में दाखिल करवा सकें।

प्रो० छतर सिंह चौहान : अध्यक्ष महोदय, मन्त्री महोदय ने सैकिण्डरी स्कूलों में छात्रों की संख्या 20,53,285 बताई है और प्राईमरी स्कूलों में छात्रों की संख्या 17,45,000 बताई है। अध्यक्ष महोदय, प्राईमरी स्कूलों में हमेशा बच्चों की संख्या ज्यादा होती है, तो ड्रॉप आउट कहां कम हो गया ? दूसरा मेरा सवाल यह है कि मन्त्री महोदय ने गवर्नमैंट कालिजिज और प्राईवेट कालिजिज में स्टूडेंटस की जो संख्या बताई है, इसको देखते हुए क्या मन्त्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि गवर्नमैंट कालिजिज में टीचर्ज और स्टूडैंटस की रेशो क्या है और प्राईवेट में क्या है और पिछले पांच साल में गवर्नमैंट कालिजिज में लेकचरार्ज कितने लगे हैं और प्राईवेट कालिजिज में कितने लगे हैं ?

श्री फूल चन्द मुलाना : अध्यक्ष महोदय, लगता है कि माननीय सदस्य ने सवाल को ठीक से नहीं पढ़ा। सवाल में जो सूचना मांगी गई थी वह मैंने दे दी है। हमारे यहां बहुत से ऐसे स्कूल हैं जो अन-रिकगनाइज्ड हैं और बहुत से ऐसे भी हैं जो गवर्नमैंट एडिड नहीं हैं। उनकी संख्या इसमें नहीं है। जहां तक इनके पहले प्रश्न का संबंध है, उसके लिए ये अलग से नोटिस दे दें, जवाब दे दिया जाएगा।

श्री मनी राम केहरवाला : अध्यक्ष महोदय, मन्त्री जी ने अभी बताया कि कुछ गवर्नमैंट एडिड स्कूल हैं और कुछ प्राइवेट स्कूल हैं जो रिकगनाइज्ड हैं। उनको ऐड देने के लिए क्या क्राइटेरिया है ?

श्री फूल चन्द मुलाना : अध्यक्ष महोदय, सरकार की नीति है कि हर व्यक्ति को जो शिक्षा ग्रहण करने के काबिल है, उसको शिक्षा दे। सरकार अकेली सक्षम नहीं है कि वह

सभी जगह स्कूल और कालेज खोल सके। इसलिए प्राइवेट संस्थाओं जैसे डी0 ए0 वी0 वगैरह हैं, जिन्होंने अपने कालेज खोले हुए हैं और वे सरकार की शर्तों को पूरा करते हैं, उनको सरकार रिकगनाइज भी करती है और टीचर्ज की पे का 95% खर्चा भी देती है।

साथी लहरी सिंह : अध्यक्ष महोदय, अभी मन्त्री जी ने बताया कि सरकार 95% एड देती है। जो प्राईवेट स्कूल या कालेज 95% ऐड लेते हैं क्या वे सरकारी रूल्ज की पूरी पालना करते है या नहीं ? जैसे टीचर्ज की भरती होती है, लैक्चरर्ज या क्लास थ्री और फोर की भरती होती है, क्या उसमें वे रिजर्वेशन का ध्यान रखते हैं ? अगर नहीं रखते तो उनके खिलाफ सरकार ने क्या ऐक्शन लिया ?

श्री फूल चन्द मुलाना : अध्यक्ष महोदय, जिन स्कूलों या कालेजों को ऐड दी जाती है, उनका बाकायदा आडिट भी होता है। वैसे उनकी मैनेजमैंट एक प्राइवेट बाडी होती है लेकिन जब कभी भर्ती का मामला आता है तो सरकार और यूनिवर्सिटी के नुमायंदे इंटरव्यू में जाते हैं। अगर कोई अनियमितता होती है तो बाकायदा कार्यवाही की जाती है। अगर कोई संस्था सरकार की शर्तें पूरी नहीं करती तो कई जगहों पर ऐसी संस्था को सरकार टेक ओवर भी कर लेती है।

साथी लहरी सिंह : स्पीकर साहब, मैंने तो रिजर्वेशन के बारे में पूछा था कि उसको वे लागू करते है या नहीं ?

श्री अध्यक्ष : लहरी सिंह जी, जहां एक पोस्ट भरनी हो, वहां रिजर्वेशन कैसे पूरी होगी ?

साथी लहरी सिंह : वे क्लर्क और क्लास फोर के स्टाफ की भी भर्ती करते हैं, उसमें तो रिजर्वेशन पूरी होनी चाहिए ? (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : आप बैठिए, इस बारे में मन्त्री जी ने बता दिया है।

चौधरी बीरेन्द्र सिंह : स्पीकर साहब, मन्त्री जी ने कालेजिज में स्टूडैंटस की टोटल संख्या एक लाख 57 हजार बताई है और सैकैंडरी स्कूल्ज में 20 लाख 53 हजार बताई है। इससे यह जाहिर होता है कि हायर एजुकेशन के लिए सिर्फ छः या साढ़े छः परसेंट बच्चे जाते हैं। This is a matter of concern, that out of 20 lakhs only 1,57,000 students joined higher education. Will the Minister tell what are the reasons for that ?

The second part of my question is that there are certain colleges, where adequate accommodation is not there. In this connection, I would like to cite the name of National College, Sirsa, which is now a Government College, and similarly in Govt. College Jind. The Principals of these Colleges have told me that they do not have the adequate accommodation for the students even to stand up, what to talk of sitting and giving proper teaching in these Colleges. So I would like to ask from the Hon. Minister whether Government is thinking to provide adequate/sufficient accommodation to such Colleges where proper accommodation is not available ?

Shri Phool Chand Mullana : My hon. friend Ch. Birender Singh has raised two points in one regarding decrease in the ratio of students in higher Education and the second point is about in-adequate accommodation in colleges. So far as the first part of the question is concerned, I would like to tell my friend that the ratio of students in higher education has decreased because there are some students, who after passing 10+2 examination, get admission in Medical Colleges, some go to Polytechnics, some go to Engineering Colleges and some go to other technical training Institutes. Hence this decrease in the number of higher education. So far as the other part of the question is concerned * * * * * (Interruption).

Chaudhri Birender Singh: Speaker Sir, the reply of first part of my question has not come to my satisfaction. What the hon. Minister has told is that the decrease in the ratio of students going to higher classes is due to the fact that they get admission in some professional training courses. So my specific question is whether there is any system with the Government by which they have made out any annual survey about this percentage of 6.42? Have you conducted any survey that so much students have got admission in Medical Colleges, so much students have gone to Engineering Colleges, and so much have gone to I.T.Is. ? Would you like to give the figures of such students ?

Shri Phool Chand Mullana : Speaker, Sir, as I have said earlier that one of the factors of decrease in the ratio of students going to higher education is that some get admission in Medical Colleges, some go to I.T.Is. and other Technical Training courses. Besides this, there are some poor students, who cannot afford admission in higher education and they go in for employment and join some service. So these are the reasons for decrease in the ratio of students going to higher education. As regards the data which my friend has asked about the number of students going or getting admission in colleges and other technical training courses, at present I do not have this data. So far as the second part of question is concerned, we admit that there is shortage of buildings in Government Colleges and this is due to the fact that the Government do not have adequate funds at its disposal and I assure my friend that as and when adequate funds are made available to the department, we will be able to provide adequate accommodation for the students as well as to the teachers and also proper teaching facilities in the Colleges.

श्री अमीर चन्द मक्कड़ : स्पीकर साहब, मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि इन्होंने प्राईवेट स्कूलों की जो संख्या दी है, क्या उसमें वे पब्लिक स्कूल भी शामिल हैं जिनको लोग घर घर पर चलाए बैठे हैं ? उन पब्लिक स्कूलों की पढ़ाई का स्तर भी बहुत नीचा है जो आजकल घर-घर पर चल रहे हैं और वे बिना शर्त के पब्लिक स्कूलों की मान्यता ले लेते हैं, क्या सरकार उन स्कूलों की मान्यता समाप्त करेगी, क्योंकि उसमें पढ़ाई का स्टैंडर्ड नहीं है ? इसके साथ-साथ मैं यह भी जानना चाहता हूं कि क्या सरकार प्रदेश के हर बच्चे को ईक्वल एजुकेशन देने का प्रावधान करेगी ?

श्री फूल चन्द मुलाना : स्पीकर साहब, माननीय सदस्य ने बड़ा अहम सवाल किया है। इन्होंने पूछा है कि क्या इस संख्या में पब्लिक स्कूलों की संख्या भी शामिल है। मैं अपने दोस्त को बताना चाहूंगा कि जो पब्लिक स्कूल रिकगनाईज्ड हैं, उनकी संख्या इसमें शामिल है। जहां तक माननीय सदस्य ने यह सवाल किया है कि वे पब्लिक स्कूल बिना शर्त के मान्यता ले लेते हैं, ऐसा नहीं है। हमारा शिक्षा विभाग इस बारे में पूरी जांच पड़ताल करता है और उसमें अगर कोई खामी पाई जाती है तो उसकी मान्यता रद्द कर दी जाती है। मैं एक बात माननीय सदस्यों से यह भी कहना चाहूंगा और उनका सहयोग भी चाहूंगा कि इस में चेतना की बड़ी भारी आवश्यकता है। हमारे ही आदमी फिर सिफारिश करते हैं इसको मान्यता दे दें, चाहे स्कूल के लिए एक कमरा भी न बना हो। आगे आने वाले समय में पूरी तरह से देखेंगे कि जो रिकगनाइजेशन का सवाल है, वह काम शिक्षा विभाग की बजाय एजुकेशन बोर्ड को सौंपा जाए ताकि वह इस बारे में अच्छी तरह से स्टडी करके रिकगनाइज करें क्योंकि इम्तिहान एजुकेशन बोर्ड ने दिलवाने हैं।

श्री अमीर चन्द मक्कड़ : स्पीकर साहब, मेरे एक सवाल का जवाब नहीं आया। मैंने यह भी पूछा है कि क्या सरकार ऐसा प्रबंध कर रही है कि सभी बच्चों को एक जैसी शिक्षा मिले। मैं मंत्री महोदय के नोटिस में लाना चाहता हूं कि आजकल पब्लिक स्कूल बहुत अधिक मात्रा में खोले गए हैं और वे बच्चों से बहुत ज्यादा पैसे लेते हैं। इन पब्लिक स्कूलों में 500 रुपये तक फीस ली जाती है जबकि सरकारी स्कूलों में बहुत कम खर्च आता है। इसलिए मैं जानना चाहता हूं कि क्या सरकार ऐसा कोई प्रबंध कर रही है ताकि सभी बच्चों को बराबर की शिक्षा मिले।

श्री फूल चन्द मुलाना : स्पीकर साहब, मैं भी इस बात का हामी हूं कि सभी बच्चों को बराबर की शिक्षा मिले। यही कारण है कि सरकार ने अपने सरकारी स्कूल खोले हैं। हम अपने स्कूलों में प्राईवेट स्कूलों से बढ़िया टीचर लगाते हैं, उनको अच्छी पे देते हैं। यह बच्चों के मां बाप की भी जिम्मेवारी बनती है कि वे अच्छे स्कूलों में अपने बच्चों को शिक्षा दिलायें। सरकार की तरफ से तो पूरी कोशिश रहती है कि सभी बच्चों को बराबर की शिक्षा मिले।

श्री सूरज मल : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री महोदय से जानना चाहता हूं कि आज हमारे बहादुरगढ़ में हो स्कूलों के नाम पर तरकीबन 175 दुकानें चलाई जा रही हैं। वे बच्चों से फीस भी अधिक लेते हैं और पढ़ाई भी वहां कुछ नहीं होती। उनका मकसद सिवाय पैसे के और कुछ नहीं है। इसलिए मैं मंत्री महोदय से जानना चाहता हूं कि क्या ऐसे स्कूलों, जो दुकानों की तरह पैसा इकट्ठा कर रहे हैं, की तरफ सरकार कोई ध्यान देगी।

श्री फूल चन्द मुलाना : मैं अपने सदस्य साथी को कहना चाहता हूं कि अगर कहीं ऐसी कोई बात है तो वह हमारे नोटिस में लाये कि फलां-फलां स्कूल बगैर शर्तें पूरी किए चल रहे हैं, हम उनको अपने विभाग से चैक करवा लेंगे । हम तो अच्छी शिक्षा देने के लिए ओपन एजुकेशन सिस्टम भी करने जा रहे हैं ताकि हरेक को शिक्षा मिल सके और किसी प्रकार का इम्तिहान दे सकें।

श्री सूरज मल : अध्यक्ष महोदय, मेरा कहना यह है कि हमारे बहादुरगढ़ में 175 स्कूल ऐसे हैं जो दुकान के तौर पर चले रहे हैं, क्या उनकी मान्यता समाप्त करने के लिए कुछ कार्यवाही सरकार करेगी ?

श्री फूल चन्द मुलाना : यदि ऐसी कोई बात वहां पर है, तो उसे हम चैक करवा लेंगे।

श्री अध्यक्ष : इनका दुकानों से मतलब यह है कि जो पब्लिक स्कूल खोले जा रहे हैं, उनमें जो टीचर रखते हैं, उनको 150-200 रुपये पर ही रखते है, जबकि न तो उनकी कोई बिल्डिंग होती है और न ही बच्चों के खेलने के लिए सामान और मैदान आदि होता है। ऐसे स्कूलों के बारे में सरकार का क्या विचार है ।

श्री फूल चन्द मुलाना : जिन स्कूलों को सरकार कोई ऐड नहीं देती, वे अपने ढंग से स्कूलों को चलाते हैं और फीस का स्तर भी वे अपने स्तर के अनुसार ही लेते हैं, ऐसे स्कूलों पर हरियाणा सरकार का कोई कन्ट्रोल नहीं है कि कितनी वे फीस लें । जो भी फीस वे लेते हैं, अपने स्तर के आधार पर ही लेते हैं । जो माता-पिता अपने बच्चे दाखिल कराते हैं, वे अपनी पेईंग कैपेसिटी के हिसाब से ही ऐसे स्कूलों में बच्चों को दाखिल करवाते हैं। हमने तो सरकारी स्कूल खोले हैं इसलिए वहां पर बच्चों को दाखिल करा सकते है।

बीरेन्द्र सिंह : अध्यक्ष महोदय, चौधरी सूरज मल जी ने जो सवाल पूछा है, वह बहुत ही महत्वपूर्ण है। मैं मंत्री महोदय को बताना चाहता हूं कि आजकल न सिर्फ शहरों और कस्बों में ही ये पब्लिक स्कूल खोले हुए हैं बल्कि गांवों में भी ऐसे स्कूल दिन-प्रति-दिन खुलते जा रहे हैं । ऐसे स्कूल कोई लाल-पीली-नीली ड्रैस और टाई फिक्स करके और अपने स्कूल का कोई टेढ़ा-मेढ़ा कोई अट्रेक्टिव नाम रखकर चलाते हैं। नाम से प्रभावित होकर बच्चों के मां-बाप अपने बच्चों को दाखिल करा देते हैं। ऐसे स्कूल बेतहाशा फीस लेते हैं । इतना ही नहीं, इन स्कूलों ने बसें तक लगा रखी हैं और ये बसें 2, 3, और चार-चार मील तक के फासले से बच्चों को जा कर लाती हैं । इन स्कूलों ने सारी स्टेट में लूट मचायी हुई है। इतना ही नहीं, इन स्कूलों में जो टीचर लगा रखे हैं, उनको भी 100-200 रुपये पे के देकर उनका शोषण किया जा रहा है। बच्चों के मां बाप इसलिए इन स्कूलों में डालते हैं कि मेरा बच्चा ज्यादा पढ़े लिखे जबकि ज्यादा पढ़ने लिखने की

बजाये उसका उल्टा असर होता है। इसलिए मैं मंत्री महोदय से जानना चाहता हूं कि क्या टीचर्ज के शोषण को रोकने के लिए और जो यह बच्चों के साथ लूट मचायी हुई है, उसको रोकने के लिए सरकार कोई कदम उठाने जा रही है ?

श्री फूल चन्द मुलाना : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय सदस्य श्री बीरेन्द्र सिंह जी को बताना चाहता हूं कि दो सिस्टम्ज के तहत स्कूल खोले जाते हैं। कुछ स्कूल्ज ऐसे हैं जो कि सी० बी० एस० ई० से रिकोग्नाईज्ड होते हैं और कुछ स्कूल हमारे एजुकेशन बोर्ड और हरियाणा शिक्षा विभाग से रिकोग्नाईज्ड होते हैं। जो स्कूल्ज हमारे विभाग द्वारा रिकोग्नाईज्ड हैं, उन पर हमारा पूरा कंट्रोल है लेकिन जो स्कूल्ज सी० बी० एस० ई० के रिकोग्नाईज्ड हैं, उन पर हमारा कंट्रोल नहीं है। चौधरी बीरेन्द्र सिंह जी ने कहा कि स्कूलों द्वारा बेतहाशा फीस ली जाती है तथा अध्यापकों का शोषण किया जाता है। इस बारे में मैं हाउस को बताना चाहूंगा कि सरकार इस बारे में पहले से ही जागरूक है और जहां जो कमी पाएगी, उसको ठीक करने का पूरा प्रयास करेगी।

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल) : अध्यक्ष महोदय, आपने भी बिल्कुल ठीक बात कही और चौधरी बीरेन्द्र सिंह जी ने भी जो कहा, वह ठीक बात है और मैं भी यह महसूस करता हूं कि जो पब्लिक स्कूल्ज हैं, वे दुकानें ही हैं और इस बारे में चौधरी सूरज मल जी ने ठीक कहा है। स्पीकर साहब, इस बारे में हम एक कमेटी बनाएंगे जो कि इस बारे में पूरी तरह से विचार करेगी कि किस तरह से इसको कण्ट्रोल किया जा सकता है और इस प्रकार के शोषण और लूट को कैसे रोका जा सकता है। यह कमेटी कोई रास्ता निकालेगी ताकि स्कूल की बाकायदा रजिस्ट्रेशन हो सके। जो स्कूल खोले जाएं, उनकी रजिस्ट्रेशन से पहले कमेटी इस मामले की तह तक जाएगी और उसके नार्म्ज फिक्स करेगी ताकि जो अनाप-शनाप स्कूल खुले हुए हैं, उनको कैसे बन्द किया जा सकता है। स्पीकर साहब, इस बारे में हम जरूर विचार करेंगे और एक नीति बना कर अगले सैशन में हम हाउस में लाएंगे।

श्री अध्यक्ष : फूल चन्द जी, आप यह बताईये कि कालेजिज के लिए मन्जूरी का क्या क्राईटीरिया है और गर्ल्ज कालेजिज के लिए क्या कोई अलग क्राईटीरिया है ?

श्री फूल चन्द मुलाना : स्पीकर सर, नये कालेजिज खोलने के लिए सरकार की जो नीति है उसमें कुछ शर्तें रखी गई हैं, जमीन वे देंगे, उसमें बच्चों की संख्या कितनी होगी, सरकार से आप कोई सहायता नहीं मांगेंगे, जो हमारी शर्तों को पूरा करेंगे, वहां पर कालेज खोलने की मन्जूरी दी जाती है। लड़कियों के कालेज के लिए सरकार की नीति अलग है। लड़कियों की शिक्षा को हम अधिक महत्वपूर्ण मानते हैं। लड़की को पढ़ाने का मतलब है कि एक पूरा परिवार पढ़ा दिया जब कि लड़के को पढ़ाने से एक व्यक्ति पढ़ता है। सरकार की नीति के मुताबिक लड़कियों के स्कूल और कालेज खोलने पर अधिक प्रोत्साहन दिया जाता है।

चौधरी बीरेन्द्र सिंह : मुख्य मन्त्री जी ने कमेटी बनाने का जो सुझाव दिया है, वह बहुत ही अच्छा है । इस सम्बन्ध में मैं मुख्य मंत्री जी से एक बात और कहना चाहूंगा और मैंने पहले भी इसका जिक्र किया था कि जहां स्टेट के रिसोर्सिज की मोबिलाईजेशन की बात है, इस प्रकार के शिक्षा के अदारों पर भी टैक्स लगाया जाना चाहिए ताकि स्टेट एक्सचैकर को फायदा हो । यह देखा गया है कि ऐसे स्कूलों की आमदनी हजारों में नहीं बल्कि लाखों में है, इसलिए उनको टैक्स किया जाना चाहिए ताकि स्टेट की आमदनी बढ़ाने में सहायता मिल सके।

चौधरी भजन लाल : स्पीकर साहब, चौधरी बीरेन्द्र सिंह जी ने बहुत अच्छा सुझाव दिया है और उस कमेटी के दायरे में हम इस बात को भी रख देंगे कि रजिस्ट्रेशन की क्या फीस होगी, क्या तन्खवाह देंगे या क्या सिस्टम होगा । इस बारे में जो कमेटी बनाएंगे, हम उस में चौधरी बीरेन्द्र सिंह जी को भी जरूर शामिल करेंगे ।

चौधरी अजमत खां : स्पीकर साहब, मुख्य मन्त्री जी ने बहुत ही अच्छी बात कही है कि इन पर टैक्स भी लगाया जाना चाहिए । इसके साथ ही मैं यह कहना चाहूंगा कि जहां नाम मात्र की सोसाइटी बना ली है, कोई स्कूल नहीं और मंत्री अपने फंड से उनको पैसा देते हैं , यह बात भी बन्द होनी चाहिए और ऐसे स्कूलों या कालेजों को मंत्रियों द्वारा जो पैसा एनाउंस करके दिया जाता है, वह भी मना करना चाहिए ।

श्री फूल चन्द मुलाना : स्पीकर साहब, किसी भी स्कूल में अगर कोई मंत्री जाता है, तो वह उस हल्के के विधायक की इच्छा के बिना नहीं जाता । जहां विधायक बुलाते है, मन्त्री वहां पर जाते हैं और जब मंत्री कहीं जाते हैं तो फिर उसके लिए उनको कुछ देना ही पड़ता है।

चौधरी अजमत खां : अध्यक्ष महोदय, मेवात ऐजुकेशन सोसाइटी के नाम पर कोई सोसाइटी नहीं है । एक मंत्री जी चले जाते है और 20 हजार रुपए ग्रान्ट के तौर पर दे आते हैं । अध्यक्ष महोदय, या तो ये वहां पर गलत बोल कर आए हैं कि वे 20 हजार पैसा दे देंगे या फिर अपने किसी खास आदमी का इस बहाने फायदा करना चाहते हैं । (व्यवधान)

चौधरी भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, अजमत खां जी ने खदशा जाहिर किया है कि वहां पर स्कूल नहीं है या उन्हें मान्यता प्राप्त नहीं है और उनमें ग्रान्ट दे दी जाती है । अध्यक्ष महोदय, हम इस बात को ध्यान में रखते हैं कि अगर किसी स्कूल को मान्यता प्राप्त नहीं है तो वहां पर ग्रान्ट न दी जाए । अगर सच में ही वहां पर ऐसी कोई बात है, तो हमें लिखकर भेजें । हम उनसे ग्रान्ट वापिस ले लेंगे और आईन्दा इस बात का ध्यान रखेंगे तथा सभी मिनिस्टर भी इस बात का ध्यान रखेंगे ।

डा० राम प्रकाश : अध्यक्ष महोदय, मुख्यमंत्री जी ने अभी चिन्ता व्यक्त की है तो मैं शिक्षा मंत्री जी से यह जानना चाहता हूं कि जिन स्कूलों के साथ एम० एल० ए० ज० या मंत्री या सरकारी अधिकारी जुड़े हुए हैं और उनके लिए चन्दा लेते हैं, उनके बारे में क्या नीति है ? क्योंकि ऐसे लोग ही ऐसे स्कूल चलाएंगे जिनको मान्यता प्राप्त नहीं है, इस तरह आम लोगों को भी इससे प्रोत्साहन मिलेगा।

श्री फूल चन्द मुलाना : अध्यक्ष महोदय, हमारे पास स्कूलों का जो रिकार्ड है, उसमें ऐसा नहीं लिखा हुआ है कि फलाना स्कूल के साथ फलाना-फलाना मंत्री जुड़ा हुआ है। अध्यक्ष महोदय, अगर ऐसी कोई अनियमतताएं होंगी तो हम इसकी जांच करवा लेंगे।

डा० राम प्रकाश : अध्यक्ष महोदय, यह तो चन्दे की पर्ची से ही पता चल जाता है कि अमुक आदमी स्कूल चला रहा है।

श्री फूल चन्द मुलाना : अध्यक्ष महोदय, अगर ऐसी कोई बात है तो हम इनको बता देंगे।

चौधरी भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, अगर कोई आदमी स्कूल चलाना चाहे तो वह चला सकता है। चाहे वह एक्स एम० एल० ए० हो, एम० पी० हो या कोई और हो, वह स्कूल चला सकता है। लेकिन सवाल तो यह है कि वह स्कूल गलत ढंग से तो नहीं चल रहा है। कोई पब्लिक के साथ चीटिंग तो नहीं कर रहा है। अगर ऐसी कोई बात है, तो उस बारे में हमें लिखकर दें, हम इसको देख लेंगे।

श्री अध्यक्ष : क्या मंत्री जी यह बताएंगे कि क्या कालेजों को आगे ग्रान्ट्स नहीं दी जाएगी ? अगर आप ग्रान्ट नहीं देंगे तो देहातों में आपकी ऐजुकेशन का फैलाव नहीं होगा। इसलिए क्या आप देहात के कालेजिज को ग्रान्ट देने के लिए कंसीडर करेंगे ?

श्री फूल चन्द मुलाना : अध्यक्ष महोदय, आज कल जो नए कालेजिज खुल रहे हैं, उनके लिए सरकार की मौजूदा नीति यह है कि उनको अभी ग्रान्ट नहीं देंगे क्यों कि उनके पास पहले ही काफी ग्रान्ट है। जहां तक कहीं पर विस्तार का सवाल है, सरकार उस पर विचार कर लेगी।

श्री अध्यक्ष : मंत्री जी, देहात की लड़कियां शहरों में नहीं जा सकतीं, इसलिये रूरल एरियाज में जहां पर लड़कियों के लिए कालेजिज खोले हैं, क्या आप वहां पर ग्रान्ट देने की सोचेंगे ?

श्री फूल चन्द मुलाना : अध्यक्ष महोदय, सरकार की नीति यह है कि समय के मुताबिक, जरूरत के मुताबिक पुनर्विचार किया जा सकता है। जहां कहीं भी आवश्यकता होगी, आप लिखकर भिजवा दें, हम उसको ऐग्जामिन करवा लेंगे।

श्री हरि सिंह नलवा : अध्यक्ष जी, यह बहुत अहम मुद्दा है। सी0बी0एस0ई0 के जो स्कूल होते हैं, उनका क्राईटेरिया फिक्स किया हुआ होता है। अगर सी0बी0 एस0ई0 के क्राईटेरिया से बाहर जाकर कोई स्कूल के लिए अप्लाई करता है तो वह उसको मान्यता नहीं देता। जैसे सी0बी0एस0ई0 के क्राईटेरिये के मुताबिक सवा पांच एकड़ जमीन अवश्य होनी चाहिए। अगर इतनी जमीन नहीं होगी तो सी0बी0एस0ई0 उसको मान्यता नहीं देता। इसी तरह से जैसे प्रान्त के अन्दर सी0बी0एस0ई0 का कोई सदस्य स्कूल खोलना चाहता है ..... (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : नलवा जी, आप स्पीच न दें। आप स्पैसिफिक क्वैश्चन ही पूछ करें।

श्री धीर पाल सिंह : अध्यक्ष महोदय, यह हाऊस का समय बर्बाद कर रहे हैं (शोर एवं व्यवधान)

श्री हरि सिंह नलवा : स्पीकर सर, इसी तरह अगर सी0 बी0 एस0 ई0 का कोई सदस्य स्कूल खोलना चाहे तो उसके बारे में उस संस्था को सरकार से नो-ऑब्जैक्शन सर्टीफिकेट लेना पड़ता है और सरकार क्राईटेरिया देख कर ही नो-ऑब्जैक्शन सर्टीफिकेट देती है।

श्री अध्यक्ष : आप अपना क्वैश्चन पूछिए। (शोर एवं व्यवधान)

श्री हरि सिंह नलवा : स्पीकर साहब, मैं मन्त्री जी से जानना चाह रहा था कि यह जो कह रहे हैं कि हरियाणा प्रान्त में दुकानें खोली हुई हैं, सर, एक तरफ तो सरकार की पालिसी है कि हर आदमी शिक्षित हो और दूसरी तरफ ये इन दुकानों पर हमला कर रहे हैं, तो इस तरह से कैसे शिक्षा का प्रसार हो सकता है ? (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : नलवा साहब, आप स्पैसिफिक क्वैश्चन पूछिये।

श्री हरि सिंह नलवा : स्पीकर साहब, मैं जानना चाहता हूं, जैसे सी०बी०एस०ई० है और उनका कोई क्राईटेरिया है कोई मापदंड फिक्स है, तो क्या सरकार हरियाणा में इन दुकानों को मान्यता देने से पहले कोई क्राईटेरिया फिक्स करेगी ? आजकल ऐसे स्कूलों को एस०डी०ई०ओ० ही मान्यता दे देता है। क्या भविष्य में शिक्षा बोर्ड ऐसे स्कूलों को देखकर मान्यता देगा ?

श्री फूल चन्द मुलाना : अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य श्री नलवा जी ने बहुत अच्छा सवाल किया है लेकिन मैं इसका उत्तर पहले ही दे चुका हूं। इन्होंने यह जानना चाहा है कि जैसे सी०बी०एस०ई० ने कोई क्राईटेरिया, कोई मापदंड फिक्स किए हुए हैं, क्या हरियाणा सरकार भी ऐसे ही कोई मापदंड फिक्स करेगी ? मैं इनको बताना चाहता हूं कि हरियाणा सरकार भी मापदंड देखकर ही ऐसे स्कूलों को मंजूरी देती है। जहां तक दुकानों की बात ये कह रहे हैं तो मैं कहना चाहूंगा कि दुकानों में जो भी अनियमितताएं हैं, सरकार उनके खिलाफ कार्यवाही करेगी। लेकिन शिक्षा के प्रसार के लिए सरकार सभी जगहों पर स्कूल नहीं चला सकती। इसलिए प्राईवेट इंस्टीच्यूशन को भी प्रोत्साहन दिया जाता है। इन्होंने यह भी कहा है कि एस०डी०ई०ओ० अब तक ऐसे

स्कूलों को रिकोगनीशन देता है बल्कि शिक्षा बोर्ड नहीं। लेकिन अब सरकार ने निर्णय लिया है कि आगे आने वाले सत्र से शिक्षा बोर्ड ही रिकोगनीशन का मामला देखा करेगा।

Construction of Grain/Vegetable and Fruit Market at Panchkula

*735 **Sathi Lehri Singh** : Will the Minister for Agriculture be pleased to state—

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government to construct a grain, vegetable and fruit market at Panchkula; and

(b) if so, the time by which the proposal as referred to in part (a) above is likely to be materialised ?

Agriculture Minister : (Shri Harpal Singh) :

(a) Yes,

(b) Action is being taken to get possession of the land earmarked for this purpose from the Haryana Urban Development Authority. Tentative lay out plan has been prepared and estimates are under preparation and work will be taken up soon after possession of site is taken from HUDA.

साथी लहरी सिंह : स्पीकर सर, मंत्री जी ने अभी बताया कि इस बारे में एक्वायर किया जा रहा है। हुड्डा से जमीन लेनी है। पिछले सैशन में भी इस क्वैश्चन की ऐक्सटेंशन ली गई थी। हुड्डा भी सरकारी एजेन्सी है, ऐसी क्या दिक्कत है उससे अभी तक जमीन ली नहीं गई ? मुझे यह बताया जाए कि कितनी जमीन एक्वायर करने जा रहे हैं, उसमें से मंडी के लिए कितनी है ?

श्री अध्यक्ष : क्वैश्चन आवर खत्म होता है।

नियम 45 के अधीन सदन की मेज पर रखे गये तारांकित प्रश्नों के लिखित उत्तर

Murders Committed in the State

*775. **Sardar Jaswinder Singh** : Will the Chief Minister be pleased to state—

(a) whether any incident of riot took place in the State during the year, 1984 if so; the number of persons murdered/killed in the said incidents;

(b) the number of persons against whom cases have been registered for the killing of the persons during the said incident; and

(c) whether any amount of compensation/relief, if any, paid to the members of the deceased families ; if so, the details thereof ?

मुख्य मन्त्री (चौधरी भजन लाल) :

(क) हाँ, वर्ष 1984 में कुल 132 दंगे हुये, जिनमें 119 व्यक्ति मारे गये ।

(ख) इन दंगों के सम्बन्ध में 649 व्यक्तियों के विरुद्ध मुकदमें दर्ज किये गये ।

(ग) अक्तूबर, 1984 तक के दंगों के मृतकों के निकट सम्बन्धियों को 10,000/- रूपये प्रति व्यक्ति अनुग्रह राशि दी गई । अक्तूबर, 1984 के बाद यह राशि बढ़ाकर 20,000/- रुपये प्रति व्यक्ति सहायता के रूप में दी गई ।

Declaration of Farukh Nagar as Industrially Backward Area

*750 **Shri Mohan Lal Pippal** : Will the Minister for Industries be pleased to state—

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government to declare Farukh Nagar Block as an Industrially backward area; and

(b) if so, the time by which the aforesaid area is likely to be declared as Industrially Backward Area ?

उद्योग मंत्री (श्री लछमन दास अरोड़ा) :

(क) तथा (ख) | राज्य उद्योग नीति 1992 के अनुसार जिला गुड़गांवा का फरुखनगर ब्लाक पहले से ही राज्य के उद्योगिक रूप से पिछड़े क्षेत्र की सूची में है।

Construction of new Roads

*770. **Chaudhri Azmat Khan** : Will the Minister for P.W.D. (B&R) be pleased to state the lengthwise names of new roads constructed in the State during the period from 1987 to 1993 ?

लोक निर्माण मन्त्री (चौधरी आनन्द सिंह डांगी) : विवरण सदन के पटल पर रखा गया है ।

विवरण

हरियाणा में निर्मित सड़कों का ब्यौरा

वर्ष 1987 से 1993 तक

सड़कों का नाम	निर्मित लम्बाई (कि० मी०)
1	2
फोकसा से बाजीगढ़ बस्ती	2.08
हरिजन बस्ती जफारपुर	2.60

1	2
हरिजन बस्ती चुडियाला	0.73
,, ,, टोबा	0.62
,, ,, मुलाना	0.20
हरिजन बस्ती केशरी	0.56
हरिजन बस्ती शेरपुर	0.52
हरिजन बस्ती धनौरा	0.50
हरिजन बस्ती साबगा	0.25
ऊगाला से सुभरी	0.80
गोला से साबपुर	2.40
सरकारी प्राथमिक स्कूल रामनगर	1.11
सरकारी प्राथमिक स्कूल हैरा	0.67
सरकारी प्राथमिक स्कूल सारगढ़	0.08
चौपाल गुरजान बीटा	0.14
ललयाना से हरिजन बस्ती ललयाना	0.13
लिंक सड़क से हरिजन बस्ती चांदपुर	0.12
डैला माजरा से हरिजन बस्ती और मंदिर	0.35
दुर्गा नगर से राधा स्वामी मन्दिर दुर्गा नगर	0.44
खन्ना माजरा से स्कूल खन्ना माजरा	0.30
रेलवे क्रासिंग तक स्कूल भवन वाया सरकुलर सड़क शाहपुर	0.60
लिंक सड़क से हरिजन बस्ती बबयाल बिद लिंक से गुरुद्वारा	0.63
मोहड़ी से तेजान	0.20
लिंक सड़क से मुरादपुर से टपारपुर	0.52
चानरथाली से सारिया सुखी	0.84
थासका मिरानजी से नुरपुर बुची	1.23
एम0टी0जे0 सड़क से काटवा मुगल माजरा	1.40
गुदहा से गुदही	0.30
मरछारा से मरछारी	0.45
थारा से बुहावा	3.20
धानानी से सुनारियां	0.84

[चौधरी आनन्द सिंह डांगी]

1	2
लोहारा से गिरदापुर	0.61
किरमच से सलारपुर सड़क	1.45
सहजादपुर से सधुरा (सैक्टर सादपुर से जिओली)	6.08
बीन से सारान	2.00
एलावालपुर से रुदियान	1.50
अधोया छाप्पर सड़क वाया रामपुर माजरा	1.58
उगाला से सुभरी	1.42
एल/आर से हरिजन बस्ती स्कूल नन्हेरा	0.36
एल/आर से हरिजन बस्ती टापला	0.50
पान्जला से पान्जायतगढ़ पान्जोला	0.07
एल/आर से बखतुर स्कूल	0.30
एल/आर से स्कूल पिलखनी	0.84
एल/आर से प्राथमिक स्कूल रावलोन	0.70
एल/आर गवर्नमैंट उच्च विद्यालय दलीपगढ़	0.73
बलाना से दुराला	2.00
शाहपुर से मच्छोन्दा	0.60
मुण्डा खेड़ा से दबखेड़ी	3.00
मण्डी से बिचकी सड़क	2.25
एल/आर से हरिजन बस्ती मिल्क धानकाट	1.25
एल/आर से हरिजन बस्ती धनौरा	0.50
एल/आर से हरिजन बस्ती भानुखेड़ी	0.80
एल/आर से हरिजन बस्ती बबयाल बाधा गली नं० 1	0.52
एल/आर से हरिजन बस्ती टापला	0.25
एल/आर जांसुई से स्कूल	0.50
एल/आर प्राईमरी स्कूल हरिजन बस्ती धरसाला	
गुरुद्वारा से गांव महरा	0.96
जन्डेरी से जन्डेरी मन्दिर	0.45
एल/आर हनुमान मन्दिर बीड़	0.85

1	2
एल/आर से प्राईमरी स्कूल सालरहेड़ी	0.45
एल/आर से प्राईमरी स्कूल मानरहेरी	0.52
एल/आर से वाटर वर्कस डुखेड़ी	0.67
बलाना से दुराला	1.20
शाहपुर से मच्छोन्दा	0.23
कालवा से बस्ती अनुसूचित जाति कालोनी कालवा	1.95
करतारपुर से स्कूल और मन्दिर	0.50
लिंक से जोगी माजरा	0.60
पारा से बुहांवा सड़क	0.10
मुण्डा खेड़ा से डाबखेड़ी	1.00
मण्डी से लोतनी वाया सुरजगढ़	1.11
मोहनपुर से कालसा	1.60
सूरमी से खालवान	1.74
अम्बाला हिसार सड़क से गऊ चरान	0.70
मॉडल टाऊन पेहवा से प्राचीन मन्दिर पहेवा	0.40
लोतनी से धर्मगढ़	1.00
एल/आर जासुई स्कूल	0.86
कंगवाल से कुमार माजरा	0.41
जी. टी. रोड से फारली	1.20
मैंगा माजरा से जलबेड़ा	4.49
मोहनपुर से कालसा	1.50
चन्दरभानपुरा से स्कूल	0.35
पारकिंग प्लेस रिशी मारकण्डा	0.30
सहजादपुर से गालुर विद लिंक से जोगी माजरा	0.21
अन्थरी से अन्थरी स्कूल	0.36
ब्राह्मी से मन्दिर खेड़ा	0.33
ज्योतिसर से ज्योतिसर रेलवे स्टेशन	1.70
नारखेड़ी से जोगना खेड़ा	2.30

1	2
धनौरा जागीर से कालश जागीर खिकनी से चालगवान	0.50
बीटा से सिनियर सैकेण्डरी स्कूल विद लिंक टू शिव मन्दिर बीटा	0.42
बराड़ा से बराड़ा बाजार	0.18
बलाना से लडाना	3.70
जासुई से सोन्टा	3.40
मोहड़ी से तेजान	0.30
जोली सड़क से जानोली	1.23
एल/आर से अन्दरुनी सड़क से बबयाल	0.90
गादली से सालीमपुर सड़क	2.60
लाठी धनौरा से जैनपुर	2.10
सिरसमा से सादीपुर लाडवा	2.94
कसरिला से काम्पला	1.00
गमुर खेड़ी से सिंगपुरा	2.60
खारिन्डवा से जलखेड़ी	2.52
थानेसर पहेवा से सारसा	0.74
सरस्वती तीर्थ पहेवा का डाईवर्सन	0.26
मेला बाईपास से करकटारी से रामनगर	2.00
प्रतापगढ़ से सनवाला	1.90
एलामपुर से इन्दरावास कालोनी	0.29
सरकारी उच्च विद्यालय शारान	0.27
जलालपुर से मालवा	0.80
छापड़ा से फिरनी छापड़ा	0.65
छारपुर से मुखरपुर	0.70
किशनगढ़ से डेरा बाजीगरान	0.88

1	2
भगोशवरी से झन्जर	3.86
नीमार से खनखेड़ा	0.40
डीबवा से समीआना से खेड़ी टोका	0.28
ऊमरा से जमालपुर	7.91
ढांग खुर्द से बलधाली	3.50
बलधाली से धयानी जमालपुर	0.84
खुंगर खेड़ी से दौलतपुर सड़क से बबानी खेड़ा सोरकी सड़क	0.75
तलवानी से धानी रामवास	1.00
खुरखेड़ी से सुगंरपुर वाया आलमपुर	1.80
धानी माऊ सिमलीवास	0.20
दुलहेड़ी से आलमपुर	4.44
पेखरवास द्वारका	0.60
अजीतपुरा से रेलवे स्टेशन मनहेड़ी	3.25
झनवाड़ी से संरग राजागढ़	3.62
बाई पास भिवानी	0.58
बडेसरा से सिसर सड़क	6.00
तालू सिवारा सड़क	1.26
सनवार से झिंझर	0.75
मालपोस से मालपोस स्कूल तक	0.30
रानिला बाई पास से रानिला पीलाना गांव की सड़क रानिला	0.47
खड़क से मालपोस	0.50
धानी होला से गगरवास हरिजन बस्ती	0.92
पहाड़ी से जी: पी: एस: नाकीपुर तक	0.27
तुरकियावास से ततारपुर वाया सुनारियां असदपूर	0.83
सुवाहेड़ी से दूलहेड़ा कलां	2.30
नांगला तेजू की धानी	0.20
खंडेवरा से सिरयानी	0.95
खौरी से चिमनाधास	0.60
धानी भांडोर से पुनसिखा	2.20

1	2
सिहा से सिहा धानी (भाकीवाली)	1.25
धानी जोरावत से गोमला	1.00
ऊचां माजरा से धानी जोरावत	0.10
सिहा से मसीत	0.05
बवानियां से भोजावास वाया सुन्दरा सड़क	1.50
दादरी महिन्द्रगढ़ से धानी अकोदा सड़क	0.18
महिन्द्रगढ़ से बचोली सड़क	3.95
दनोडा से सलीमपुर सड़क	0.61
सीमा से दरोली अहीरान	3.09
थानावास से नैगा सड़क	0.40
धानी चिमनावाली से धानी कंकरवाली वाया धानी कैमलावाली लिंक से धानी बदवाली	1.45
नीमार से कनहेड़ा	0.95
बादल से सीसवाला	3.30
लाडली अपरोच सड़क तक	0.09
खुदाना से धानी शमथाना	0.45
भेहेड़ा से गारवा	3.60
नांगल स्कूल अप्रोच सड़क तक	0.43
कुंगर मुडेल सड़क तक	0.50
पहाड़ी से धानी भागेरा	1.17
नाकीपुर बरदलू (सैक्शन से बरहालू)	0.75
सिवानी सिंगानी से सिधवार	4.75
कपरिया वास से धारापुर	0.22
मोहम्मदपुर से बालावास	0.04
बवाना से सहलोन सड़क	0.40
जमालपुर बवानी खेड़ा सड़क	0.15
बोरिया-कमालपुर से राता कलां	0.23

1	2
नाथूवाला मोहल्ला से चमधारा	0.20
कनहेती से भागवी सड़क	2.80
धानी गुजरां से ब्याई तिलेरी	2.80
कालूवाला से रहोदी	3.35
एस. बी. जे. से कन्या गुरुकुल पंचगांव	0.23
सिघानी से खेरा	4.60
गुरेरा से धनोती सीमा तक	4.30
बरवा से रेलवे स्टेशन से शहर तक	1.30
दरेरू से बादला सड़क	2.40
अजीतपुरा से किशलाना सड़क	2.73
मालपोस से मालपोस लड़कियों के स्कूल तक	0.17
महहेरी से हिन्दोल जी. पी. एस. हिन्दोल	0.18
हिन्दोल से सनवार से दरेड़ी	0.60
पहाड़ी से धानी बगेसरा	0.03
सरसी से बहल सड़क	6.00
सिहार से धानी लालपुर	0.48
धानी डहेला से गगरवास हरिजन बस्ती	0.78
डुंगर वास अप्रोच सड़क से बाबा रूपादास मन्दिर	0.76
धारन गोविन्दपुर से बीरबल	2.50
पोटी से ददोया राजस्थान सीमा तक	0.32
खेड़ी दालू सिंह से राम सिंहपुरा राजस्थान सीमा तक	0.67
धनाना से राजस्थान सीमा तक	0.60
बवानी से गगरवास	1.02
बसकोररोड़ से धानी सैनियां	2.00
नैन से धानी चिमनवाली	0.25
नामवास से गोरीर हरियाणा स्टेट तक	0.81
बलोट से धानी जदमावाली	0.53
लाड से बनेसरी नाथा नं-I	3.26
खुगंर से खेड़ी दसयालपुर	3.42

1	2
साई से रिवाड़ी खेड़ा	2.25
हिंदोल से सलवार से दरेरु सड़क	0.51
एम.एस.एल. से धानी समासावास	0.75
आर. जे. आर. सड़क से करवारा मानकपुर	3.90
माजू सतनाली से धानी बलोट	1.65
रतनताल से हंसावास	3.20
शुमना से शाम नगर	3.00
बसाई से सलोन सड़क	2.00
जोक से अगहीर सड़क	2.50
मुदीना से सुरजनवास सड़क	1.00
डाहोली से धानी जायती	1.06
सिका से मंधाना सड़क	2.00
नांगला चौधरी सड़क से गांव निधामत पुर से क्रासिंग सीमा तक	1.54
बतारा से खनक सड़क	4.00
फतेहगढ़ से मोद माधवी	2.00
धानी खुसाल से धानी केशला	1.00
जमालपुर स्कूल तक	0.62
पुर से लोहारी जाटू	2.00
रवासा से रशमयू	4.00
दमखोड़ा से हरियाणा स्टेट राजस्थान सीमा तक	2.30
भुरथला से शाम नगर	3.06
रतरन से लोहारी जाटू	1.00
सड़वा से खारियावास	1.70
सांडवा स्कूल अप्रोच सड़क तक	0.06
सिराही से सहेल	0.70
बसाई से सलोन सड़क	2.00
सुन्दरा से सलोन परतल सड़क	0.70

1	2
हरिजन बस्ती से रामपुर जंगी	0.20
किदारपुर से बरुण	0.88
मोरनी त्रिलोकपुर सड़क	6.00
मोरनी बड़ियाल से नीमवाला	3.00
खुण्डेवाला से मुसिम्बल	1.60
बरवाला से बतौड़	0.80
मिल्कखास से शिवमन्दिर	0.77
रामपुर से पैन्जेवाला	0.57
माच्छरौली बैसेवाला से मेनपुर	0.65
छोटी पावली से जोदा जाटान	0.40
कान्दरी बड़ी से कालानपुर	2.30
कान्डवा से सुखपुरा	1.50
कौट दारपुर से फकीर माजरा	0.24
जयरामपुर खालसा से अलीपुर	0.04
दलकौरी से रतेवाली	2.68
नयागांव से संगौली बाया चानचक	1.00
जी. एम. डी. सड़क से हरिजन बस्ती अहरवाला	0.36
कुलचन्दु से सिटारी	1.43
दामला से काम्बोज का माजरा	0.39
बाम्बोल से एकालगढ़ का माजरा	0.60
खेड़ी दर्शनसिंह से स्कूल	0.28
साबीलपुर जाटान से स्कूल	0.43
तालकौर से स्कूल	0.44
सुदल सुदैल से खेड़ा	3.67
सांखरा से दरियापुर	2.46
हरियाणा राज्य उच्च मार्ग से जय सिंहपुरा	0.20
अपर बुड से बोक्षराजपुरा	4.47
मोरनी स्ट्रीट ऐरिया	0.26

[चौधरी आनन्द सिंह डांगी]

1	2
बुड से अपर बुड	1.55
पिंजौर से नगला जागीर	1.30
कैल से रेर का माजरा	1.70
तिगड़ा से स्कूल तिगड़ा	0.10
बिचपड़ी से नवाजपुर वाया लक्कड़मई परतापुर लिंक से भीलपुरा	6.55
लिंक सड़क से करतारपुर	0.50
लिंक सड़क से जोगी माजरा	0.81
पिंजौर-नालागढ़ सड़क से खोल मोला	1.50
परबौली से बुर्ज जामानवाला	0.89
करेडा खुर्द से मिसरी की माजरी से अलीपुर	0.75
ई. एस. आई. से तेजली	1.13
हरिजन बस्ती हुण्डेवाला	1.35
गोरान से माजरी टापु	3.40
किदारपुर से ब्रूण	1.90
लिंक सड़क से मडटोन	0.30
बिच्छोरी से नवाजपुर वाया लाक्कर राई पारतपुर	0.40
भोजपुर से सिकन्दरा	0.30
फिरोजपुर से कला से जाखुपर	3.50
तिलपत से सन्त बाबा सुरदास	0.16
सुरजकुण्ड (पार्किंग) से शूटिंग रेन्ज तक	0.30
चांदवाली से भुजेहरी	2.30
कुराली से फेजपुर खादर	1.62
डीग से पियाला	3.71
भलरेना से बल्लभगढ़	3.64
असावटी से असोटी रेलवे स्टेशन	1.54
मोहनाघाट (पेनटून पुल) से बागपुर कला	3.50
रून्दी से लडियाका	1.90

1	2
पलवल घोड़ी सड़क से इस्लामाबाद	0.80
छज्जुनगर से मुनीरगढ़ी	1.45
आलाहपुर कलवाका (डुडहोला से कलवाका)	0.15
बामनीखेड़ा से लडीआका (नंगल बरामन से लडीआका)	0.50
नंगल बरामन से रसूलपुर	0.40
गुलाबाद से कानपुर वाया नरांगाबाद	0.91
बामनोला जोगी से तिकड़ी बरामन	1.00
बन्चेड़ी से डकोरा	0.12
बहीन से मानपुर	2.80
बीछौर से नवलगढ़ का निर्माण	2.20
–सम– रनौका कुलताजपुर से आमका	1.32
नूह मुहमदपुर से खोरी नूह सड़क का निर्माण	1.00
–सम– भादास शिकारवा से बास सड़क का निर्माण	1.10
–सम– भादास नेचास से साहापुर	0.82
–सम– कनसाली से मुलतान	0.86
–सम– नूह पलवल सड़क डुबालू सोहना की मील 10 का निर्माण	0.90
–सम– ताडू बोबीपुर से नाई नंगला	0.32
–सम– ताडू सराई से दिवापुर घानी	1.40
–सम– उतान से बिवाड़ी फैक्टरी क्षेत्र	4.42
–सम– ताडू बाई पास	4.00
बादशाहपुर से नूरपुर झारसा	0.13
फाजलपुर से बरम्मपुर	0.10
सोहना डमडमा से हरचन्दपुर वाया डुला	1.55
मुहमदपुर से धानीराम सरूपकी	1.59
बीखेरा से खेड़ी लाला	0.20
घघोला से कलवाका	2.30
कान्हो से हैल्थ सैंटर कान्ही	0.10
करोला से घानी हिरन	0.20

1	2
फारूकनगर से धानी चांदनगर	0.75
गाजीपुर से जवाहर कालोनी	2.12
खेरी कलां से फतूपुरा	1.54
चिरसी से मन्जावाली	0.57
नया गांव से धोतरा मोहबतावाद	0.20
बुखारपुर से कुराली	3.19
बाघपुर कलां से शेखपुर	1.80
बादरां से कन्जारकां नंगला	2.00
रदासका से अम्बवायरिका वाया डुगरवास	2.93
मुरादबाद से घुठंवास से बरोजी	0.30
होडल पुराना नगीना सड़क से जैन मन्दिर	0.09
सुलतानपुर से जालीका	1.25
कोट खण्डयोला से बीसार अकबरपुर	2.80
पलवल सोहना रिवाड़ी से राठीवास से रंगोला	0.51
एम०ई०एस० सड़क से जलालपुर सोहना	3.60
खोर दुलावर वाया घुसभेठी	4.10
बाबूपुर से नानाखेड़ी दिल्ली सीमा तक	0.85
गुड़गांव एफ नगर सड़क से खारकी माजरा	2.00
बलवा से थोनियावास वाया अहमदपुर	1.74
मुजाबाद से जटौली (शाहपुर जाट से जटौली)	3.60
बलेवा से सरकारी प्राइमरी स्कूल बलेवा	0.44
फतेहपुर टेगा से धूज	4.80
बुखारपुर से कुराली	0.50
माचगढ़ बाईपास (बी0सी0एम0 सड़क)	0.94
सीकरी पियाला रोड़ (बोटींग प्लांट)	0.30
बाघपुर कलां से शेखपुर	1.50
बाघपुरा कलां से सोलरा	6.00
पलवल चोड़ी सड़क से किठबाड़ी	0.25

1	2
पलवल घोड़ी सड़क से मिलकानी	0.42
तैपा बिलोचपुर से हफजाबाद वाया तीरगढ़	2.52
बौरी कोठी पुगाना सड़क से पिपरौली	1.20
—सम— नी खेड़ा से बेडड	3.50
—सम— फिरोजपुर झिरका बिवान सड़क से मानीमावास नबवास सड़क के साथ	3.40
—सम— डोडंल से फतेहपुर राजस्थान सीमा तक	0.98
—सम— खुसपुरी से नगल साहापुर	2.99
—सम— सुलतानपुर से जालीका	1.55
—सम— पलवल सोहना रिवाड़ी सड़क से सोहना गर्म चश्मा तक	0.28
जुरासी से खोरीकलां वाया सुनहरी सड़क का निर्माण	4.65
—सम— तारू बोधीपुर से खेरी राजस्थान सीमा तक	0.58
धानी हिरन से जाहादपुर	3.50
दिल्ली जयपुर सड़क से सरकारी कालेज सिदराबाली	0.35
गुड़गावां एफ नगर (कि0 मी0 7.40) से सरकारी हाई स्कूल धानकोट	0.30
वजीराबाद बाटा सड़क का वाया बाग	0.20
कुन्तपुरी से गांव बोधपुर	1.20
गवालाफारी से दिल्ली सीमा तक	0.45
रीथोज से धुमसपुर वाया नया गांव	2.90
दमदमा से दिलड्रन प्लेस	1.40
ककरी से जनोली वाया मण्डकोल	3.15
डी0 एम0 सड़क से अलाहापुर	0.21
पिरथला से धतीर वाया डडौला	5.75
रसूलपुर से जटौली सड़क (गुलाबाद से जटौली)	0.50
बीडोकी से ग्रैन्च यू0 पी0 सीमा तक	3.00
मानपुर से औरंगाबाद	5.40
आलीमयों से वहीन	4.50

1	2
डी0 एम0 सड़क बाईपास से न्यू गर्ल स्कूल बैन्चारी	0.97
सिंगार से नई सड़क का निर्माण	4.64
–सम– पलवल सोहना रिवाड़ी सड़क से चाहालका	0.41
–सम– मण्डकोला से सिलानी का निर्माण	0.48
घाघोला से कुलवाका सड़क –सम–	0.65
रीठोस से धुमसपुर वाया नया गांव –सम–	2.00
गुड़गांवा अलवर सड़क कि0 मी0 10.90 सड़क बी0 एस0 एफ0 कैम्प के नजदीक गांव भौण्डसी में पोलीटैक्नीकल साईड से सड़क का निर्माण –सम–	1.35
गांव बड़ा और नवाडा फतेहपुर मीसिंग लिंक —सम—	0.35
गुड़गांवा पटौदी सड़क से रेलवे स्टेशन धरी हरसारू —सम—	1.70
बजीराबाद घाटा सड़क का वाया बाहरी बाग –सम–	1.00
बीरकोला गोसगढ़ सड़क से धानी चैनपुर लिंक से घाघोट –सम–	2.28
अहेरवान से नंगली पाचनकी –सम–	1.90
गढ़ी पट्टी से लालपुर यू0 पी0 सीमा तक –सम–	1.95
भलाई से लखनाका –सम–	0.59
पुनाना झुरेरा से वडडा –सम–	1.80
वडडा और हयातपुर नवाडा फतेहपुर सड़क के बीच मीसिंग लिंक –सम–	0.05
गांव चौपाल से गांव खेरली लाला तक –सम–	0.16
बी.ए. रोड़ से राजकीय उच्च हाई स्कूल डण्डाखेड़ा –सम–	0.23
मऊ से मालपुरा –सम–	3.60
खोर रोरड़ी सड़क से शिव मन्दिर गांव रनसका –सम–	1.34
पुनाना सिकरावा सड़क से घाघरवास –सम–	0.63
होडल पुनान नगीना सड़क से दरगाह साहा चोखा –सम–	0.45
बालासास से मजोदपुर	3.05
पोयाल से चिरोद	2.05

1	2
कलार भियानी से हसनगढ़	3.61
हांसी पुठी नंगलखान सड़क से धानी गुजरां	0.57
लिंक से धानी थकारियां	0.36
तलवड़ी राना से धानी बबरन	4.00
हिसार गुरसल सड़क से धानी पिरनवाली	0.80
नहला से डाबरा वाया सियानी बतौन	5.01
डी. एच. एस. सड़क से हरिजन चौपाल खेड़ा खेड़ी सड़क	0.15
गुजारूपाना से थुयां से धालीकलां से खाबरां	9.78
डी. एच. एस. से औद्योगिक एरिया	0.60
धेर से धेर स्कूल	0.48
सिमीआन से लोलोदा सड़क	2.90
खेड़ी से बुना सड़क	4.00
रतिया रोड़ी सड़क से धानी दादूपुर	1.11
हमजापुर से धानी सुन्दर नगर	0.70ए
अहरवान से धानी रोड़ीवाली	0.76
कांजल हेड़ीं से खजूरी जटी	3.05
रतिया फतेहाबाद से धानी गोबिन्द नगर	0.70
भिरदाना से काटा खेड़ी सड़क	3.69
रतिया फतेहाबाद से धानी एहमदपुर	0.42
धरनियां से धानी बपालमोरी	3.30
रावलवास खुर्द से हिन्दवान	0.29
बासरा आबादी से स्कूल	0.30
लिंक सड़क से बैटरी हस्पताल कटरधाम	0.21
लिंक सड़क से पानीहार चौक	0.30
गंजुरुपाना से सकर मन्डेरी	2.90
डिग से चडीवाला	3.27
कुमहारी से खेड़ी सड़क	1.00
भिदोआ खेड़ा से धानी वालुवाना	1.62
धानी सतनाम सिंह से धानी आसा सिंह	1.23

[चौधरी आनन्द सिंह डांगी]

1	2
हरनीखुर्द से धानी संतोखपुरा	0.33
कैपला से धानी कुम्भथाली	0.98
आई.एस.ओ.आर.डी. धानी नरायण सिंह	3.00
अबोली से धमोरा बेरी	2.15
एस.ओ.आर.डी. से सड़क धानी मोहर सिंह	4.45
मिथनपुर से कसै सारा सड़क से धानी सिधू	1.88
खेड़ी करण से धानी खुवाली	5.00
एस.ओ.आर.डी. से धानी जासाराम	0.03
जनवाला से बिनोई से कलोता	2.80
मोथ से धानी कुमारियां	0.32
लिंक सड़क से हरिजन बस्ती बतबार	0.83
लिंक सड़क से बदाला से डिस्पैंसरी	0.89
उगलान से केरला	6.70
पाली से थुराना	0.70
लिंक सड़क से मोदपुर स्कूल	0.45
धनसू से सूलखनी	3.80
खाना खेड़ा से डहेर	1.00
रतकहेड़ी से फुल सड़क	0.20
सलामक खेड़ा से बादोपाल सड़क	4.44
भुदेरा से कुलान सड़क	3.53
सादलपुर से खेरामपुर	4.50
मटरशाम से राबलवास खुर्द	0.20
जमाल से बीरुवाली	4.44
केशोपुर से धानी बाजीगढ़	0.60
ऐलनाबास से मोजूखेड़ा	0.92
नमेड़ा से मुसली	0.10
मोजूखेड़ा सड़क से मिरजापुर सड़क	1.30
ऐलनाबास बरवाला से धानी नैना	0.30
नाकोरा से धानी संतावाली	0.80

1	2
गाजुद्दीन मिरजापुर से धानी रताखेड़ा	1.89
जीवन नगर कारीवाला से मिरजापुर	1.65
कारीवाला से शादीनवाली खेड़ी	7.76
जीवन नगर करीवाला से हरीपुरा	0.65
ओटु हैड वर्क से धानी प्रताप सिंह	2.50
कोटली से धानी संता सिंह	2.50
खड़ीकन दुतार से धानी बांगू	1.95
एलानाबाद तेवी सड़क से दया सिंह थेर	1.50
मलवाला से बाप ब्रिज	4.15
धावन से बाप	3.54
दादू से पाका सड़क	4.10
बादरा से जोहर रोही	2.00
लिंक सड़क से चुटाला हस्पताल	0.40
लिंक सड़क से टूरीस्ट कम्पलैक्स अबूबशहर	1.50
लिंक सड़क से चुटाला स्टेडियम	0.44
आशा खेड़ा टूरीस्ट कम्पलैक्स पार्किंग स्थान	0.05
बनभौरी से कापरी	4.00
कोठकलां से डेरा बाबा काला पीर	1.00
लोहरी से हुवतपुर	1.00
खुंडाखेड़ी से पटवार	2.92
राजथल कमसर से मनपाना राजथल	0.32
चौपाल से शमशान घाट थुराना गांव तक	0.50
थुराना पाली सड़क से पंचायत घर थुराना	0.32
नहला से खेड़ी सड़क	3.00
चौली खुर्द से बीराना सड़क	1.05
बादोत ववलपुर से राजली	7.12
अप्रोच सड़क से सातरोड़ मन्दिर	0.34
कनखेड़ा से डेर	0.20
गोविन्द पुरा से मादूवाना	1.30

[चौधरी आनन्द सिंह डांगी]

1	2
कनहेरी स्कूल से राजगढ़ धोबी	1.50
बोसती से फतेहाबाद (ब्रांच भाखड़ा कैनाल ब्रिज सनियाना)	4.80
मयोंद चांदपुरा	1.00
सकरपुरा से खेराती	0.50
सेकटा से कुंदन	2.82
धीमन से खुजरी बाया गोरखपुर	2.54
गवार से बसरा	2.34
रामसरा से राजस्थान सीमा तक	0.81
इलानाबाद से थोरबियां	3.00
इलानाबाद से धानी सेरमा	3.00
कोटली से कुमथला	2.15
जीवननगर कारीवाला से जगमलेरा	0.31
मामारखेड़ा से कालूवाना	1.20
कालूवाना से वछील	2.00
बीजूवाला ओन एस.ओ.आर.डी. सड़क से रामगढ़	2.50
बीरूवाला गुड्डा अलीका बाया जीरी	5.60
पानीवाला मोट से साहबाला खानी सेहरगढ़	2.10
गांव कुटाला सड़क से डोबवाली संगरीया	1.27
जोतनवाली से वाटर वर्क जोतनवाली	0.40
बोडडा बरामन से कनवारी	0.71
मुंडाल से सिसर	3.85
जोरा से जोरा कोठी	1.50
बुण्डल से कुलाल सड़क	1.54
धानी कालूवाली सिरसा ऐलनाबाद	1.00
धानी खान सिंह से धानी किरपाल	1.00
ससारपुर से हरिजन बस्ती	1.10
कगठाना बस स्टैण्ड से स्कूल	0.50
लडेसर जमाल सड़क से सहीदी स्मारक	0.13

1	2
मलाका से मालवानी राजस्थानी सीमा तक	2.01
दीनतानीया चबुरजा सड़क से गांव आबादी दीनदानीया	0.21
रानीया बलसारा से बी. डी. ओ. ओफिस	0.96
खयोवाली से चकरीयां पुल	2.75
कुमारिया से कुण्ड राजस्थान सीमा तक	1.00
रावत खेड़ा से बारवा	3.00
मुजादपुर से कनवाली	2.00
लितानी सतनाली सड़क से किठानी चौपाल	0.53
बुडाना से मौथ	1.70
डी. एच. एस. सड़क से सोरखी स्कूल	0.08
एल/आर से पुठी मंगलखान	0.25
नगथाला से कूलरी	2.60
पहुंच सड़क से सब हैल्थ सेंटर नहला	2.27
दौलतपुर किनाला सड़क	2.00
उकलाना गाजुवाला से ढानी बिलासपुर	1.25
हैदरवाला से ढानी बिलासपुर	0.25
किरतन से खारिया	0.47
दोबी से चौधरीवाली	1.00
मालशाम से शाहपुर	0.50
सिसवाला से भिवानी रोहीलान	4.05
पहुंच सड़क से मण्डी आदमपुर	0.70
काबरेल हस्पताल से पंचायत घर और शिव मन्दिर	0.45
पाटला डाबर से डी. एच. एस. पाटली डाबर	1.05
मलकान से फिकाना राजस्थान सीमा तक	2.00
जोदखान स्कूल से हरिजन बस्ती	0.45
नटर से सिरसा जमाल सड़क	1.60
आट्ट हैड वर्कस से ढानी प्रतापसिंग	0.25
बुज बांगु से डाबाम	0.30
कलबाना से वडीर	1.00

[चौधरी आनन्द सिंह डांगी]

1	2
जंडवाला बिसनोई से कालुवाना	2.20
दाता से बियाना खेड़ी	1.00
खांडाखेड़ी से पटवार	1.08
हिसार गुरसाल सड़क से धानी पीरनवाली	0.12
सातरोड़ कलां सम्पर्क से लाडवा सातरोड़ खुर्द के बीच गैप	1.68
कान्डोल से खेड़ी	2.05
कन्हेरी स्कूल से राजगढ़ दोबनी	0.80
पहुंच सड़क से जी. जी. एम. एस. मोहमदपुर रोही	0.11
पहुंच सड़क से बिसनोई मण्डी डांगर में	0.65
पहुंच सड़क से बिश्नोई मण्डी से धानी मिया खान	0.36
बिरछा से काटा खेड़ी सड़क	0.62
खारिया गोशाला से किरतान	0.70
मुगलाना से सारवा सड़क से मण्डी कालवास	0.46
सिसवाल खारिया से हनुमान मन्दिर	0.82
प्रहरवान से बस स्टैंड	0.20
राजगढ़ हिसार सड़क से मण्डी मुकलान में	0.20
नामदेव मन्दिर से मोहब्बतपुर	0.25
नॉर्थ से साऊथ आदमपुर में	0.60
सलारपुर से हरिजन बस्ती	1.10
गोगरानी बस स्टैण्ड से जी. पी. एस. गोगरानी	0.89
जोगीवाला से गांधी बरी राजस्थान सीमा तक	1.80
ऐलनाबाद से धानी सेरान	1.00
कोटली से गुमथला	1.00
डमडमा से हार्नीपुर	0.36
मैशरीवाला से रसूलपुर	0.60
मामनखेड़ा से कलुआना	1.00
खयुवाली से रोहीरानवाली	1.75
मोहमदपुर रोही से काजलहेरी	1.00

1	2
कुरी से शाहपुर	4.70
दोबी से चौधरीवाली वाया तेलनवाली कृतीयावाली	1.00
अग्रोहा आदमपुर सड़क से कोहली	0.18
हिसार बालसमंद सड़क से हरिजन चौपाल कुरी	0.90
सलीमगढ़ से कीरतन	3.00
टोकास से कुरी गंगवा	2.50
बालसमंद बासरा से सरसाना	1.30
बहरान से राजगढ़ हिसार सड़क वाया कलवास पाथ	1.00
हिसार बालसमंद सड़क से बालसमंद सुंडावास सड़क	1.50
रावल बास खुर्द जी. एच. स्कूल	0.09
गोरची से गोरची गर्लज स्कूल	0.95
कालवां से सीतला माता मन्दिर	1.20
सैंथली से लिटानी सड़क	3.00
ऊचाना बाईपास	0.32
जींद असंध सड़क से मौंड	2.71
अरडाना से डेरा फातूवाला	2.10
खरकरामजी से धरौली वाया आसन	7.05
बराकला से खरकरामजी वाया निराकर मन्दिर	3.32
रेलवे स्टेशन पिन्डारा से होली टैंक पिन्डारा	0.35
सिवाहा रेलवे स्टेशन से सिवाहा	0.95
धरोली से गंगोली	4.00
पोसवाल खारकान से छोटा और नया पोसवाल	1.30
मुण्ड कालियान पहुंच सड़क	0.30
पपसार ककराला से बाजीगरान प्लाट	1.80
भूना ककराला से डेरा सिंगवाला	1.60
पहुंच सड़क से डेरा निहंग सिंहवाला	1.00
हमेरी चाना अग्रान से लवाना प्लाट	1.00
कैथल मानसा बुदा खेड़ा सड़क से डेरा गाडली	0.20
पुण्डरी डाण्ड सड़क से डेरा काम्बोज	3.47

[चौधरी आनन्द सिंह डांगी]

1	2
बाथेरी खान से डेरा बाजीगरान सड़क	0.65
पुण्डरी हाबड़ी सड़क से डेरा अजायब सिंह	2.47
—उपरोक्त— मिलानवाला	2.70
—उपरोक्त— डेरा बुटरानवाला	2.71
—उपरोक्त— डेरा नासहारैन सेगो	1.96
कालीराम काजीर नगर सड़क	1.40
एलीपुर से लोदर वाया काबेरछा सड़क	3.90
नागल से लण्डेर पिरजादा	1.35
सिवान से खेड़ी गुलमाली सड़क	2.95
कैथल गटियाला से सगा प्लाट	0.56
पैंपसर ककराला से डेरा सिंगवाला	1.30
खरकन पोसवाल सड़क	0.50
कैथल देवन से गांव पाड़ा	3.30
पानेश्वर तीर्थ से फलगू तीर्थ	1.12
हाबड़ी से हजवाना डीग सड़क	3.80
टयोन्ठा से हाबड़ी सड़क	2.00
सिसवा सिसला से बस स्टैण्ड हरसोला माजरा मण्डकरान सड़क	0.25
सजूमा से रेलवे स्टेशन सजूमा	2.90
करसाला से रासिदोन सड़क	0.97
फलयानकलां से अमरगढ़	2.64
पुलियानकलां से धमतान	5.73
करसिंधु से छातर सड़क	8.60
भरधाना से डेरा पाटुवाला	0.78
राजपुरा जाजवान सड़क से राजपुरा स्कूल	2.13
इशरा से सिरसा खेड़ी	2.68
मलिकपुर से धर्मगढ़	4.00
रामपुरा से प्रचेज सैंटर सिंगाना	4.00

1	2
छापर से सिंगाना	1.78
सिवान से योगा आश्रम सड़क	0.60
नया बाईपास कैथल में	6.70
कैथल-कुतुबपुर सड़क	0.03
कैथल बाईपास से सिरटा	0.05
सौलु माजरा से कौल	3.56
बारना हथीरा सड़क	4.00
बथेरी उरनेचा सड़क	3.40
पबनावा रायतन सड़क	0.70
सिकन्दराखेड़ी पुण्डरी सड़क	3.85
फतेहपुर से खेड़ी मातनवान सड़क	7.42
दुसैन से डेरा जामाल सिंह	0.50
काथर से मुण्डेरी सड़क	4.70
चुसाला मटोर सड़क	3.40
एम.जे. सड़क से वरोदा स्कूल	0.36
थेह वारी से विगाना	3.75
राजपुरा से आजवान वाया इन्टाल खुर्द	2.90
घरोली से पिरथाना	4.94
रजाना कलां से मीना वाया हथनौर मन्दिर	2.43
बुड्ढा खेड़ा संगतपुरा सड़क	2.00
धमौर से धर्योरा सड़क	3.28
चुहड़ माजरा से फलगु तीर्थ	2.32
हरिजन बस्ती पुण्डरी	0.40
बराह खुर्द से सिदवी खेड़ा	1.75
बाईपास, जींद गोहाना सड़क से जींद भिवानी सड़क वाया जींद रोहतक रोड	0.18
सुदाखेड़ा से संगतपुरा सड़क	1.00
कैथल गुहला से डेरा गोविन्दपुरा	0.35
पेहवा डाण्ड से देहली फार्म	1.00
शेखुपुरा से सिकरी सड़क	0.10

1	2
नवल से नवल खुर्द	0.50
उमारपुर से उमारपुर स्कूल	0.36
अंजनथली से तरावड़ी	0.50
बुटाना से डेरा बाजीगरां	2.10
संडारी से सुन्दरपुर	1.45
भोला-खालसा से दोली	0.92
बीर बडालना से गामरीकमारियान	0.76
कालमपुर से काछवा	2.40
काछवा से डेरा पुरबियान	1.98
गोगड़ीपुर पिंगली सड़क	0.25
बरास सीतामाई से रामगढ़	0.26
कुंजपुरा से सरीफाबाद	0.40
कानपुर कलां से बिजाना कलां	0.25
बीगान से कामी	1.17
बली कुतुबपुर से एहुलाना	1.68
गन्नौर से खेड़ी गुज्जर	4.90
राजपुरा से बोगीपुर	0.64
पहुंच सड़क से जी. एच. एस. बीगान	0.10
सनपेरा से रामनगर	0.69
पुरखास से एगवानपुर	4.20
सरकुलर सड़क (फेस-I) सोनीपत	2.57
नन्दौर नई बस्ती	0.70
आर. के. डी. वी. सड़क से गोपालपुर	0.40
बराना से बस्सत बाया फरीदपुर सड़क का निर्माण	1.00
मुबारकबाद से चौरा बाया कुरलान	3.55
बोडवाल माजरी से रेलवे स्टेशन बोडवाल माजरी सड़क	1.70
सिमला मुलाना से चन्दोली सड़क	1.80
रन्दोली सिंचाई बांध से नवियाबाद, जपती छापरा तक	4.72

1	2
बियाना से बीर मांजरा	1.30
कारसा कीरमच सड़क	3.00
अमुपुर से मांजरा रोडान	3.52
अमृतपुर खुर्द से पिपलवाली	2.25
गोयला कलां से मिरजापुर	0.25
बरोदा से बुटाना	4.45
सिकन्दरपुरा मांजरा से रैवरा	2.30
गन्नौर से बारी	0.50
पहुंच सड़क से जी० एच० एस० पुरखास	0.15
बेगा से गसोली	0.84
ललहेड़ी से राजुगढ़ी	0.22
देवड़ से कुराड़ इब्राहीमपुर	0.98
पवसेरा से मनोली	1.80
डबरपुर महरा से पुरखास सड़क	0.07
बारागांव से स्कूल	0.85
आई० जी० बी० से रामगढ़	0.40
खेड़ी मानसिंह से पदाना	0.30
दादरपुर से हलवाना	2.70
शेनो खेड़ी हिनोरी सड़क	2.38
कलसोरा से इसलान नगर	2.80
सलारपुर से लंडोरा	1.30
किरमोह कारसा सड़क	0.75
के०के०ए०के० सड़क से के०के० सड़क (डब्ल्यू जे० सी०, राईट बैंक)	1.88
बजिदा जाटान से सिरसी	2.56
बरास से अमुपुर	4.20
एलवाला दोहर सड़क	2.80
सिवान से रिसालू	4.00
इसराना से रामनगर	2.30

[चौधरी आनन्द सिंह डांगी]

1	2
शाहपुर से अहर वाया जवारा	5.80
गढ़ी सिकन्दरपुर से जीतगढ़	4.00
पहुंच सड़क से शिव मन्दिर धनाना	0.57
बरोदा से कहलपा	5.00
पहुंच सड़क से श्री राम आश्रम बड़ौदा	0.15
रिथल से गुरुकुल वाया रिवाड़ा	1.80
नथुपुर से नरेला बार्डर	0.35
कसलपुर से गोगा बार्डर	2.15
डढोला से बापोली सड़क निर्माण	0.40
बिहेली से पासिना खार्द ,,	5.00
सिमला गुजरान से डढोला ,,	3.44
रमदाना से लिवान	1.40
सिलाना से चुलकस	1.95
बाबा रामदास का मन्दिर पाई	0.26
फाजिलपुर से शाहपुर	0.45
गोरगढ़ से अमरगढ़	1.49
कुतयाल से ऊंचा समाना	1.03
मुनक से कौरा खेड़ी	0.43
उदीलया से आसन खुर्द सड़क निर्माण	1.87
अहमदपुर माजरा से छातेहरी	3.40
गुहना से फरमाना	1.66
जारी से कुराड़ इब्राहीमपुर	1.00
जाखौली से अटराना	1.00
नाहरी से मलीहां माजरा	1.00
गोरड़ से मुंगान	1.00
खुरमपुर से हसनगढ़	2.00
रम्दौली सिंचाई बांध	0.33
खेड़ा खोल से जाटा कालेज	1.50

1	2
बुटाना से कोहला बाया जनता कालेज	5.30
गिदाना से किलोई	2.72
लाट से कटवाल	3.20
बटगांव से को० बैंक	0.30
दोब बाईपास सड़क	1.60
समहाना मन्दिर से नाग देवता मन्दिर	0.20
सांपला खरखौदा से शिव मन्दिर	0.20
सांपला चनारा से शिव मन्दिर	0.19
मकरोली कलां से रेलवे स्टेशन	1.08
निदाना से समरगोपालपुर सड़क	2.87
महम बलाना सड़क	4.84
लाखली से मोखरा सड़क	1.82
निडाना से करावड़ सड़क	1.76
भैनी बरान से सिसूरखास	5.00
बराण से खरकड़ा	5.00
बी०एल०एम०बी० सड़क से खेड़ी आश्रम	0.51
मदीना अजायब से पी०एच०सी० मदीना	0.55
बाबू एकबरपुर से समरगोपालपुर कलां	0.25
पहुंच सड़क से कलानौर रेलवे स्टेशन	0.20
रावा से बिसोवा	2.18
खोरा से मकरानी	4.65
जालखेड़ी नांगल सड़क से रलदान की धानी	1.33
कुलाना से कोका	1.10
सीता राम गेट से श्मशानघाट झज्जर	0.705
काहरी से धानी गतोली	2.30
झज्जर बादली सड़क से खेड़ी जाट	0.70
सुराखपुर से बडानी	2.23
याकूबपुर से दुरान	1.28

[चौधरी आनन्द सिंह डांगी]

1	2
दरियापुर से लागरपुर	2.12
कुलताना से बापड़ोदा	2.70
शाहपुर से भुपानिया	0.52
बादली से इकबालपुर	2.95
खरखौदा एसौदा से वारसी	3.00
डाटौर से डाटौर मन्दिर	0.50
जी० एच० एस० (बी) से डी० एच० एस० सड़क	0.30
इस्माला रेलवे स्टेशन सड़क में बढ़ौतरी	0.23
आर० जे० आर० सड़क से जी०पी०एस० मैंना	0.06
बंसरी कलां से मन्दिर	0.85
सांपला डिगल से शिव मन्दिर सांपला	0.25
खरावड़ से नानौना	0.45
किटोली कबूलपुर से मन्दिर	0.65
भैंनी तीतरी से भैंनी मातू सड़क	2.36
भैंनी महाराजपुर से भैंनी भरान	3.50
बैरान से निदाना	3.00
डी०एच०एस० से चौबीसी चबूतरा महम सड़क	0.24
गारवी से बिसोवा	0.04
मातनहेल से निमाली	1.69
बहरोड़ से डिलानवास	0.17
झज्जर बादली से सिकन्दरपुर	3.40
खरहर से रोहद	0.40
सुनारियां कलां से शिव मन्दिर	3.24
अटेल गन्धारा सड़क	3.75
करोर से खेड़ीसाद	3.25
मोरखेड़ी से कसरेन्टी	3.85
चुलियाना दिवाना सड़क	2.68
चुलियाना से खरावर	3.00

1	2
बलियाना से आर्य समाज मन्दिर	0.76
बलान्द से मन्दिर	0.72
बेदवा सीमन सड़क	5.00
शेखपुर टीटरी से बहरान सड़क	1.51
गराकड़ से खैरन्टी सड़क	6.68
पिलाना सिवाना सड़क	4.00
दुबलूदन से चिमनी	4.48
गुरुकुल झज्जर से नया गांव	0.50
बुपनिया जारदकपुर से कौर	4.68
दरियापुर से लागरपुर	0.22
सोलदा से मुण्डाला	1.80
बादसा से गालिबपुर	1.10
छारा बहादुरगढ़ से पिलिया जोहर	1.58
लोहरहेड़ी से बंसरुकला	0.80
करोर खेड़ी सड़क	2.25
कदहेली परावर सड़क	1.00
हसनगढ़ से सिसाना सड़क	4.30
बलम्बा करोन्था सड़क	0.90
बैंसरा समचाना से मन्दिर गांव समहेता में	0.24
बोहर से असथल बोहर	3.39
कटवाड़ा से कथुरा सड़क	5.35
लाडोत से किलोई शिव मन्दिर सड़क	4.20
मुरादपुर टाकेन्स स्कूल	0.90
पहुंच सड़क से गर्ल स्कूल अजायब	0.09
पहुंच सड़क से सरदाबाला मन्दिर भलम्बा सड़क	2.05
पहुंच सड़क से चौपाल गांव मेरखास में	0.66
बिथला से हुमवीली	3.20
करोदा से खारी होसदीयारपुर	1.70

[चौधरी आनन्द सिंह डांगी]

1	2
रोहद बादली से गोशाला मदडौथी	1.95
माया वैस से लौहरहेड़ी	3.06
सांपला गढ़ी से डी एच. एस. सड़क	1.56
पहुंच सड़क से भैनी मातु प्राईमरी स्कूल	1.02
पहुंच सड़क से गुगाखेड़ी स्कुल	0.30
पहुंच सड़क से मुरादपुर ताकेना स्कूल	0.20
अजायब बैरान सड़क	1.00
खरकड़ा बलम्बा सड़क	2.52
भैनी बरान से सुखपुरा सड़क	0.50
पहुंच सड़क से बैरान स्कूल	0.18
पहुंच सड़क से बाईपास बलम्बा	0.10
राधुवास से चंदवाना	1.70
तालु से गबालीसन	0.50
कुन्जा से शाजांहपुर	2.80
भुपनियां जनदाकपुर से कैर	1.09
रिवाड़ी खेड़ा से खेड़ी आसरा	3.33
लोवा खुर्द से सोलश	2.87
हरिजन बस्ती गांव खेड़ी जाट	1.40
इशरहेड़ी से सुरखपुर	0.20
डहकोरा से रोहद	0.35
फरमाना से मालवी	2.00
भैंसी से किला जफरगढ़ सड़क	2.05
खरकड़ा से शेकपुर तीतरी	3.90
पहुंच सड़क से खैड़ी आश्रम स्कूल	0.30
बढ़ौतरी में खैरंटी सड़क से चौपाल	0.08
पहुंच सड़क से गरावड़ स्कूल	0.50
लाला बुरामल मन्दिर पहुंच सड़क	1.00

Repair of Roads of Beri Block

*741. **Chaudhri Om Parkash Beri** : Will the Minister for P.W.D. (B&R) be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to repair the damaged roads of Beri Block; if so, the time by which the aforesaid roads are likely to be repaired ?

लोक निर्माण मंत्री (चौधरी आनन्द सिंह डांगी) : हां, श्रीमान जी, बेरी निर्वाचन क्षेत्र की सड़कों पर पहले ही पैचिज तथा खड्डों की जरूरी मुख्य मरम्मत कर दी गई है ।

Facility of Loan for Purchasing Car

*816. **Dr. Ram Parkash** : Will the Minister for Cooperation be pleased to state —

(a) whether the facility of loan for purchasing car has been given to the members of Board of Directors of HARCO Bank during the last two years; and

(b) if so, the amount of the loan given togetherwith the rate of interest alongwith the provision for making recovery of the said loan ?

सहकारिता मंत्री (श्रीमती शकुन्तला भगवाड़िया) :

(क) जी, हां ।

(ख) प्रत्येक निदेशक को 2 लाख 50 हजार रुपये या गाड़ी की कीमत का 85 प्रतिशत (जो भी कम हो) की राशि कर्जे के रूप में 9 प्रतिशत वार्षिक ब्याज पर दी गई है । यह कर्जा सात साल में दो अर्धवार्षिक किश्तों के रूप में वसूल किया जाना है ।

Ellenabad By-Pass

*748. **Shri Mani Ram Keharwala** : Will the Minister for P.W.D. (B&R) be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to construct by-pass in Ellenabad; if so, the time by which the said by-pass is likely to be constructed togetherwith the estimated expenditure incurred thereon ?

लोक निर्माण मंत्री (चौधरी आनन्द सिंह डांगी) : हां, श्री मान जी । भूमि अधिग्रहण कार्यवाही आरम्भ कर दी गई है । निर्माण का कार्य धन की उपलब्धता पर निर्भर होगा अतः इस कार्य के पूरा होने का समय अंकित नहीं किया जा सकता । इस बाई पास पर भूमि अधिग्रहण खर्च सहित अनुमानित लागत 52.47 लाख रुपये होगी ।

अतारांकित प्रश्न एवं उत्तर

Building of Primary Schools

144. **Shri Karan Singh Dalal** : Will the Minister of Education be pleased to state the total expenditure incurred on the maintenance of buildings of Primary Schools in district Faridabad during the year 1992-93 ?

शिक्षा मन्त्री (श्री फूल चन्द मुलाना) : वर्ष 1992-93 में फरीदाबाद जिला में राजकीय प्राथमिक विद्यालयों की इमारतों के रख-रखाव पर 5,56,063/- रुपये की राशि खर्च की गई ।

Police Personnel in District Faridabad

145. **Shri Karan Singh Dalal** : Will the Chief Minister be pleased to state—

(a) the total number of police personnel at present in district Faridabad; and

(b) whether there is any proposal under consideration of the Government to construct new buildings for Police Stations in district Faridabad during the year 1993-94 ?

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल) :

(अ) स्वीकृत अमला	तैनात अमला
1794	1737

(ब) नहीं ।

Plantation of Trees

146. **Shri Karan Singh Dalal** : Will the Minister for Forests be pleased to state—

(a) the total number of trees planted in district Faridabad during the year 1992-93; and

(b) the total expenditure incurred on daily wages labourers appointed for the purpose as referred to above by the Department ?

वन मंत्री (राव इन्द्रजीत सिंह) :

(क) फरीदाबाद जिले में वर्ष 1992-93 में 47.41 लाख पेड़ लगाए गए जिनमें से 28.83 लाख पेड़ वन विभाग द्वारा लगाए गए ।

(ख) इन पौधों को उगाने और लगाने में मजदूरों की मजदूरी पर कुल व्यय 98.05 लाख रुपये हुआ ।

Primary Schools functioning without Headmasters

147. **Shri Karan Singh Dalal,** : Will the Minister for Education be pleased to state the name of Primary Schools; if any, fnuctioning without Headmasters in district Faridabad at present; if so the number thereof and the time by which the vacancies are likely to be filled up?

शिक्षा मन्त्री (श्री फूल चन्द मुलाना) : इस समय जिला फरीदाबाद में 48 राजकीय प्राथमिक विद्यालय बिना मुख्य शिक्षक के चल रहे हैं । ऐसे विद्यालयों का विवरण अनुबन्ध "क" में दिया गया है । इन रिक्तियों को शीघ्र भरने हेतु प्रयास जारी हैं ।

अनुबन्ध "क"

जिला फरीदाबाद में बिना मुख्य शिक्षक के चल रहे राजकीय प्राथमिक विद्यालयों की सूची

फरीदाबाद

1. रा0 प्रा0 पा0 मांगर
2. रा0 प्रा0 पा0 आलमपुर
3. रा0 प्रा0 पा0 लालपुर
4. रा0 प्रा0 पा0 ताजपुर
5. रा0 प्रा0 पा0 खोरी जमालपुर
6. रा0 प्रा0 पा0 कोट

बल्लभगढ़

7. रा0 प्रा0 पा0 लहड़ौली
8. रा0 प्रा0 पा0 लध्धापुर
9. रा0 मा0 वि0 सोताई
10. रा0 मा0 वि0 मोहल्ला
11. रा0 उ0 वि0 भनकपुर

[श्री फूल चन्द मुलाना]

12. रा0 प्रा0 पा0 रायपुरकलां

13. रा0 प्र0 पा0 चिरसी

14. रा0 प्रा0 पा0 फजुपुरा

15. रा0 प्रा0 पा0 अलीपुर

16. रा0 प्रा0 पा0 बहादरपुर

17. रा0 प्रा0 पा0 डहकोला

18. रा0 प्रा0 पा0 मंझावली

19. रा0 उ0 वि0 घरोड़ा

पलवल—I

20. रा0 प्रा0 पा0 गोपीखेड़ा

21. रा0 प्रा0 पा0 हूरफली (ब)

22. रा0 प्रा0 पा0 आजादनगर

पलवल—II

23. रा0 प्रा0 पा0 कारना (क)

24. रा0 प्रा0 पा0 धमाका

25. रा0 मा0 वि० बढ़ा

26. रा0 उ0 वि0 दुधोला

हथीन

27. रा0 प्रा0 पा0 अकबरपुर नाटोल

28. रा0 प्रा0 पा0 कानौली

29. रा0 प्रा0 पा0 गोहपुर

30. रा0 प्रा0 पा0 गढ़ी वसौदा

31. रा0 प्रा0 पा0 अलूका

32. रा0 प्रा0 पा0 कौथड़ाका

33. रा0 प्रा0 पा0 धरनकी

34. रा0 प्रा0 पा0 महलूका

35. रा0 प्रा0 पा0 दुरैंची

36. रा0 प्रा0 पा0 मीरपुर

37. रा0 प्रा0 पा0 जलालपुर हथीन

38. रा0 प्रा0 पा0 पहाड़पुर
39. रा0 प्रा0 पा0 मरोड़खा
40. रा0 प्रा0 पा0 खेड़ली जीता
41. रा0 प्रा0 पा0 घुड़ावली
42. रा0 प्रा0 पा0 टोंका
43. रा0 प्रा0 पा0 कमरेड़ा
44. रा0 प्रा0 पा0 ढकलपुर
45. रा0 मा0 पा0 रनसाका
46. रा0 मा0 वि0 खपड़ाका
47. रा0 मा0 वि0 हुरियल
48. रा0 मा0 वि0 बीघावली

Repair/Construction of a Bridge

154. Shri Krishan Lal : Will the Minister for P.W.D. (B&R) be pleased to state—

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government to construct/repair the damaged bridge on the drain in village Bapnaud district Panipat; and

(b) if so, the time by which the said bridge is likely to be repaired/constructed ?

लोक निर्माण मंत्री (चौधरी आनन्द सिंह डांगी) :

(क) जी हां, जिला पानीपत में गांव बापनौद में ड्रेन पर पुल के निर्माण का प्रस्ताव विचाराधीन है ।

(ख) पुल के निर्माण का कार्य धन उपलब्धता पर निर्भर करता है । अतः समय निर्धारित नहीं किया जा सकता ।

स्थगन प्रस्ताव तथा मुख्य मन्त्री द्वारा संक्षिप्त वक्तव्य

एस0 वाई0 एल0 नहर के निर्माण तथा चंडीगढ़ को पंजाब में ट्रांसफर करने सम्बन्धी

प्रो0 सम्पत सिंह : स्पीकर सर, वैसे तो प्रश्न संख्या 735 सरकार को बचाने में कामयाब हो गया क्योंकि क्वैश्चन आवर समाप्त हो गया है । यह बहुत ही अहम और सीरियस मुद्दा था और उसी वजह से इन्होंने बचने की कोशिश की है । स्पीकर

[प्रो0 सम्पत सिंह]

सर, हमारी पार्टी के सभी विधायकों की तरफ से आपको एक स्थगन प्रस्ताव दिया था बार-बार कंट्रोवर्सी छेड़ी जाती है, हरियाणा सरकार और पंजाब सरकार की तरफ से एस०वाई०एल० और टैरिटोरियल इश्यू के बारे में और कंट्रोवर्शियल ब्यान आते रहते हैं । हम चाहते हैं कि इस बारे में हाउस में हैल्दी डिस्कशन हो । सारा हाउस यूनेनिमसली एक रिजौल्यूशन पास करे कि भूतपूर्व प्रधानमंत्री श्री चंद्रशेखर ने जो फैसला लिया था जिसमें एस०वाई०एल० बनाने का काम बी0आर0ओ0 को सौंप दिया था उसे लागू किया जाये और यह रैजौल्यूशन प्रेजेन्ट प्राइम मिनिस्टर को भेजें । दूसरा यह रैजौल्यूशन हो जाए, जैसे बार बार श्री बेअंत सिंह जी जो स्टेटमैंट देते हैं कि अप्रैल के महीने में प्रधानमंत्री चाहे पंजाब आएं या न आएं चंडीगढ़ पंजाब को चला जाएगा और एक इंच जमीन भी हरियाणा को नहीं दी जाएगी । इसके बारे में सर्वसम्मति से रैजौल्यूशन करें कि चंडीगढ़ पंजाब को दिया जाए तो हमें कोई एतराज नहीं है, लेकिन अबोहर-फाजिल्का और उससे लगते 107 हिन्दी भाषी गांव हमें मिलें और जितना कैपिटल बनाने पर खर्च होगा वो सैन्ट्रल गवर्नमैन्ट वहन करे । इन दोनों मुद्दों पर डिसकशन करके हम यूनेनिमसली प्रस्ताव करके गवर्नमैन्ट आफ इंडिया को भेजें, यह मेरा प्रस्ताव था ।

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल) : अध्यक्ष महोदय, इसके जवाब में पिछली बार हाउस में भी और बाहर भी मैंने बार बार कहा है कि चंडीगढ़ पंजाब को तब जाएगा जब अबोहर-फाजिल्का का एरिया हरियाणा को मिलेगा । ऐसे जाने का सवाल ही पैदा नहीं होता । हम आपकी तरह से नहीं है । (विघ्न) रैजौल्यूशन कितनी बार कर रखा है । जहां तक एस0वाई0एल0 का ताल्लुक है, हम लगे हुए हैं इस बात के लिए कि एस0वाई0एल0 बने । हम आपकी तरह से नहीं हैं कि जब तक कुर्सी पर बैठे हैं, एस0वाई0एल0 का नाम नहीं लेते । (विघ्न) कुर्सी से उतरते ही एस0वाई0एल0 याद आने लगती है, चंड़ीगढ़ की बात करने लगते है । अध्यक्ष महोदय, संपत सिंह जी उठते ही कोई न कोई ऐसी बात कह देते हैं कि फलां कवैशचन से सरकार बचने में कामयाब हो गई । कल आपकी रूलिंग आई, आपकी रूलिंग के खिलाफ भी ये वाक-आउट कर गऐ । सदन की मर्यादा होती है, सम्पत सिंह जी, पढ़े लिखे व्यक्ति लगते हैं आप । आपको मर्यादा के अंदर बात करनी चाहिए (विघ्न) सरकार हर पल तैयार है जो मर्जी आए बजट पर बोलना, गवर्नर ऐड्रेस पर बोलना ।

चौधरी ओम प्रकाश चौटाला : स्पीकर साहब, मुख्यमंत्री ने यह बात कही कि हम उस बात पर पाबन्द हैं । यह बहुत ही प्रसन्नता की बात है । हम इस बात में इनकी सराहना करते हैं । एस0वाई0एल0 नहर का हरियाणा के लोगों से जीवन का साथ जुड़ा हुआ है । चंडीगढ़ के साथ हमारा भावनात्मक रिश्ता है । वैसे तो स्वर्गीय श्रीमती इंदिरा गांधी जी ने एक एवार्ड दिया था । एक प्रधानमंत्री का फैसला और उसी पार्टी का प्रधानमंत्री हो तो मान लिया जाना चाहिए । परम्परा यही होती है कि किसी

भी सरकार के फैसले को दूसरी सरकार माना करती है । आज केन्द्र में भी कांग्रेस की सरकार है हरियाणा में भी कांग्रेस की सरकार है और पंजाब में भी कांग्रेस की सरकार है । लेकिन इसके बावजूद मुख्तलिफ किस्म के ब्यान आते हैं । पंजाब के मुख्य मंत्री विशेष रूप से जब इस किस्म के ब्यान देते हैं, तब हमारी तरफ से उसका कोई संतोषजनक जवाब नहीं दिया जाता । है इसलिए आम आदमी के मन में यह सोच बन जाती है कि हरियाणा सरकार एक नपुसंक सरकार है, यह कोई स्टैंड नहीं ले सकती है, इसमें कोई दम नहीं है। आप और पूरा हाउस यहां पर है । आज इस हाउस की तरफ से हरियाणा प्रदेश के तमाम एक करोड़ 60 लाख लोगों को इस बारे में क्लीयर मैसेज पहुंचना चाहिये । इसमें क्या दिक्कत है ? इस पर बहस होने से यह पता लग जायेगा कि कौन इस बात का पक्षधर है और कौन इसके खिलाफ है। हम इस मामले में पूरी तरह से सरकार का समर्थन करते हैं । सरकार अगर चाहती है तो स्वयं रैजोल्यूशन ले आये । अगर सरकार कोई ऐसा रैजोल्यूशन पेश करेगी तो हम उसे समर्थन देंगे । लेकिन अगर इनके मन में हाई-कमांड की तरफ से कोई डर या भय है तो हम ही यह रैजोल्यूशन मूव कर देते हैं। ये इसका समर्थन करें ताकि यह पता लग जाये कि कौन किसका हितैषी है और हमदर्द है । इसके साथ हरियाणा प्रदेश का भविष्य जुड़ा हुआ है । इसलिये आज इस मामले में चर्चा हो जानी चाहिये यह सरकार के और प्रदेश के हित में है । मैं आपसे अनुरोध करुंगा कि इस मामले में सरकार अहम भूमिका निभा करके इस बारे में एक रैजोल्यूशन पास करे ।

चौधरी बंसी लाल : स्पीकर साहब, लीडर आफ दी अपोजीशन ने जो मामला उठाया है, मैं समझता हूं कि यह बहुत ही अहम मसला है। इस बारे में मुख्य मंत्री जी ने भी एक बात कही कि पहले भी इस बारे में रैजोल्यूशन पास हो चुका है। सदन में, मेरे ख्याल में इस से पहले कभी इस बारे में कोई रैजोल्यूशन पास नहीं हुआ । दूसरी बात यह है कि अगर मुख्य मंत्री जी यह कहते हैं कि हम चंडीगढ़ को ऐसे ही नहीं जाने देंगे तो यदि पूरे सदन की तरफ से यूनानीमसली रैजोल्यूशन पास हो जाये तो इससे मुख्य मंत्री जी के हाथ भी मजबूत होते हैं और सरकार के भी मजबूत होते हैं । बात तो इनके हाथ मजबूत करने की है । इस मामले में यह बात ठीक है कि सरदार बेअन्त सिंह जी का कई बार ब्यान आ चुका है कि बैसाखी के त्यौहार पर प्रधान मंत्री एलान कर देंगे कि चंडीगढ़ पंजाब को जा रहा है । अगर इस सदन से प्रस्ताव पास हो जाये तो अच्छा है, हमारे एडजर्नमैंट मोशन की शक्ल में न सही, सरकार इस बारे में खुद रैजोल्यूशन ले आये, हमें इस पर कोई एतराज नहीं है । उस प्रस्ताव में यह होना चाहिये कि इन्दिरा गांधी का 1970 का अवार्ड और राजीव लौंगोवाल अवार्ड दोनों को ही इकट्ठा इम्पलीमैंट किया जाये, अलग-अलग इम्पलीमैंट न किया जाये । यह बात तो ठीक है । आज दिल्ली में भी इनकी सरकार है, हरियाणा में भी इनकी सरकार है और पंजाब में भी इनकी सरकार है । इसलिये इस बारे में दिक्कत की कोई बात नहीं है । फिर बार-बार यह बात आती है कि 1991 में श्री चन्द्र शेखर जी ने यह

[चौधरी बंसी लाल]

हुक्म कर दिया था कि एस0वाई0एल0 का काम बौडर रोडज आर्गेनाइजेशन को दे दिया जाये, यह सिचुएशन भी साफ हो जायेगी । यदि भारत सरकार, एक भूतपूर्व प्रधान मंत्री के आर्डर को बदलती है तो उसको बदलने के कारण क्या हैं ? अगर बी0आर0ओ0 को यह काम दे दिया जाता है तो नहर बनने में भी जल्दी होगी और काम में तेजी आयेगी । इसलिये मैं समझता हूं कि इस शक्ल में न सही, किसी भी शक्ल में इस प्रस्ताव पर बहस करें या बगैर बहस करे पास करें । यह तो हरियाणा के इन्ट्रैस्ट की बात है और सभी के हित की बात है । मेरे विचार से इसमें मुख्य मंत्री जी को एतराज नहीं होना चाहिये ।

प्रो0 राम विलास शर्मा : अध्यक्ष महोदय, अभी पिछले दिनों पार्लियामैंट में भी एक यूनानीमस रैजोल्यूशन पास हुआ था । मुख्य मंत्री जी अभी फरमा रहे थे कि जब तक 107 गांव, अबोहर फाजिल्का और राजधानी का पूरा खर्चा नहीं मिलेगा, हम चंडीगढ़ नहीं जाने देंगे । उन्होंने यह बात बहुत जोर देकर कही है । यह अच्छा कहा है । हरियाणा के लोगों की भावना भी यही है । विपक्ष का यह प्रस्ताव पेश करने का भी मकसद यही है । पंजाब विधान सभा की दो दिन बाद इसी भवन में बैठक होने वाली है । पिछले दिनों सरदार बेअन्त सिंह जी ने बड़े जोर से बोला है, पता नहीं, यह उनके जवाब में क्यों नहीं बोल पाते । जब उनका ब्यान आता है तो ये ढीले पड़ जाते हैं । और आज इन्होंने बड़ा जोर देकर कहा है हरियाणा की जन भावना भी यही है । स्पीकर साहब, एक यूनानिमस रेजोल्यूशन आ जाए और यही सारा सदन चाहता है । बस मेरी यही गुजारिश है ।

चौधरी भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, यह मामला वाकई बहुत अहम है, इसमें कोई दो राय नहीं है और हर हरियाणावासी की भावना एस0 वाई0 एल0 कैनाल से और चण्डीगढ़ से जुड़ी हुई है । अध्यक्ष महोदय, इस मामले में जितनी जोर से मैं बोला हूं, मैं समझता हूं कि आज तक कोई व्यक्ति नहीं बोला होगा और इसका उदाहरण आपके सामने है । आपको याद होगा कि एक समय श्री राजीव गांधी, चण्डीगढ़ पंजाब को देने को तैयार हो ही गए थे । उस वक्त मैंने राजीव जी को कहा था कि राजीव गांधी जी, भजन लाल तो इस बात को मान नहीं सकता अगर आपने किसी से इसको मनवाना है तो इस कुर्सी पर किसी और को बिठा दो और इसी कारण मुझे इस्तीफा देना पड़ा । स्पीकर साहब इससे बड़ा उदाहरण और क्या हो सकता है ? अभी ओम प्रकाश जी ने कहा है कि यहां भी कांग्रेस की सरकार है, पंजाब में भी कांग्रेस की सरकार है और सैन्टर में भी कांग्रेस की सरकार है लेकिन श्रीमान जी, इस बात को भूल गए कि प्रकाश सिंह बादल, चौधरी देवी लाल के पगड़ी बदल भाई थे । चौधरी देवी लाल कहते थे कि प्रकाश सिंह बादल को पंजाब का चीफ मिनिस्टर बना दो, मुझे कुछ नहीं चाहिए । पंजाब में मुख्य मन्त्री प्रकाश सिंह बादल हो जाए और चौधरी देवी लाल, जो सैन्टर में सरकार हो, उसमें देश के

प्रधान मन्त्री बन जाएं और चण्डीगढ़ का नाम न लो। आज चौधरी बंसी लाल जी कहते हैं कि हरियाणा में कांग्रेस की सरकार है, केन्द्र में भी कांग्रेस की सरकार है और पंजाब में भी कांग्रेस की सरकार है। मैं इनसे पूछना चाहता हूं कि आप भी तो केन्द्र में बैठे हुए थे, उस वक्त सैन्टर में कांग्रेस की सरकार थी और पंजाब में भी कांग्रेस की सरकार थी आप इम्पलीमैंट क्यों नहीं करवा सके ? स्पीकर साहब, पंजाब के हालात पिछले दस साल से खराब चल रहे थे। क्या कोई सोच सकता था कि पंजाब के हालात ठीक हो जाएंगे ? अगर आज कोई ऐसी बात की जाए जिससे कि पंजाब के हालात फिर से खराब हो जाएं तो इससे खराब बात और क्या हो सकती है ? सरदार बेअंत सिंह जी ने पंजाब के हालात को आज ठीक किया है। वे बहुत ही सुलझे हुए व्यक्ति हैं और बहुत ही देशभक्त हैं। आज हमें कोई ऐसी बात नहीं करनी चाहिए जिससे देश में फिर वैसी ही विकट समस्या खड़ी हो जाए। बड़ी मुश्किल से हालात काबू में आए हैं। स्पीकर साहब, सरदार बेअंत सिंह ने खुद कहा है कि हम एस0 वाई0 एल0 नहर बनाकर देंगे। पंजाब के मुख्य मन्त्री ने खुद कहा है कि हम हरियाणा को पानी देंगे और नहर बनाएंगे। स्पीकर साहब, जब अखबारों में ब्यान आया कि चण्डीगढ़ बैसाखी के दिन पंजाब को जाएगा तो मैंने सरदार बेअंत सिंह से बात की। उन्होंने कहा 'भजन लाल जी, मैंने कुछ नहीं कहा।' अखबार वालों ने पूछा था, मैंने कुछ और कहा था और अखबार वालों ने कुछ और ही छाप दिया। मैंने बिल्कुल नहीं कहा कि बैसाखी के दिन चण्डीगढ़ पंजाब को आ जाएगा। मैंने इस बारे में प्रधान मन्त्री से बात की और अखबार की कटिंग दिखाई कि सरदार बेअंत सिंह का यह ब्यान अखबार में छपा है। प्रधान मन्त्री ने कहा कि न चण्डीगढ़ पंजाब को जाएगा और न ही जाने का सवाल है। चण्डीगढ़ पंजाब को तब तक नहीं जाएगा जब तक हरियाणा का घर पूरा नहीं करेंगे। जब तक हरियाणा का घर पूरा नहीं होगा, चण्डीगढ़ पंजाब को नहीं जाएगा।

आप सब से यही प्रार्थना है कि आप सब एक मत होकर इस चीज के लिए वकालत करें और ऐसा माहौल पैदा न करें जिससे कि पंजाब के हालात खराब हों। अध्यक्ष महोदय, आज पंजाब चाहता है कि एस0 वाई0 एल0 नहर बने। इस नहर का काफी काम हो चुका है ? केवल पांच परसैन्ट काम बाकी है और खत्म होने के बहुत नजदीक है। स्पीकर साहब, इस बारे में अगर मैं और बहुत चर्चा करूंगा तो अखबारों में आ जाएगी। पंजाब की असैम्बली आज या कल मिलने वाली है और फिर पंजाब में हंगामा खड़ा हो जाएगा। हम तो चाहते हैं कि सारा मसला शान्ति से हल हो जाए। हमें तो आम खाने से मतलब है, हमें पेड़ गिनने से कोई मतलब नहीं होना चाहिए। हमें तो पानी मिल जाए, यही हमारा मकसद है। स्पीकर साहब, नहर का काम शुरू करवाएगा तो वह भजन लाल करवाएगा. पानी का फैसला अगर किसी ने करवाया तो वह भजन लाल ने ही करवाया और अगर कोई नहर का पानी लाकर देगा तो उसका नाम भी भजन लाल ही होगा।

चौधरी बंसी लाल : अध्यक्ष महोदय, एक असत्य बात सौ बार कहने से सत्य नहीं बनती । मुख्य मन्त्री ने कहा कि राजीव गांधी अगर चण्डीगढ़ पंजाब को ट्रांसफर करते हैं तो मैं इस कुर्सी पर नहीं बैठूंगा और इन्होंने कहा कि इन्होंने इस्तीफा दे दिया था । इनको तो यह भी नहीं पता था कि इनकी छुट्टी हो रही है । इनके सामने इस्तीफा रख कर इनके दस्तखत करवा लिए थे और मरा हुआ सांप मेरे गले में डाल दिया था । इनको तो पता भी नहीं था कि इनकी छुट्टी हो रही है । राजीव-लौंगोवाल एकोर्ड होने के बाद ये काफी दिनों तक मुख्य मन्त्री रहे । (शोर)

चौधरी भजन लाल : चौधरी साहब, आप मेरे से बड़े हैं, इसलिए मैं आपको क्या कह सकता हूं । एक बात कहना प्रदेश के हित में नहीं है । अगर वह बात मैंने कह दी तो प्रदेश का बड़ा भारी नुक्सान हो जाएगा । अगर वह बात मैंने कह दी और उसके बाद आप लोगों के पास जाएंगे तो वे कहेंगे कि भजन लाल क्या कहता है । (शोर)

चौधरी बंसी लाल : आप अभी बता दें ।

चौधरी भजन लाल : आप, चौधरी ओम प्रकाश चौटाला और राम बिलास शर्मा जी के साथ स्पीकर साहब के चैम्बर में आ जाना, मैं बताऊंगा कि आपने हरियाणा का क्या सत्यनाश किया है ।

चौधरी बंसी लाल : चैम्बर में क्यों आप हाउस में बताएं । चोरी से बताने का क्या फायदा ?

चौधरी भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, जहां उपस्थित होंगे तो वह चोरी कैसे होगी ? (शोर)

चौधरी बंसी लाल : गलत बात कहने का क्या फायदा है । जोर से बोलने से गलत बात सत्य नहीं हो सकती । (शोर)

चौधरी ओम प्रकाश चौटाला : स्पीकर साहब, मुख्य मन्त्री ने बड़ा बुलन्द दावा किया कि हमने इन्दिरा गांधी के एवार्ड को इम्पलीमैंट करने में बहुत आगे बढ़ कर भूमिका निभाई । इनको राष्ट्रीय हित का विशेष रूप से ध्यान है । मैं इनकी इस बात के लिए कद्र करता हूं कि इनमें राष्ट्रीय हित की भावना आई । इन्होंने कहा कि चौधरी देवी लाल देश के उप प्रधान मन्त्री थे और वहां भी सरकार हमारी पार्टी की थी और प्रदेशों में भी हमारी पार्टी की सरकार थी । इन्होंने यह भी कहा है कि चौधरी देवी लाल, श्री प्रकाश सिंह बादल से पगड़ी बदल भाई का रिश्ता कायम करने के लिए हरियाणा के साथ खिलवाड़ करते रहे हैं । मैं इनको बताना चाहता हूं कि चौधरी देवी लाल तो हरियाणा के निर्माता रहे हैं, उन्होंने हरियाणा प्रदेश बनाया था । मैं

मुख्य मन्त्री को याद दिलाना चाहता हूं कि हरियाणा प्रदेश एक नवम्बर, 1966 को बना था और उस वक्त जनाब चुंदड़ी बेचा करते थे । (शोर) अध्यक्ष महोदय, मैं आपसे विशेष रूप से एक बात कहना चाहता हूं कि हाउस का डैकोरम कायम रखना चाहिए । कुछ ऐसे सदस्य दुर्भाग्य से इस सदन में दाखिल हो गए हैं .....(चौधरी मनी राम की ओर से विघ्न) (शोर) अध्यक्ष महोदय, इस सम्मानित सदस्य को बात करते वक्त इस बात का ध्यान नहीं रहता कि ये क्या कहने जा रहे हैं । इनको यह ध्यान रखना चाहिए कि यह विधान सभा है, चंडूखाना नहीं है। (शोर) इसलिए ये संयम में रहें और हाउस के डैकोरम को कायम रखने की कोशिश करें । अगर इन्होंने हाउस के डैकोरम को बिगाड़ने की चेष्टा की तो उसके लिए सबसे पहले अध्यक्ष महोदय हम आपसे संरक्षण चाहेंगे । अगर उसमें हमें असमर्थता महसूस हुई तो हमें जनतान्त्रिक तरीके से दूसरा तरीका अपनाने में कोई संकोच नहीं होगा । अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से इनको यह बताने जा रहा था कि जिस समय चौधरी देवी लाल जी उप-प्रधान मन्त्री थे, उस वक्त श्री चन्द्रशेखर प्रधान मंत्री थे । उस समय एस0 वाई0 एल0 नहर को बनाने के काम के लिए एक चीफ इंजीनियर का कत्ल हो गया था, जिसके कारण एस0 वाई0 एल0 नहर का काम बी0 आर0 ओ0 को सौंप दिया गया था । लेकिन कांग्रेस पार्टी की सरकार आने के बाद उस काम को रोक दिया गया । यह रिकार्ड की बात है । कौन सी सरकार के वक्त में उस पर कितना काम हुआ है, यह भी रिकार्ड की बात है । अध्यक्ष महोदय, मौजूदा सरकार आने के बाद एस0 वाई0 एल0 नहर को बनाने के लिए एक ईंट भी नहीं लगी । हमारी पार्टी ने एस0 वाई0 एल0 नहर बनाने के लिए, इंदिरा गांधी एवार्ड को कायम रखने के लिए, चण्डीगढ़ के बदले अबोहर फाजिल्का के 107 गांव लेने के लिए और हरियाणा प्रान्त के लिए नई कैपिटल बनाने का पूरा खर्चा प्राप्त करने के लिए एक जन आन्दोलन किया और जन आन्दोलन ही नहीं किया बल्कि उस समय हमारी पार्टी के सभी माननीय सदस्यों ने विधान से अपना अस्तीफा भी दे दिया था क्योंकि हमारी पार्टी के सामने सर्व प्रथम हरियाणा प्रदेश का इंट्रैस्ट है । अध्यक्ष महोदय, हम एक बात फिर दोहराना चाहते हैं कि चण्डीगढ़ के मामले में और एस0 वाई0 एल0 नहर के मामले में, चाहे बेअन्त सिंह हो और चाहे नरसिम्हा राव हो, अगर किसी ने हरियाणा प्रदेश के हितों के साथ कोई खिलवाड़ करने की कोशिश की तो इस हरियाणा प्रदेश की एक करोड़ 60 लाख जनता जन आन्दोलन करके किसी भी सरकार को न चलने पर विवश कर देगी । हम मूक दर्शक बन कर नहीं बैठेंगे । हम इसके लिए लड़ाई लड़ेंगे और अपने प्राणों की आहूति दे कर एस0 वाई0 एल0 नहर को बनाएंगे और चण्डीगढ़ पंजाब को तभी जाएगा, जब उसके बदले हरियाणा प्रदेश में 107 गांव शामिल होंगे । आज चूंकि मुख्य मंत्री हरियाणा प्रदेश के बड़े हितैषी बनने की बात करते हैं और यदि उनमें राष्ट्रीयता की भावना है तो क्यों न वे इस बारे में रैजोल्यूशन पास कर दें उसमें इनको क्या आपत्ति है ? मुख्य मंत्री ने कहा है कि उन्होंने पहले भी अस्तीफा दे दिया था । मैं इस बहस में नहीं जाना चाहता कि इन्होंने अस्तीफा दिया था या इनसे अस्तीफा ले लिया था । यह तो

[चौधरी ओम प्रकाश चौटाला]

चौधरी बंसी लाल जी जानते हैं क्योंकि यह इनका अपना आंतरिक मामला है, ये उस समय एक ही पार्टी में थे। ये आपस में बैठ कर तय कर लेंगे। अध्यक्ष महोदय, चर्चाएं चल रही हैं कि मुख्य मंत्री जी फिर भागने की कोशिश कर रहे हैं, इसलिए यह मरा हुआ सांप पता नहीं किसके गले में डाल देंगे। मैं कहता हूं, क्यों न इस बारे में रैजोल्यूशन पास कर दें, इसमें मुख्य मंत्री की सराहना होगी और हरियाणा प्रदेश के इंट्रैस्ट भी सेफ रहेंगे और आगे आने वाले मुख्य मंत्री के रास्ते में भी कोई रुकावट नहीं रहेगी। यह हरियाणा प्रदेश के हितों का सवाल है, इसलिए आप पार्टी पोलिटिक्स से ऊपर उठ कर इस बारे में रैजोल्यूशन पास कर दें।

चौधरी भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, चौधरी ओम प्रकाश चौटाला ने दो तीन बातें बड़ी घोर आपत्ति की कही हैं। एक तो इन्होंने कहा है कि मैं चौधरी भजन लाल की कद्र करता हूं कि इनमें राष्ट्र हित की भावना आ गई है। दूसरे, इन्होंने कहा है कि जब हरियाणा बना था तो उस समय मैं चूंदड़ी बेचा करता था। इन्होंने कहा कि मैं चूंदड़ी बेचता था तो अध्यक्ष महोदय कपड़े की दुकान करना या चूंदड़ी बेचना कोई बुरी बात नहीं है। चौधरी ओम प्रकाश चौटाला, यदि यह कहते कि मैं पालिश करता करता यहां तक पहुंचा हूं तो मुझे बहुत कष्ट होता। यह कोई बुरी बात नहीं है कि मैं दुकान करता था या चूंदड़ी बेचता था। मैं आपकी तरह विदेशों से घड़ियों की स्मगलिंग करते हुए नहीं पकड़ा गया। आपको मेरे बारे में ऐसी बातें कहने से पहले अपने गिरेबान में मुंह डाल कर देखना चाहिए। इसके अलावा, अध्यक्ष महोदय, एक बात इन्होंने यह कह दी कि यह मरा हुआ सांप किसी के गले में डाल कर अब भजन लाल जाना चाहते हैं, भागना चाहते हैं। आप मेरी बात ध्यान से सुनें, मैं अढ़ाई साल और यहीं पर रहूंगा। अब इलैक्शन भी नहीं हैं। इलैक्शनों के बाद भी जो व्यक्ति इसी कुर्सी पर बैठेगा, उसका नाम भी भजन लाल ही होगा। आपके बारे में सारी जनता जानती है और जनता ने आपको अच्छी तरह से देख लिया है। अब जनता आपको दुबारा मौका नहीं देगी। आपने किस प्रकार से प्रजातंत्र का गला घोंटा है, उसको जनता भूली नहीं है। कितनी अफसोस की बात है कि आप जैसा व्यक्ति प्रजातंत्र की बात करता है। कोई और प्रजातंत्र की बात करे तो बात समझ में आ जाये, आप करें यह समझ से बाहर की बात है। आपने किस प्रकार से मेहम का चुनाव टालने के लिए मेहम में क्या क्या किया, उस को यह सारी प्रैस और मेहम वाले लोग भूले नहीं हैं। आपने चुनाव को रोकने के लिए अपने एक साथी अमीर सिंह की हत्या तक करवा दी। आपने जिस तरह का वातावरण वहां पैदा किया, उसको सारा देश जानता है। आपके कारनामों के कारण ही हरियाणा सारे देश में कलंकित हुआ। इस देश के अन्दर प्रजातंत्र की बात आप करते हैं, कोई और करे तो बात समझ में आये। आपको कुछ गैरत होनी चाहिए। यदि हरियाणा के हितों की रक्षा के लिए बड़ी से बड़ी कुर्बानी देनी पड़ेगी तो सबसे पहले भजन लाल देगा, आपको इसकी आवश्यकता नहीं। इसलिए स्पीकर साहब, आपसे निवेदन है कि अब आप आज की आगे की कार्यवाही चलाएं।

चौधरी ओम प्रकाश चौटाला : आन ए प्वायंट आफ पर्सनल एक्सप्लेनेशन, सर । जो इल्जाम मुझ पर लगाए गए हैं मैं उनका जवाब दूंगा ।

श्री अध्यक्ष : चौटाला जी, आप बैठिये ।

Mr. Speaker : Hon'ble Members, I have received a notice of an adjournment motion from Sarvshri Om Parkash Chautala, Sampat Singh, Jaswinder Singh, Krishan Lal, Satbir Singh Kadian, Zile Singh, Balwant Singh, Ramesh Kumar, Mani Ram Rupawas, Bharath Singh and Dhir Pal Singh regarding the construction of S.Y.L. Canal and transfer of Chandigarh.

Hon'ble Members, I have disallowed the above motion on the following grounds :—

(i) That it is a well established parliamentary practice that an adjournment motion is not generally admitted during the budget session as the Members will have ample opportunity to raise discussion on the matter during the discussion on Governor's Address, Budget etc. ;

(ii) That the matter has not suddenly arisen and has been continuing for some time ; and

(iii) That the matter has already been discussed on the floor of the House yesterday and further there will be an opportunity for its discussion in the ordinary course of business.

चौधरी ओम प्रकाश चौटाला : स्पीकर साहब, पर्सनल एक्सप्लेनेशन देने का मुझे अधिकार है ।

श्री अध्यक्ष : यह एक्शन-रिएक्शन तो इस तरह से खत्म ही नहीं होगा । यह सारा मामला जब यहीं पर खत्म होता है । जब आप बोलेंगे तो उस समय आपको इसका जवाब देने के लिए अलग से समय दे दिया जायेगा ।

चौधरी ओम प्रकाश चौटाला : मैं इस हाउस का एक सम्मानित सदस्य हूं । मुझे अलग से टाईम देने की आवश्यकता नहीं है । मैं इस हाउस का मैम्बर हूं इसलिए मुझे अपनी पर्सनल एक्सप्लेनेशन देने का पूरा अधिकार है ।

सिंचाई मंत्री (चौधरी जगदीश नेहरा) : यदि ये जवाब देंगे तो फिर हमें भी इनकी बातों का जवाब देना पड़ेगा । इस तरह से तो यह मामला खत्म ही नहीं होगा ।

श्री अध्यक्ष : कोई एक बात कहेगा तो दूसरा दूसरी बात कहेगा । There will be allegations and counter allegations. The last reply will be of the Chief Minister.

चौधरी ओम प्रकाश चौटाला : स्पीकर साहब, मैं पर्सनल एक्सपलेनेशन देना चाहता हूं । हाउस का नेता अगर कोई बात कहे या इलजाम लगाये तो उसका जवाब देने का अधिकार मुझे भी है ।

चौधरी जगदीश नेहरा : इस प्रकार से तो स्पीकर साहब, कोई अंत नहीं होगा ।

श्री अध्यक्ष : ओम प्रकाश जी, पहले इलजाम आपने लगाए हैं । आपने जो बातें कही हैं, उनका तो इन्होंने जवाब दिया है ।

चौधरी ओम प्रकाश चौटाला : स्पीकर साहब, मैंने ऐसी कोई बात नहीं कही । मैं और ऐसी कोई बात नहीं कहता जिससे चेयर पर कोई बात आए । आप हाउस की कार्यवाही उठा कर पढ़ लें, उससे पता चल जाएगा कि मैंने क्या कहा है । मैंने किसी के ऊपर कोई इलजाम नहीं लगाया । इन्होंने जो आरोप मुझ पर लगाए हैं, उसका तो मुझे जवाब देना है । (शोर)

चौधरी जगदीश नेहरा : स्पीकर साहब, इन्होंने ऐलीगेशन्ज लगाए हैं और हमने उसका जवाब दिया । यह फिर ऐलिगेशन लगाएंगे और हम फिर जवाब देंगे, इस ढंग से इस हाउस की कार्यवाही कैसे चलेगी । मेरा निवेदन है कि इस ढंग से हाउस की प्रोसीडिंग्ज अन-ऐंडिंग हो जाएगी । इन्होंने ऐलिगेशन लगाए, इधर से जवाब दे दिया गया, अब इसमें जवाब देने की या एक्सप्लेनेशन देने की क्या बात है ? (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : ओम प्रकाश जी, आपको बोलने का टाईम देंगे, आप उस वक्त जो चाहते हैं, बोल लेना । (विघ्न एवं शोर)

चौधरी ओम प्रकाश चौटाला : स्पीकर साहब, मैं आपसे यह जानना चाहता हूं कि क्या मैं अपनी पर्सनल एक्सप्लेनेशन देने का अधिकार रखता हूं ? (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : आपको अधिकार है, लेकिन आप अपनी बात इस वक्त न कहें, आपको टाईम देंगे, आप अपनी बात उस वक्त कह लेना । (विघ्न एवं शोर)

चौधरी ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, अगर मुझे अपनी एक्सप्लेनेशन देने का अधिकार है तो मुझे बोलने की अनुमति न देकर आप मेरे अधिकार का हनन करने का प्रयास कर रहे हैं । (विघ्न) मैं आपको आश्वासन देता हूं कि मैं कोई ऐसी बात नहीं कहूंगा । (विघ्न एवं शोर)

चौधरी जगदीश नेहरा : स्पीकर साहब, हमारे पास भी जवाब है । (विघ्न) हम जवाब देंगे तो इनको फिर जवाब देना पड़ेगा । (विघ्न एवं शोर)

Mr Speaker : You are not allowed to speak please.

श्रीमती चन्द्रावती : स्पीकर साहब, मेरी कालिंग अटेंशन थी, उसका क्या बना ?

श्री अध्यक्ष : वह विचाराधीन है ।

चौधरी ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, मैं आपसे यह जानना चाहता हूं कि इस हाउस के किसी सदस्य के खिलाफ अगर अनर्गल इल्जाम लगाए गए हों तो क्या सदन में वह अपनी बात कह सकता है या नहीं ? (व्यवधान एवं शोर)

श्री अध्यक्ष : वह अपनी पर्सनल एक्सप्लेनेशन दे सकता है । (विघ्न एवं शोर)

चौधरी जगदीश नेहरा : स्पीकर साहब, क्या ये आपकी रूलिंग को भी चैलेंज करेंगे ? (विघ्न) स्पीकर साहब, इनका कोई ठीक तरीका नहीं है । ये खुद मुख्य मन्त्री रह चुके हैं और इनको मालूम होना चाहिए कि अगर ऐसा ही चलता रहा तो हाउस की कार्यवाही कैसे चलेगी ? (विघ्न एवं शोर)

चौधरी ओम प्रकाश चौटाला : स्पीकर साहब, आपने फैसला दिया है कि बाकायदा जवाब दिया जा सकता है इसलिए आप मेरी बात सुनिये । (विघ्न एवं शोर)

श्री अध्यक्ष : आप जवाब दे सकते हैं । लेकिन अब नहीं । (विघ्न)

चौधरी ओम प्रकाश चौटाला : स्पीकर साहब, अगर आप हमारी बात नहीं सुनना चाहते हैं तो हम हाउस से चले जाते हैं । (विघ्न एवं शोर)

श्री अध्यक्ष : पर्सनल एक्सप्लेनेशन नहीं दे सकते हैं । (विघ्न)

चौधरी ओम प्रकाश चौटाला : स्पीकर साहब, मैं आपसे दोबारा जानना चाहता हूं कि क्या हम हाउस से चले जाएं या न जाएं ? (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : आपको सुनेंगे, आपको बोलने के लिए टाईम देंगे और जब आपको टाईम देंगे तब आप अपनी बात कह लेना । (शोर एवं व्यवधान)
Let us take the next item. (Interruptions)

वाक आउट

चौधरी ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, अगर आप हमारी बात सुनेंगे नहीं तो हमें वाक आउट करना पड़ेगा । आप बताएं कि मुझे इस समय पर्सनल एक्सप्लेनेशन देने का समय मिलेगा या नहीं ? अब तो आपने अजंडे का दूसरा आइटम भी शुरू कर दिया है। (व्यवधान) । अगर आप हमारी बात नहीं सुनना चाहते तो एडजर्नमैंट मोशन रिजैक्ट करने के विरोध में तथा पर्सनल एक्सप्लेनेशन देने के लिए समय न देने के विरोध में हम वाक आउट करते हैं। (व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : आप सब बैठ जायें । (व्यवधान) मेरी आज्ञा के बिना कोई न बोले।

(इस समय जनता पार्टी के सभी उपस्थित सदस्य सदन से बाक आउट कर गए तथा तुरन्त ही हाउस के गेट से वापिस आ गए)

वर्ष 1993-94 के सप्लीमैंटरी ऐस्टीमेट्स पेश करना

Mr. Speaker : Now, the Finance Minister will present the Supplementary Estimates for the year 1993-94.

Finance Minister (Shri Mange Ram Gupta) : Sir, I beg to present the Supplementary Estimates for the year 1993-94. (Interruptions)

एस्टीमेट्स कमेटी की वर्ष 1993-94 के सप्लीमैंटरी ऐस्टीमेट्स पर रिपोर्ट पेश करना ।

Mr. Speaker : Now, Shri Verender Singh, Chairman of Estimates Committee, will present the Report of the Committee on Estimates on the Supplementary Estimates for the year 1993-94.

Chairman, Estimates Committee (Shri Verender Singh) : Sir, I beg to present the Report of the Committee on Estimates on the Supplementary Estimates for the year 1993-94. (Interruptions)

श्री अध्यक्ष : आप सब बैठ जाएं । (व्यवधान)

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल) : आप अभी तो बाक आउट कर रहे हैं । (व्यवधान)

प्रो० सम्पत सिंह : * * * *

Mr. Speaker : Nothing should be recorded (Noises & Interruptions). आप सब अपनी सीट्स पर बैठ जाएं । (विघ्न)

(जनता पार्टी का कोई सदस्य अपनी सीट पर नहीं गया और बिना इजाजत के बोलते रहे)

सिंचाई मन्त्री (चौधरी जगदीश नेहरा) : अध्यक्ष महोदय इनको इनकी सीट्स पर बैठाएं ।

प्रो० सम्पत सिंह : * * * * *

---

* चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया ।

श्री राम कुमार कटवाल : * * * * *

श्री कृष्ण लाल : * * * * *

श्री रमेश कुमार : * * * * *

श्री धीरपाल सिंह : * * * * *

श्री राम कुमार कटवाल * * * * *

(शोर एवं व्यवधान)

Mr. Speaker : Nothing should be recorded (Noises & Interruptions).

नैमिंग आफ मैम्बर्ज

(इस समय जनता पार्टी के सभी सदस्य अपनी सीटों पर खड़े रहे और अध्यक्ष महोदय की आज्ञा के बिना बोलते रहे। अध्यक्ष महोदय उन्हें बार-बार अपनी सीटों पर बैठने के लिए कहते रहे, लेकिन ये सभी सदस्य बिना आज्ञा के बोलते रहे और नारे लगाने शुरू कर दिए)

श्री अध्यक्ष : मैं आपको फिर वार्निंग देता हूं कि आप सभी अपनी सीटों पर बैठ जाएं और इस तरह से न बोलें। (शोर एव व्यवधान)

श्री राम कुमार कटवाल : स्पीकर साहब * * * *

श्री अध्यक्ष : मैं राम कुमार कटवाल को नैम करता हूं। वह हाउस से बाहर चले जाएं।

(माननीय सदस्य श्री राम कुमार कटवाल बोलते रहे और हाउस से बाहर नहीं गए।)

श्री अध्यक्ष : मार्शल आप इनको बाहर ले जाएं। (शोर एवं व्यवधान) मार्शल, इनको वाच एण्ड वार्ड स्टाफ की मदद से आप बाहर ले जाएं।

(इस समय जनता पार्टी के सदस्यों ने श्री राम कुमार कटवाल को घेर लिया और मार्शल तथा वाच एण्ड वार्ड स्टाफ को उनके पास नहीं जाने दिया। जनता पार्टी के सभी सदस्य हाउस की वैल में स्पीकर साहब के नजदीक आ गए और नारे लगाते रहे।)

श्री धीर पाल सिंह * * * * * *

---

* चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया।

श्री अध्यक्ष : मैं धीरपाल जी को भी नेम करता हूं। वे भी हाऊस से बाहर चले जाएं।

(माननीय सदस्य श्री धीर पाल जी सदन से बाहर नहीं गए और बोलते रहे।)

श्री अध्यक्ष : मार्शल आप इनको बाहर ले जाएं। (शोर एवं व्यवधान) मार्शल इनको वाच एण्ड वार्ड स्टाफ की मदद से बाहर ले जाएं।

प्रो0 सम्पत सिंह : * * * * *

श्री अध्यक्ष : आप बिना इजाजत से बोल रहे हैं, यह ठीक नहीं। (व्यवधान) मैं श्री सम्पत सिंह को नेम करता हूं। वे हाऊस से बाहर चले जाएं।

(माननीय सदस्य श्री सम्पत सिंह बोलते रहे और हाऊस से बाहर नहीं गए)

श्री अध्यक्ष : मार्शल, इनको आप बाहर ले जाएं। (शोर एवं व्यवधान) मार्शल, इनको वाच एंड वार्ड स्टाफ की मदद से बाहर ले जाएं।

चौधरी भरत सिंह : * * * * * *

श्री अध्यक्ष : मैं श्री भरत सिंह को भी नेम करता हूं। वे हाऊस से बाहर चले जाएं।

(माननीय सदस्य श्री भरत सिंह बोलते रहे और हाऊस से बाहर नहीं गए)

श्री अध्यक्ष : मार्शल आप इनको बाहर ले जाएं। (शोर एवं व्यवधान) मार्शल, इनको वाच एंड वार्ड स्टाफ की मदद से बाहर ले जाएं।

चौधरी सूरज भान काजल : * * * * *

श्री अध्यक्ष : मैं श्री सूरज भान को नेम करता हूं। वे हाऊस से बाहर चले जाएं।

(माननीय सदस्य श्री सूरज भान बोलते रहे और हाऊस से बाहर नहीं गए)

श्री अध्यक्ष : मार्शल, आप इनको भी वाच एंड वार्ड स्टाफ की मदद से बाहर ले जाएं (शोर)

श्री कृष्ण लाल : * * * *

श्री अध्यक्ष : आप बैठ जाएं, इस तरह से न बोलिए। आप सब बिना इजाजत के बोल रहे हैं यह रिकार्ड नहीं हो रहा। आप बैठिए।

---

*चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया।

श्री कृष्ण लाल : * * * *

श्री अध्यक्ष : मैं श्री कृष्ण लाल को भी नेम करता हूं। वे हाऊस से बाहर चले जाएं।

(माननीय सदस्य श्री कृष्ण लाल बोलते रहे और हाऊस से बाहर नहीं गए)

श्री अध्यक्ष : मार्शल, आप इनको बाहर ले जाएं। (शोर एवं व्यवधान) मार्शल, आप इनको वाच एंड वार्ड स्टाफ की मदद से बाहर ले जाएं।

श्री जयपाल सिंह : * * * * *

श्री अध्यक्ष : मैं श्री जयपाल सिंह को भी नेम करता हूं। वे हाऊस से बाहर चले जाएं।

(माननीय सदस्य श्री जयपाल सिंह बोलते रहे और हाऊस से बाहर नहीं गए)

बैठक का स्थगन (पुनरारम्भ)

श्री अध्यक्ष : मार्शल, आप इनको वाच एण्ड वार्ड स्टाफ की मदद से बाहर ले जाएं। (शोर एवं व्यवधान)

(इस समय हाऊस में बहुत शोर था और जनता पार्टी के सदस्य हाऊस की वैल में नारे लगा रहे थे और शोर मचता रहा)

Mr. Speaker : अगर आपने यही रवैया इख्तियार करना है, then I adjourn the House for half an hour.)

(The Sabha then adjourned and reassembled at 11.47 A.M.)

श्री अध्यक्ष : माननीय मैम्बर्ज, अभी जो बिहेवीयर हुआ, वह ठीक बात नहीं थी। हमने सभी को टाईम दिया है और उन्होंने भी अपनी बात कही है। किसी ने अगर कोई बात कही है तो उसको पर्सनल एक्सप्लेनेशन देने का टाईम भी दे दिया गया था। चीफ मिनिस्टर ने भी जवाब दिया और जब ओम प्रकाश जी ने दोबारा एक्सप्लेनेशन देने के लिए कहा तो उसके लिये मैंने यह कहा कि प्रौपर टाईम पर आपको भी मौका दिया जायेगा। इसलिये ऐसी बात कोई ठीक बात नहीं है। मेरी आपसे प्रार्थना है कि हाउस की कार्यवाही ठीक से चलने दें।

---

*चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया।

चौधरी ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, लीडर आफ दी हाउस ने हाउस के सम्मानित सदस्यों को बेशर्म कहा है जब तक लीडर आफ दी हाउस इसके लिये माफी नहीं मांगेंगे, हम काम नहीं चलने देंगे ।

श्री अध्यक्ष : वह तो एक्सपंज कर दिया गया है ।

चौधरी ओम प्रकाश चौटाला : जब तक वह माफी नहीं मांगेंगे, हम काम नहीं चलने देंगे । सारे हाउस की बेइज्जती हुई है। अपौजीशन के लीडर को भी एक बार हाउस में बेइज्जत किया गया था इसलिये जब तक लीडर आफ दी हाउस अपने कहे हुए लफ्ज के लिये खेद व्यक्त नहीं करेंगे, तब तक हम हाउस को नहीं चलने देंगे।

सिंचाई मन्त्री (चौधरी जगदीश नेहरा) : वह बात तो एक्सपंज हो चुकी है।

चौधरी ओम प्रकाश चौटाला : स्पीकर साहब, यह सीधे बात कैसे करते हैं। आपके माध्यम से बात करें । जब तक हाउस के लीडर माफी नहीं मांगेंगे तब तक यह हाउस नहीं चलेगा । हम लोग भी इस बात पर बजिद्द हैं कि जब तक ये माफी नहीं मांगेंगे, तब तक हाउस नहीं चलेगा।

चौधरी जगदीश नेहरा : स्पीकर साहब, हाउस में बहुत सी बातें कहीं जाती हैं। पार्लियामैंट्री लैंग्वेज न होने पर कुछ बातें एक्सपंज भी होती हैं । आपने वह बात एक्सपंज कर दी और जो बात आपने ठीक समझी, वह रख ली, बाकी की आपने एक्सपंज कर दी हैं । मेरा कहने का मतलब यह है कि लीडर आफ दी हाउस किस लिये माफी मांगें । जब वे शब्द एक्सपंज हो गये तो किस लिये वह माफी मांगें ? लीडर आफ दी हाउस हर बात के लिए माफी मांगे यह बात ठीक नहीं है । स्पीकर साहब, इन्होंने भी बहुत सी बातें कही हैं जो एक्सपंज हुई हैं । क्या इन्होंने माफी मांगी है । स्पीकर साहब, इनका यह कहना कि हाउस को नहीं चलने देंगे, क्या हाउस इनकी प्रौपर्टी है जो नहीं चलने देंगे ? (शोर एवं व्यवधान) स्पीकर साहब आपके प्रोटेक्शन में यह हाउस चलेगा और हाउस का जो डैकोरम है, उसके अन्दर यह हाउस चलेगा । किसी को भी हाउस का डैकोरम बिगाड़ने की इजाजत नहीं दी जा सकती। हाथापाई करके क्या हाउस को चलने से रोका जा सकता है ?

चौधरी ओम प्रकाश चौटाला : क्या आपको छूट मिली हुई है कि जो भी आप चाहें किसी को कह दें ? (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : एक बार में एक ही सदस्य बोले ।

चौधरी जगदीश नेहरा : स्पीकर साहब, मेरा निवेदन है कि जिस ढंग से वे व्यवहार कर रहे हैं । * * * * * (शोर एवं व्यवधान)

*Not recorded as ordered by the Chair.

चौधरी ओम प्रकाश चौटाला : जब तक लीडर आफ दि हाउस माफी नहीं मांगेंगे, हम हाउस नहीं चलने देंगे । (शोर एवं व्यवधान)

Mr. Speaker : Nehra Sahib, you kindly address the Chair and not to them. (Interruptions).

Prof. Sampat Singh : Speaker, Sir, you are right that he should address the Chair and not to us. (Interruptions).

Mr. Speaker : Prof. Sahib let him speak.

Ch. Jagdish Nehra : Sir, I will address the Chair and not to them and request you that whosoever is speaking, should address the Chair. लेकिन मेरा आपसे अनुरोध है कि जैसा माहौल क्रिएट किया गया है, वह नहीं होना चाहिए । स्पीकर साहब, जो यह कह रहे हैं कि हम हाउस नहीं चलने देंगे, यह बात ठीक नहीं है । ऐसा अनप्लेजैंट माहौल पैदा नहीं करना चाहिए। ये ठीक ढंग से व्यवहार करें । असैम्बली का काम ठीक ढंग से चलना चाहिए और इसमें कोई अड़चन किसी को नहीं पैदा करनी चाहिए ।

मुख्य मन्त्री (चौधरी भजन लाल) : स्पीकर साहब, आपने बहुत हम्बल ढंग से लीडर आफ दि अपोजीशन को समझाया और पूरा कन्ट्रोल करने की कोशिश की। आपकी रूलिंग के बावजूद, बार बार आपके आदेश के बाद भी इन्होंने कितनी ही बार आपकी अवहेलना की । आपके सामने आश्रर और मेज पर बार-बार मुक्का मारकर जोर-जोर से चिल्लाना कोई ठीक बात नहीं थी । मैंने कोई ऐसी बात नहीं कही थी । किसी माननीय सदस्य को मेरे कहने से तकलीफ हुई हो, इस बारे में मैं कहना चाहता हूं कि गाली तो भजन लाल के देने का सवाल ही नहीं है । भजन लाल किसी को अपशब्द नहीं कहता। अगर मैं दूंगा भी तो तरीके से दूंगा । स्पीकर साहब, आपके कहने के बाद जब ये उठ कर जाने लगे तो मैंने कहा कि इन लोगों को, अखबारों वालों की वजह से कुछ मर्यादा में, शर्म में रहना चाहिए । अगर इनको तकलीफ हुई है तो मैं इस बात के लिए कहता हूं कि इतनी सी बात के लिए मैं खेद प्रकट कर सकता हूं लेकिन स्पीकर साहब, मैंने कोई भद्दी बात नहीं कही जिससे इनको तकलीफ होनी चाहिए। मेरा यह कहना है कि मर्यादा में रहकर हाउस की कार्यवाही को चलने देना चाहिए। अगर ये हाउस की कार्यवाही नहीं चलने देंगे तो हाउस को चलाने का तरीका भी हमें आता है । हमें पूरी मर्यादा में रहकर हाउस को चलने देना चाहिए । स्पीकर साहब, हमारे किसी भी साथी ने कोई ऐसी बात नहीं कही है जिससे किसी को तकलीफ हो। लेकिन जो वातावरण और जो माहौल बनाने की कोशिश की, वह बड़ा ही दुःखदायी है । इनको संयम में रहकर हाउस की कार्यवाही चलने देनी चाहिए ।

प्रो० सम्पत सिंह : स्पीकर साहब, इन्होंने ऐसा माहौल पैदा करने की कोशिश की और जीरो आवर में हमने उठकर जो कहना था, वह कहा । आपने उस पर रूलिंग

[प्रो0 सम्पत सिंह]

दी और बाद में हमने रिव्यू की सबमिशन की और रिक्वैस्ट की। बात रैजोल्यूशन की चल रही थी और सारा डिस्कशन चल रहा था, बढ़िया चल रहा था। हरेक का अपना-अपना प्वाएंट आफ व्यू आ रहा था। स्टेट के इंट्रैस्ट की बात उठ रही थी। कोई इररैलेवैन्ट बात हमारी तरफ से नहीं उठाई जा रही थी। स्पीकर साहब, स्टेट का इंट्रैस्ट सब से ऊपर है और हमने औफर भी दी कि अगर हमारी बात को नहीं मानना है तो आप अपना रैजोल्यूशन ले आएं और उस रैजोल्यूशन को हम भी सभी मान लेंगे तो हमने तो मदद की है। हमने हैल्पिंग हैंड की अनाउंसमैंट की थी यानी हम तो कोऔप्रेट कर रहे थे। हम तो चाहते थे कि हाउस पीसफुली चले। माननीय सदस्यों के अधिकारों के आप कस्टोडियन हैं इसलिए हम आपसे रिक्वैस्ट करते हैं कि आप हमारे अधिकारों की सुरक्षा करें। जब आपने रूलिंग दे दी तो उसके खिलाफ हमने कुछ नहीं कहा। लेकिन गवर्नमैंट ने कोई रिप्लाई नहीं दिया और हमारी बात को नहीं माना, इसलिए हम बाहर गए थे। हम आपकी रूलिंग के खिलाफ बाहर नहीं जा रहे थे हम तो इसलिए बाहर जा रहे थे कि उस रैजोल्यूशन को गवर्नमैंट ने नहीं माना था। गवर्नमैंट उस बारे में सीरियस नहीं थी। हम बड़े नोबल तरीके से जा रहे थे, हमने कोई स्लोगन शाउटिंग नहीं किया। हम तो बड़े शान्तिमय तरीके से बाहर जा रहे थे। जब हम जा रहे थे तो उस समय बदमजगी हो गई। लीडर आफ दी हाउस के मुंह से ऐसी बात निकल गई। स्पीकर साहब, हमारा तो रैजोल्यूशन न लाने के बारे में प्रोटैस्ट था, वह तो हमने कर लिया और वह एक अलग बात है लेकिन स्पीकर साहब, जो बात अब आ रही है, वह बात तो सिर्फ इसी बात पर है कि मुख्य मन्त्री जी अपनी बात पर खेद प्रकट कर लें कि मैंने जो कहा था उसके लिए मुझे खेद है। (विघ्न) स्पीकर साहब, जब हम जा रहे थे तो मुख्य मन्त्री ने ये शब्द कहे थे कि बड़े 'बेशर्म' हैं। तो हम तो सिर्फ एक बात चाहते हैं कि जो इन्होंने 'बेशर्म' कहा है उसके लिए ये कह दें कि मैं माफी मांगता हूं। अगर ये ऐसा कर लेंगे तब तो हम यहां बैठ सकते हैं वरना ब्रूट मैजोरिटी का सरकार को इस तरह फायदा नहीं उठाने देंगे। इसका इनके पास लाइसैंस नहीं है। अगर लोगों ने इनको इलैक्ट करके भेज दिया है तो इनको कोई लाइसैंस नहीं मिल गया है कि ये जिस तरह चाहें, हाउस को चलाएं। हम आपसे रिक्वैस्ट करेंगे कि आप अपने गुड आफिस को इस्तेमाल करें। आप हमारे कस्टोडियन हैं। (विघ्न) स्पीकर साहब, मेरी आपसे अर्ज है कि आप हमारे राइटस के कस्टोडियन हैं और इस तरह का इशु आ गया है कि आनरेबल मैंबर्ज को इस तरह की बात कही जाए। इसलिए आप इनसे माफी मंगवाएं। अगर ये माफी नहीं मांगेंगे तो हम अपने डैमोक्रेटिक राइटस के तहत इस बात का प्रोटैस्ट करेंगे और इसका नाजायज फायदा फ्लोर आफ दि हाउस नहीं उठाने देंगे।

Chaudhary Birender Singh : Sir, I want to make a submission

and I want your ruling on that point. Ch. Om Parkash Chautala has said very clearly that such and such words which were unparliamentary were used by the leader of the House. But you have also said that those words have been expunged. My point is that when these words have been expunged and are not the part of the proceedings of the House, on what account, the leader of the House should say anything with regard to the words, which have already been expunged. I want your ruling on this point.

Mr. Speaker: I have already expunged the words. That is enough and the matter ends.

श्री बीरेन्द्र सिंह : स्पीकर साहब, आज हाउस में बड़ा अनप्लैजेंट माहौल हुआ । अफसोस इस बात का है कि जो बहुत ही सीनियर लोग हैं, उनकी तरफ से इस किस्म की बातें शुरू हुई। स्पीकर साहब, हाउस में जो बात डिस्टौरट करके पेश की जाए, वह सबसे अद्दी बात है । लीडर औफ दि अपोजिशन ने अभी कहा कि वे इसलिए सदन से वाक आउट करके जा रहे थे कि क्योंकि सरकार ने एस०वाई०एल० नहर के ईशू पर एकमत से रैजोल्यूशन पास करने की बात नहीं मानी । स्पीकर साहब, आप याद करें, यह बात एक या डेढ़ घंटा पहले की है । बात तब बिगड़ी जब चौधरी ओम प्रकाश चौटाला अपनी पर्सनल एक्सप्लेनेशन देना चाहते थे । रैजोल्यूशन के बारे में तो पहले बहस हो चुकी थी । जब कोई कहा सुनी हुई तो उसके बारे में चौटाला साहब अपनी पर्सनल एक्सप्लेनेशन देना चाहते थे । स्पीकर साहब, आपने उस समय यह क्लीयरकट रूलिंग दी थी कि आपको पर्सनल एक्सप्लेनेशन के लिए बाद में टाईम दूंगा, इस समय नहीं । जब विपक्ष के लोगों की तरफ से इन्होंने कहा और थरैट किया कि हम वाक आउट कर जाएंगे तो उस समय चौधरी ओम प्रकाश चौटाला और कुछ दूसरे सदस्य यहां से चले भी गए लेकिन कुछ सदस्य अचानक रुक गए । अचानक रुकने के बाद यह कहा कि वे स्टेट के इंट्रैस्ट में सदन से वाक आउट करना चाहते हैं लेकिन यह बात नहीं थी । केवल इनकी पर्सनल एक्सप्लेनेशन की बात को ले कर हाउस का माहौल बिगड़ा । स्पीकर साहब, मैं चौधरी सम्पत सिंह जी को यह बात कहना चाहता हूं कि जितनी जिम्मेदारी लीडर औफ दि हाउस की है, उतनी ही जिम्मेदारी लीडर औफ दि अपोजिशन की है । आप लोगों में से 6-7 या 4-5 या 3-4 लोगों को स्पीकर साहब ने नेम भी कर दिया । जिनको नेम किया, वे सदस्य किस हैसियत से हाउस के अन्दर बैठे हैं और किसकी आज्ञा से हाउस में आए हैं। स्पीकर साहब आप इतने शरीफ हैं कि आपकी भलमानसी का ये यूं लाभ न उठाएं और अपने आपको इस तरह से पेश न करें, जैसे आप ही खरे लोग हैं, बाकी सारा अड़ंगा है । किसी बात को डिसटौरट नहीं करना चाहिए कि किसी तरह से हाउस को नहीं चलने देंगे । हाउस चलाना अकेले गवर्नमैंट की जिम्मेदारी नहीं है, हाउस तो स्पीकर साहब को चलाना है । मैं इस हाउस में चौथी बार चुन कर आया हूं, मेरे ख्याल में इनसे शरीफ स्पीकर इस हाउस में आज तक नहीं आए हैं । हमने बड़े बड़े स्पीकर देखें हैं ।

[श्री वीरेन्द्र सिंह]

(विघ्न) और हाउस में पिटाई भी हुई है, इसलिए मैं आपसे यही रिक्वैस्ट करूंगा कि आप इतने श्रीफ स्पीकर की भलमानसी का नाजायज फायदा न उठाएं और हाउस को विद डैकोरम चलने दें। स्टेट के हित के जो काम हैं, उनको करें। इस तरह से रिकार्ड को डिसटोर्ट न करें। इस तरह से करके अपने आपको शहीद साबित न करें। सभी लोग जानते हैं कि बहुत सारे सदस्य आपकी तरफ भी बहुत अच्छे हैं इसलिए आप लोग हाउस को शानदार तरीके से चलने दें।

प्रो० सम्पत सिंह : स्पीकर साहब माननीय सदस्य ने कहा कि मैं बात को डिसटोर्ट करता हूं। स्पीकर साहब, चौधरी वीरेन्द्र सिंह जी ने कहा कि चौधरी ओम प्रकाश चौटाला की तरफ से पर्सनल एक्सप्लेनेशन देने की बात आई थी। स्पीकर साहब, हमारी पार्टी ने ही, वह रैजोल्यूशन मूव किया था और उस पर बहस चल रही थी। हमने अपने विचार रखे और गवर्नमैंट ने भी अपने विचार रखे। उस डिस्कशन के दौरान यह बात हुई थी। उसके लिए चौधरी ओम प्रकाश चौटाला ने कहा कि मैं सैल्फ एक्सप्लेनेशन देना चाहता हूं। That was the part of discussion on that resolution. आप इसको रैजोल्यूशन से अलग नहीं कर सकते। चौधरी वीरेन्द्र सिंह जी आपकी भी यही इन्टैंशन है कि एस०वाई०एल० बने।

श्री अध्यक्ष : यह मैटर अलग है और वह मैटर अलग है।

प्रो० सम्पत सिंह : इससे ही जुड़ा हुआ मैटर है। It is also a part and parcel of this matter.

Mr. Speaker : It is not related to this.

Prof. Sampat Singh : That was related to this, Sir. (Noise) We are saying that it was related, Sir.

अध्यक्ष द्वारा रूलिंग—

सदन की मर्यादा तथा गरिमा बनाये रखने सम्बन्धी

Mr. Speaker : Hon'ble Members, before I proceed further, I consider it necessary to make an observation on the behaviour of the members of S J.P. on the floor of the House. The behaviour of the members who were named by me namely, Sarvshri Ram Kumar Katwal, Dhirpal Singh, Sampat Singh, Bharath Singh, Suraj Bhan Kajal, Krishan Lal and Jaipal Singh, was undignified which in a way has lowered the image of this august House. I am to point out that after the delivery of the ruling, the Hon'ble Members kept on speaking without my permission. Time and again they were requested to resume their seats and allow me to proceed but a deliberate effort was made to block the proceedings of the House

completely forgetting that we all are here to serve our masters who are electorates and they have also forgotten that they are watching our conduct and deliberations. I owe it to the House that discussions are held in a free and frank manner and in accordance with the rules. This I wish to ensure to the best of my ability. I am open to suggestions from the senior legislators and even from other friends to achieve this object but I do expect the members also to observe high standard of conduct which helps to maintain the high traditions of this House and raise the decorum. I strongly feel that the manner in which the S.J.P. members have behaved and have created disturbances in the House was contrary to the high standards which are required to be maintained by the members on the floor of the House.

If any member has any grievance to ventilate, then I have already said that they will have an ample opportunity to speak at an appropriate time.

I therefore, appeal to all the leaders of the parties and various groups in the House that they should ensure that deliberations are conducted in the spirit of the rules and all the members of the parties/groups maintain decency and decorum in the House.

चौधरी ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, मैंने पहले भी अनुरोध किया था और हम यह उम्मीद रखते हैं कि हाउस का डैकोरम और हाउस की गरिमा बरकरार रखने के लिए और आपकी, चेयर की गरिमा भी कायम रह सके, इस सब के लिए हाउस के सदस्यों के खिलाफ लीडर आफ दी हाउस ने जो नावाजिब अल्फाज इस्तेमाल किए हैं, सारे सम्मानित सदस्यों को 'बेशर्म' शब्द से नवाजा गया है और एम0एल0एज0 की बेइज्जती की गई है, ये जो शब्द इन्होंने इस्तेमाल किए हैं उनसे हाउस के स्तर के गिरने की बात आती है। ये जो लोग यहाँ पर बैठे हैं, विपक्ष के या ट्रेजरी बेंचिज के, ये जनता के चुने हुए सम्मानित सदस्य हैं, न कि 'बेशर्म'। अगर ये 'बेशर्म' होते तो आज यहां पर हाउस में नहीं आते। यदि ये मैम्बरों को अपने अधिकार से वंचित करने का प्रयास करें तो यह इनके लिए अच्छी बात नहीं है। इसलिए मेरी प्रार्थना है कि हाउस को सुचारू रूप से चलाने के लिए लीडर आफ दी हाउस ने जो नावाजिब अलफाज इस्तेमाल किए हैं, उनसे आप कहें कि वे हाउस से माफी मांगें। यदि ये हाउस से माफी नहीं माँगते तो फिर हाउस के चलने का सारा सिलसिला ही बिगड़ जाएगा। स्पीकर साहब, जब तक इस बारे में निर्णय नहीं हो जाता, मैं आपसे अनुरोध करूंगा कि आप इस मामले में अपना फैसला दें।

श्री अध्यक्ष : मैं अपना फैसला पहले ही दे चुका हूं। The word stands expunged and the matter ends now.

चौधरी ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, एक्सपंज करने से ही काम नहीं चलेगा। यह एक्सपंज करने का मामला नहीं है। यहां पर खुली गाली दी गई है। इस प्रकार से तो कोई भी किसी को कुछ कह दे और बाद में बात एक्सपंज

[चौधरी ओम प्रकाश चौटाला]

हो जाए । यह हाउस की अवमानना है, इसलिए इसको एक्सपंज करने से काम नहीं चलेगा । स्पीकर साहब, पहले भी हाउस में परम्परा रही है, आप इसी चेयर पर थे और लीडर आफ दि ओपोजीशन ने माफी माँगी थी । (विघ्न) स्पीकर साहब, क्या हाउस में दो कायदे चलेंगे ? क्या सत्ता पक्ष के लिए दूसरा कायदा होगा और विपक्ष के लिए दूसरा कायदा होगा ? इस हाउस के सभी माननीय सदस्य बराबर हैं और सबके साथ समान व्यवहार होना चाहिए । सत्ता पक्ष के सदस्य ज्यादा हैं इसलिए वे सत्ता में हैं, जो कम लोग हैं, वे विपक्ष में बैठे हैं, परन्तु अधिकार सबके समान हैं । सबके समान अधिकारों के मुताबिक ही इस बात का निर्णय होना चाहिए । स्पीकर साहब, आपके किसी फैसले को हम चैलेंज नहीं करते हैं, आपसे केवल अनुरोध कर रहे हैं कि आपको इस सारे मामले को देखकर निर्णय लेना चाहिए । ऐसे ही मामले में पहले जो प्रथा रही है, आपके चेयर पर होते हुए ही जैसा फैसला किया गया था, वैसा ही फैसला आज भी होना चाहिए । (विघ्न)

सिंचाई मन्त्री (चौधरी जगदीश नेहरा) : जो बात अब कही गई है और जो पहले बात हो चुकी है, उसमें बहुत अन्तर है । स्पीकर साहब, मैं आपके ध्यान में उस समय की बात लाना चाहता हूं जो लीडर आफ दी ओपोजीशन ने की थी । आज से दो सिटिंज पहले जो हुआ था, उसके लिए प्रिविलेज मोशन भी अभी विचाराधीन है । उस वक्त माईक तोड़ा गया था । स्पीकर सर, आपको याद होगा, मैंने उस वक्त महाराष्ट्र के इन्सिडेंट का जिक्र किया था कि यदि सदन में असैम्बली की प्रोपरटी को कोई मैम्बर नुक्सान पहुंचाता है तो उसमें 6 महीने की सजा भी हो सकती है । उस बात में और आज की बात में दिन-रात का अन्तर है । जो बात कही गई है, आपने उसको एक्सपंज भी कर दिया है, इसलिए इस बात को बढ़ाने का कोई औचित्य नहीं बनता । स्पीकर साहब, आपसे मेरी प्रार्थना है कि जब आपने उसको एक्सपंज कर दिया है तो उस बात को हाउस में ओपोजीशन के मैम्बरों द्वारा उठाए जाने का कोई औचित्य नहीं है । स्पीकर साहब, मैं यह बात बार-बार इसलिए कह रहा हूं ताकि असैम्बली का सिस्टम ठीक ढंग से चले । परन्तु इनका मकसद तो यह है कि असैम्बली का बिजनैस ठीक ढंग से न चले ताकि गवर्नमैंट की फजीती हो । क्या इनकी इस बात को हम लोग नहीं समझते ? स्पीकर साहब, जो ये बात उठा रहे हैं, इसके पीछे इनकी भावना कुछ और है । इनकी भावना है कि असैम्बली की कार्यवाही को नहीं चलने देंगे । स्पीकर साहब, हम लोग इनकी इस बात को कतई बर्दाश्त नहीं करेंगे, सत्ता पक्ष इसे बर्दाश्त नहीं करेगा । स्पीकर साहब, यदि वे थ्रेट देते हैं तो क्या हम लोगों में थ्रेट देने का दम नहीं है ? स्पीकर साहब, आपके रूबरू सारी बातें हुई हैं और उस बात को आपने एक्सपंज भी कर दिया, फिर उसको बार-बार यहां दोहराने का कोई औचित्य नहीं बनता । इनका एक ही मकसद है कि असैम्बली के समय को नष्ट किया जाए । स्पीकर साहब, आपसे मेरा अनुरोध है कि इस बात को खत्म करके

असैम्बली की कार्यवाही को सुचारू रूप से आगे चलाएं ताकि असैम्बली का समय नष्ट न हो।

वन मन्त्री (राव इन्द्रजीत सिंह) : स्पीकर साहब, सदन का कानून है कि आपसे परमिशन लेकर ही बोला जाए और जो आपकी परमिशन के बगैर बोला जाए उसको रिकार्ड न किया जाए। आमतौर पर बातचीत के दौरान बैचिज से बात होती रहती है। सत्ता पक्ष और विपक्ष के सदस्य बैंचों पर बैठे-2 जो बोलते हैं, वह प्रोसीडिंग्ज के रिकार्ड पर नहीं आता, इस कारण वह सदन के पटल का हिस्सा नहीं बनता। सदन में जो सदस्य बैठे हैं, उनमें यहां सत्ता पक्ष के लोग भी और विपक्ष के लोग भी हैं। सदन के बाहर जो कहा जाता है, वह सदन की कार्यवाही के रिकार्ड के बाहर की बात है और वह एकाउंटेबल बात नहीं है। क्या उन सब बातों के लिए भी मुआफी मांगनी होगी ? स्पीकर साहब, जो बात कहीं गई है, वह बैठे-बैठे कही गई है, इसलिए वह सदन की कार्यवाही का हिस्सा नहीं है इसलिए उसके लिए मुआफी की कोई बात ही नहीं है। (शोर एवं व्यवधान)

(इस समय कई सदस्य अपनी सीटों पर खड़े होकर बोलने लगे)

Mr. Speaker : Hon'ble members, enough has been said about this. Now we shall proceed further. (Noise & Interruptions) Let me proceed further.

नेम किए हुए सदस्यों को वापिस बुलाना

प्रो० सम्पत सिंह : * * * * * * * *

Mr. Speaker : Nothing is to be recorded.

श्री सतबीर सिंह कादयान : * * * * * *

श्री अध्यक्ष : आप बिना इजाजत के बोल रहे हैं। यह कुछ भी रिकार्ड न किया जाए। Hon'ble Members, now we should proceed to the agenda. Now the discussion on the Governor's Address will be resumed. Before that, I would like to ask whether it is the pleasure of the House to allow the 7 members who were named by me earlier to participate in the proceedings of the House. The names of these members are Sarvshri Ram Kumar Katwal, Dhirpal Singh, Sampat Singh, Bharat Singh, Suraj Bhan Kajal, Krishan Lal and Jaipal Singh. They were named for their grossly disorderly behaviour and they were to go out of the House. So is it the pleasure of the House to allow them to participate in the proceedings of the House?

---

* चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया।

प्रो० राम बिलास शर्मा : अध्यक्ष महोदय, आज सदन में जो कुछ भी हुआ है वह बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण हुआ है। सर, जगदीश नेहरा जी पार्लियामैंटरी अफेयर मिनिस्टर हैं और वे इलैक्ट होकर आए हैं। जिनको सरकार चलानी होती है, जिनकी जिम्मेवारी होती है, उनको कई बार जहर भी पीना पड़ता है। साथ ही विपक्ष की जो भूमिका होती है, वह अनप्लैजन्ट होती है और वह सत्ता पक्ष को चुभती भी है। जैसा मुख्यमंत्री जी ने कहा कि मेरी मन्शा नहीं थी कि मै किसी साथी के लिए 'बेशर्म' शब्द का इस्तेमाल करूं परन्तु हो गया। अध्यक्ष महोदय, जो चौटाला साहब कहना चाहते थे, उन्होंने कह दिया। अब जगदीश नेहरा जी ने कहा कि थ्रैट हम भी दे सकते हैं। तो मैं यह पूछना चाहता हूं कि क्या यह सदन थ्रैट के लिए है और क्या यही सदन की वैल्यू है ? अब जनता भी यह सब देख रही है कि यहां पर क्या मरोड़े हो रहे हैं। अरे मरोड़ तो वे नहीं छोड़ेंगे। स्पीकर साहब, जैसा कि चौटाला साहब जी ने कहा और मुख्यमंत्री ने भी बात मान ली है। (शोर एवं व्यवधान) स्पीकर सर, आपने इतना समय सबको दिया है। हमारे जैसे छोटे-छोटे ग्रुप को भी समय दिया है। सर, सदन बड़े अच्छे माहौल में शुरू हुआ था। कल सम्पत सिंह जी को आपने बोलने के लिए समय भी दिया। उन्होंने अपनी बात भी कही और सरकार ने उनकी बातों को सुना भी। आज हाउस का दूसरा दिन है इसलिए अगर मुख्यमन्त्री जी एक बार फिर कह देंगे तो चौधरी ओमप्रकाश चौटाला की बात भी रह जाएगी।

मुख्यमंत्री (चौधरी भजन लाल) : अध्यक्ष महोदय, राम बिलास शर्मा बहुत ही सीनियर और बहुत ही काबिल मैम्बर हैं। वे हमेशा ही बड़ी सभ्य बात कहते हैं। मैंने तो शुरू में ही कहा था कि अगर मेरी बात से किसी का दिल दुखा हो तो मुझे खेद है। वैसे मेरी किसी भी मैम्बर को दिल दुखाने की मंशा नहीं रही है। मेरा मांफी मागने का तो सवाल ही पैदा नहीं होता। इसलिए मेरा आपसे निवेदन है और मेरा सजपा के लीडरों से भी कहना है कि ये भी बहुत समझदार हैं, इसलिए ये हाउस को चलने दें। अगर ये लोग हाउस को चलने दें तो मेरी आपसे भी रिक्वैस्ट है कि आपने जिन आठ महानुभावों को नेम किया है तो उनको आप वापस ले लें। यही मुझे आपसे कहना है।

Mr. Speaker : Is it the pleasure of the House that the Hon'ble Members, named by me, be allowed to participate in the proceedings of the House ?

Voices : Yes.

Mr. Speaker : That is withdrawn. Now, Hon'ble Members, discussion on Governor's Address will resume.

वाक-आऊट

प्रो० सम्पत सिंह : स्पीकर सर, आपने जो कहा है वह हमने मान लिया है तथा मुख्यमन्त्री जी ने भी जो खेद की बात कही है उसको भी हमने मान लिया है। हम आपको विश्वास दिलाते हैं कि हम लोग कार्यवाही में शामिल रहेंगे। हमने जिस तरह से आपको पहले कोओपरेशन दिया है, उसी प्रकार से हम आगे भी कोओपरेशन देते रहेंगे। अब यह मामला खत्म हो गया है। लेकिन चूंकि एस०वाई०एल० तथा चण्डीगढ़ को ट्रांसफर करने पर एडजर्नमैंट मोशन वाली बात गवर्नमैंट ने हमारी नहीं मानी है इसलिए हम इस बात पर गवर्नमैंट के फैसले के खिलाफ वाक आऊट करते हैं। पहले भी हम इसी बात पर प्रोटैस्ट कर रहे थे और अब भी हम इसी पर गवर्नमैंट के फैसले के अगेन्सट हाऊस से वाकआऊट करते हैं।

(इस समय सारे विपक्ष (जनता पार्टी, हरियाणा विकास पार्टी तथा भारतीय जनता पार्टी) के उपस्थित सदस्य हाऊस से उठकर बाहर चले गए)

मुख्य मन्त्री (चौधरी भजन लाल) : अध्यक्ष महोदय, मैंने पहले भी कहा था कि इनको वाकआऊट करना ही है।

राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर चर्चा (पुनरारम्भ)

Mr. Speaker : Hon. members, now discussion on the Governor's Address will be resumed.

प्रो० छतर सिंह चौहान (मुंढाल खुर्द) : अध्यक्ष महोदय, मैं इस सदन में गत 28 फरवरी को माननीय राज्यपाल महोदय द्वारा पठित अभिभाषण के विषय में बोलना चाहता हूं। स्पीकर साहब, गवर्नर महोदय का भाषण इस अक्षम और अकुशल सरकार द्वारा तैयार किया गया है। यह सरकार अपने आपको हरियाणा की सरकार मानती है लेकिन हरियाणा की जनता का इस सरकार से पूर्ण रूप से विश्वास उठ चुका है। यह बात सरकार भी मानती है। समय ही इस बात को बतायेगा कि यह बात सच है या नहीं। अध्यक्ष महोदय, गवर्नर महोदय के अभिभाषण में हरियाणा की गिरती हुई कानून और व्यवस्था जो निम्न से निम्न स्तर पर जा चुकी है, का जिक्र किया गया है। हरियाणा में आज कोई ला एण्ड आर्डर नाम की चीज नहीं है। अगर मैं यह कहूं कि हरियाणा में आज जंगल राज है तो इसमें कोई भी अतिश्योक्ति नहीं होगी। यदि इस अभिभाषण में, आज हरियाणा के लोगों के लिए जीवन रेखा एस०वाई०एल० कैनाल के लिए है, इस बारे में राज्यपाल महोदय आश्वासन देते, गवर्नमैंट आश्वस्त करती कि ये एस०वाई०एल० कैनाल शीघ्र से शीघ्र बनाई जाएगी तब तो बात बनती। लेकिन अफसोस की बात है कि इस अभिभाषण में एक भी लाईन एस०वाई०एल० के बारे नहीं लिखी। मैं इस अभिभाषण का समर्थन करता यदि राज्यपाल

[प्रो० छत्तर सिंह चौहान]

महोदय, हरियाणा के लाखों बेरोजगार युवक जो अपनी आजीविका के लिए इधर-उधर फिर रहे हैं, उनके लिए कोई कारगर कदम उठाने के लिए आश्वासन देते, गवर्नमैंट आश्वस्त करती तो मैं इस अभिभाषण का समर्थन करता । इस प्रकार का अभिभाषण जो कि गवर्नमैंट द्वारा तैयार किया गया एक औपचारिकतावश राज्यपाल महोदय ने पढ़ा उसका विरोध करने के लिए मैं खड़ा हुआ हूं । अध्यक्ष महोदय, आज हरियाणा प्रदेश में कानून और व्यवस्था नाम की कोई चीज नहीं रह गई है मैं आपसे निवेदन करूं कि आज से ढाई साल पहले माननीय मुख्यमन्त्री चौधरी भजन लाल जी ने इस सदन को आश्वस्त किया था कि मैं हरियाणा को इस प्रकार का प्रशासन दूंगा कि यहां की औरतें रात को गहने पहन कर चल सकेंगी । हम खुश थे कि शायद मुख्यमन्त्री जी जैसा कहेंगे वैसा करेंगे लेकिन यह बात सारा हरियाणा जानता है कि हरियाणा के मुख्यमन्त्री का never means what he says उनकी कथनी और करनी में कितना अन्तर है । जितने कांड हुए हैं इस सरकार के आने के बाद हुए हैं । कुरुक्षेत्र जिले में लोहारुमाजरा में एक लड़की के साथ रेप हुआ और उसकी हत्या की गई और दुःख की बात है कि उसके पिता को ही उसमें सम्मिलित किया जा रहा है । इनका प्रशासन आज तक पता नहीं लगा सका कि उसका दोषी कौन है ? पानीपत जिले के छछरौली गांव में पुलिस ने महिलाओं पर अत्याचार किया । इनका प्रशासन आज तक इस बारे में पता नहीं लगा सका । हरियाणा के गृहमन्त्री ने बड़ी चुनौती दी थी कि मैं गृहमन्त्री हूं, आज हरियाणा में बलात्कार, चोरी की घटनाएं दिनो दिन बढ़ती जा रही हैं । क्या बढ़ते हुए अत्याचार, बलात्कार, चोरी, डकैती, जमीनों के हड़प करने की प्रवृति को रोकना मुख्यमन्त्री या गृहमन्त्री का काम नहीं है ? मेरे अपने जिले की सुशीला नाम की लैक्चरर को आज कितने महीने हो गए गुम हुए । सुशीला कांड के बारे में यह सरकार नहीं बता सकी ? इसी प्रकार से फतेहचन्द कालेज, हिसार की छात्रा का अपहरण हुआ जहां मुख्यमन्त्री जी का अपना गृह निवास है लेकिन फिर भी आज तक उस छात्रा का पता नहीं लग सका ? आनन्द सिंह डांगी के हल्के के फरमाना गांव में जो घटनाएं घटीं क्या उन घटनाओं की जिम्मेदार सरकार नहीं है ? ये अपने अन्दर में झांक कर देखें कि इनकी कथनी और करनी में कितना अन्तर है ? अध्यक्ष महोदय, हरियाणा में रोज कोई न कोई कांड होता रहा है । निर्सिंग कांड हुआ, कभी पृथला कांड तो कभी खरावड़ कांड हुआ । मेरा कहने का मतलब यह है कि ये हरियाणा की जनता को कोई सक्षम प्रशासन देने में असफल रहे हैं । हरियाणा के लोगों का विश्वास इस सरकार से उठ गया है । इस प्रशासन को हरियाणा में कारगर बनाने की बजाये यह लोग राजस्थान में जाते हैं । राजस्थान में चुनाव हुए, चुनावों के दौरान जो बातें हुई, उनकी चर्चा हुई है, वह पढ़ते हुए हमें शर्म आती है । वह हरियाणा जिसका सारे हिन्दुस्तान में एक गौरवशाली नाम है, आज वहां की जो पुलिस, वहां के जो विधायक हैं, जो मन्त्री हैं, उनके खिलाफ केस रजिस्टर्ड हैं । यही नहीं, इसमें गुहला चीका का डी०एस०पी० घायल भी हुआ

है। इससे ज्यादा बुरी बात इस प्रदेश के प्रशासन के लिये और क्या हो सकती है? इसी प्रकार से अभी पिछले दिनों कालका का उप-चुनाव हुआ। मुख्य मन्त्री जी के अपने पुत्र इसमें उम्मीदवार थे।

मुख्य मन्त्री (चौधरी भजन लाल) : चौहान जी, आप तो भले आदमी हो। आप से तो ऐसी उम्मीद नहीं हो सकती कि आप इस बारे में कुछ बात करोगे?

प्रो० छत्तर सिंह चौहान : उसको कामयाब करने के लिये इन्होंने वहां पर सब कुछ किया। कालका के उप चुनाव में पुलिस ने 6 एफ० आई० आरज० लिखीं और 50 आदमी पकड़े। उन 50 आदमियों में राम चन्द्र नाम का एक आदमी भी था जो मुख्य मन्त्री महोदय की कोठी पर काम करता है। उन 50 आदमियों को मुख्य मन्त्री जी का पुत्र जाकर छुड़वा लाया। स्पीकर साहब, आप देखें एक मुख्य मन्त्री महोदय के पुत्र का इलैक्शन हो और वह भावी विधायक हो, अगर उसमें इस प्रकार से धांधलीबाजी होगी तो क्या यह अच्छी बात है? यह तो रिकार्ड की बात है कि पुलिस स्टेशन पंचकूला में 6 एफ०आई०आरज० लिखी गयीं और उनमें 50 आदमियों को पकड़ा गया। इन पकड़े गये आदमियों में क्योंकि इनकी कोठी पर काम करने वाला आदमी भी शामिल था इसलिये उनको छुड़वाया गया। इसी तरह से तीन एफ० आई० आरज० कालका में दर्ज की गयीं। कुछ लोगों को पुलिस स्टेशन में बिठाया गया। फिर उसी तरह से चन्द्र मोहन और उनके साथियों ने जाकर उनको छुड़ाया। मेरे कहने का तात्पर्य यह है कि ऐसा नहीं होना चाहिये। आपके माध्यम से मुख्य मन्त्री महोदय से निवेदन करना चाहता हूं कि भगवान ने उनको मौका दिया है, इस मौके का उपयोग जनता की भलाई के लिये करें। जनता ने आपसे पूछना भी है जब आप इस गद्दी से चले जाओगे कि हरियाणा की जनता जो चाहती थी, वह आपने क्यों नहीं किया? चौधरी भजन लाल ने 12 जुलाई, 1991 को इसी सदन में एक आश्वासन दिया था कि आप इस प्रकार का अच्छा प्रशासन देंगे कि बिना डर के कोई भी औरत रात को सोना पहन कर निकल सकेगी, और अध्यक्ष महोदय यह उदाहरण आपके सामने है। बार-बार लोग इसके लिये कहते हैं कि जरा इस ओर भी देखो कि उसको आप कितना लागू कर पाये हो लेकिन उसके विपरीत पुलिस का प्रयोग लोगों की भावनाओं को कुचलने और उन पर ज्याद-तियां करने के लिये किया जाता है। हरियाणा के लोगों की रक्षा करने के लिये नहीं किया जाता है। हमारे हरियाणा में एक मिसाल है। जब बाड़ ही खेत को खाने लगे तो उस खेत का कौन रखवाला होगा? (शोर एवं व्यवधान) यह बात रिकार्ड की है। मैं यह बताना चाहता हूं कि इसमें सच्चाई क्या है, यह देखना तो मुख्य मन्त्री जी का काम है। एक पानीपत का एस०पी० है, उसने अपने चार चहेतों को अपने साथ रखा हुआ है। जहां पर भी वह जाता है, इनको अपने साथ ले जाता है। (इस समय श्री उपाध्यक्ष पदासीन हुए।) इनमें से एक है बलविन्द्र सिंह नाम का हैडकांस्टेबल, जिसका नम्बर 1120-अम्बाला है। आज भी वह पानीपत में उसके

[प्रो0 छतर सिंह चौहान]

साथ है। 3-12-1993 को एस0पी0 पानीपत ने बलविन्द्र सिंह को एक रिवाल्वर दिया। उस रिवाल्वर का नम्बर आर-9027 है। मेरी यह बात समझ में नहीं आती कि जो आदमी अम्बाला का है, उसको एस0पी0 पानीपत ने अपने साथ क्यों लगा लिया और उसको रिवाल्वर एस0पी0 पानीपत ने क्यों दिया ? और किस बात के लिए दिया ? उपाध्यक्ष महोदय, इसी तरह से उसके साथ जो अन्य सिपाही रहते हैं, वह जहां भी जाता है उसके साथ जाते हैं। मेरा कहने का मतलब यह है कि वह उनको लेकर जाता है। इसका मतलब है कि कोई गड़बड़ है। दूसरा कांस्टेबल टेक लाल, फर्स्ट बटालियन, अम्बाला, तीसरा कांस्टेबल है ओम प्रकाश, फर्स्ट बटालियन अम्बाला और चौथा है हीरा लाल, जी0आर0पी0 अम्बाला। इससे सनसनीखेज घटना मेरे नोटिस में नहीं आई।

उपाध्यक्ष महोदय, पुलिस में एक बी-1 टैस्ट होता है। इस टैस्ट में एक कांस्टेबल साल में एक ही बार अपीयर हो सकता है। एक कांस्टेबल है जिसका नाम मंशाराम है, उसका नम्बर है 865-अम्बाला। उपाध्यक्ष महोदय, मैं बताना चाहता हूं कि हरियाणा में किस कदर भ्रष्टाचार फैला हुआ है। एक डी0आई0जी0 है जिसका नाम है * * * * वह हिसार लगा हुआ है। हरियाणा में इतना भ्रष्टाचार है कि इसका कोई अन्दाजा नहीं लगा सकता और जो मैं बताने जा रहा हूं, वह भ्रष्टाचार का एक ज्वलन्त उदाहरण है। यहां का एडमिनिस्ट्रेशन भ्रष्टाचार में डूबा हुआ है। वह मंशाराम बी-1 टैस्ट में 20-1-1994 को अपीयर हुआ लेकिन यह फेल हो गया.....

चौधरी भजन लाल : आन ए प्वायंट आफ आर्डर, उपाध्यक्ष महोदय, जो व्यक्ति हाउस का मैम्बर नहीं है और अपने आपको डिफैन्ड नहीं कर सकता, उसका नाम इस तरह से कहना मुनासिब नहीं है।

श्री उपाध्यक्ष : ठीक है, यह नाम रिकार्ड न किया जाए।

प्रो0 छतर सिंह चौहान : उस डी0आई0जी0 ने उसका यमुनानगर से 28-1-94 को हिसार ट्रांसफर करवा लिया और उसको हिसार का नम्बर अलौट हुआ 140। उस डी0आई0जी0 ने सोच लिया था कि अपने चहेते को अवश्य ही हैड कांस्टेबल बनाना है। वह कांस्टेबल 29-1-94 को फिर बी0-1 टैस्ट में अपीयर हो गया और जो टैस्ट हुआ उसमें वह कांस्टेबल फर्स्ट आया। उपाध्यक्ष महोदय, कितने ताज्जुब की बात है कि 20-1-94 को वह फेल हो गया और 29-1-94 को फर्स्ट आ गया। एक ही हफ्ते में वह इतना काबिल हो गया कि फर्स्ट आ गया। मैं मुख्य मन्त्री जी से कहना चाहता हूं कि आप इस बात पर

*चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया।

विश्वास करते हुए अपना फैसला लें कि बी-1 टैस्ट को खत्म किया जाए । इससे भ्रष्टाचार फैलता है । इसमें बहुत ही धांधली है । आमतौर पर यह होता है कि ऑफिसर्ज जिस पर कृपालु होते हैं उसको टैस्ट पास करवा दिया जाता है । इसलिए मैं कहना चाहता हूं कि सीनियरिटी से प्रोमोशन होना चाहिए । यही सब से अच्छा तरीका है और ऐसा करने से ही भ्रष्टाचार कम हो सकता है । उपाध्यक्ष महोदय, यहां पर गृह मन्त्री जी नहीं बैठे हैं । मैं आपके माध्यम से मुख्य मन्त्री से प्रार्थना करूंगा कि वे अपने मन्त्रियों को काबू में रखें । इनके एक मन्त्री हैं । उनका तो मैं नाम ले सकता हूं क्योंकि वे यहां पर बैठे हैं । वे हैं श्री शकरुल्ला खां । इनका अपना गांव है तिगांव । फिरोजपुर झिरका में एक जलसा था । वहां पर चौधरी सम्पत सिंह गए हुए थे । लोग वहां पर नगाड़े और ट्रैक्टर वगैरह लेकर गए हुए थे । मन्त्री महोदय भी अपने गांव तिगांव में गए हुए थे । लोग वहां जलसे में शामिल होने के लिए ट्रैक्टर वगैरह ले जा रहे थे । इन्होंने उन लोगों के ट्रैक्टर छीन लिए और अपने हाथ से थप्पड़ मारे । एक मन्त्री लोगों को थप्पड़ मारे, यह कहां तक ठीक है ? क्या मन्त्री अब पुलिस का काम करने लगे हैं ?

वक्फ राज्य मन्त्री (चौधरी शकरुल्ला खां) : आन ए प्वायंट आफ आर्डर, डिप्टी स्पीकर साहब, इसमें कोई खास बात नहीं है । फिरोजपुर झिरका में चौधरी सम्पत सिंह की मीटिंग हो रही थी । वहां लोग जा रहे थे । वह घाटी है । वहां बहुत बड़ी पहाड़ी है और पहाड़ में ट्रैक्टर और गाड़ी ठीक से नहीं गुजरती । वहां पर कोई ट्रैक्टर पैन्चर हो गया था । मैं उस वक्त गांव में था । अगर किसी का ट्रैक्टर पैन्चर हो जाए तो शकरुल्ला खां क्या करे । जब वह ट्रैक्टर खराब हो गया तो लोगों ने उसको हटा दिया । इनको पता ही नहीं कि वहां क्या हुआ । वहां एक ट्रैक्टर फंसा हुआ था और लोगों ने धक्का मार कर उसको निकाल दिया और वे उसे ले गए । इसलिए स्पीकर साहब, ये गलत बोल रहे हैं ।

प्रो० छतर सिंह चौहान : डिप्टी स्पीकर साहब, भूतपूर्व मन्त्री, चौधरी अजमत खां 17-1-94 को एस०पी० गुड़गांव को मिलने के लिए गए और बताया कि हमारा ट्रैक्टर पकड़ा गया और नगाड़े छीने गए हैं । उसके बाद उनका ट्रैक्टर तो वापिस कर दिया गया लेकिन नगाड़े अब तक वापिस नहीं हुए । डिप्टी स्पीकर साहब, बड़े दुःख की बात है कि जिस दिन चौधरी अजमत खां एस०पी० को मिलने के लिए गए उसी दिन उनका देहान्त हो गया । तो मैं मन्त्री जी को कहूंगा कि आप ऐसी बात न करें, आज तो आप सत्ता पक्ष में हैं और कल को आपने वहीं जा कर रहना है, जिनको आपने थप्पड़ मारे हैं और जिनके ट्रैक्टर और नगाड़े छीने हैं, वे आपको कभी माफ नहीं करेंगे । (विघ्न) उपाध्यक्ष महोदय, इसके अलावा हमारे यहां एक हरियाणा मिनरल्ज लि० है । जिला गुड़गांव में एक मह खान है । वहां से मन्त्री जी के भाई रशीद खां 50 ट्रक स्लेट के भर कर ले आए । इनके भाई का तिगांव में स्टोन कटिंग मशीन है । उनके खिलाफ आज तक कोई एफ०आई०आर० दर्ज नहीं

[प्रो० छतर सिंह चौहान]

हुई । मैं मुख्य मन्त्री जी से कहूंगा कि वे एक कमेटी बैठाएं जो इस बात की जांच करे कि वे 50 ट्रक स्टोन के कैसे ले गए ?

चौधरी शकरुल्ला खां : डिप्टी स्पीकर साहब, ये गल्त बोल रहे हैं । सर, यहां से सभी लोग पत्थर निकालते हैं क्योंकि उस जमीन पर किसी का हक नहीं है।

प्रो० छतर सिंह चौहान : डिप्टी स्पीकर साहब, 1986 में चौधरी बंसी लाल जी ने इन खानों का नेशनेलाइजेशन किया था और 1991 तक यह सिलसिला चलता रहा । इस गवर्नमैंट ने सितम्बर, 1991 में उस पालिसी को बदल दिया और ये सारी खानें प्राइवेट लोगों को देनी शुरु कर दी । आज कांग्रेस के मन्त्रियों और विधायकों के पास ये खानें हैं । ये खानें जिन जिन के पास है, मैं उनके नाम नहीं लूंगा, ये खुद ही समझ जाएंगे । कई खानें तो हमारे मुख्य मन्त्री के रिश्तेदारों के नाम से हैं । इसके इलावा, तीन कैबिनिट मिनिस्टर, दो स्टेट मिनिस्टर और दो एम0एल0एज0 के नाम भी हैं । इसके अलावा एक कैलाश चन्द आहूजा हैं, ओम प्रकाश हैं तथा प्रकाश चन्द सेठी है जिन्होंने कुछ खानें ले रखी हैं । एक एम0पी0 का लड़का नरेन्द्र है उसने भी खान ले रखी है । इसी तरह से श्री राम रत्न विधायक के लड़के राजेन्द्र सिंह ने भी ले रखी है ।

उद्योग मन्त्री (श्री लछमन दास अरोड़ा) : यह तो भारत सरकार ने दी हुई है ।

प्रो० छतर सिंह चौहान : उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से उद्योग मन्त्री और हरियाणा सरकार से निवेदन करूंगा कि वे एच0एम0एल0 का ठीक तरीके से प्रयोग करें । अगर आपने इन खानों को ठेके पर ही देना है तो पढ़े लिखे नौजवानों की सोसाइटी बना कर दें । आप किसी मन्त्री या उसके भाई भतीजे को ये ठेके न दें । (घंटी)

उपाध्यक्ष महोदय, अभी तो मैं बोलना शुरु भी नहीं हुआ और आपने घंटी बजा दी । इनकी तरफ से कई माननीय सदस्य बीच में बोल कर मेरा टाईम खराब कर रहे हैं । उपाध्यक्ष महोदय, राज्यपाल महोदय के अभिभाषण में कहा गया है कि हरियाणा सरकार इकोनामी की तरफ बड़ी जागरुक है । उपाध्यक्ष महोदय, इकोनामी करना इनके बस की बात नहीं है । अगर यह सरकार इकोनामी करती तो इतना बड़ा मन्त्रिमण्डल न होता और बोर्डज तथा कारपोरेशन्ज के इतने चेयरमैन न बनाए होते, उन चेयरमैनों की जगह आई0 ए0 एस0 अफिसर होते । उपाध्यक्ष महोदय, आजकल मुख्य मन्त्री जी स्वप्न ले रहे हैं कि वे अपने पुत्र को जिनका नाम मैं नहीं लेना चाहता, सी0एम0 बनाने के लिए हर डिस्ट्रिक्ट हैडक्वार्टर पर भेज रहे हैं । मैंने इस बारे में प्रिवैलिज कमेटी के सामने भी बात उठाई थी । (शोर)

पहले आप मेरी बात तो सुन लें । मैं आपको इकानामी के बारे में बात बता रहा हूं। आपको पता होना चाहिए कि इकानामी क्या चीज होती है । उपाध्यक्ष महोदय, मुख्य मन्त्री को यह पावर है कि वे अपने पुत्र को मंत्री बना दें लेकिन एक एम0एल0ए0 होने के नाते यदि वे डिस्ट्रिक्ट हैडक्वार्टर पर जाते हैं तो सारा डिस्ट्रिक्ट एडमिनिस्ट्रेशन ठप्प हो जाता है । मैंने यह बात भिवानी में हुई ग्रिवैंसिज कमेटी की मीटिंग में उठाई थी और उस मीटिंग में श्री ए0सी0 चौधरी थे । हमें इस बात का कोई दुःख नहीं होगा, आप अपने सपुत्र को मंत्री बना दें लेकिन एक एम0एल0ए0 के नाते से यदि वे किसी डिस्ट्रिक्ट हैडक्वार्टर पर जाते हैं तो उनके पास सारा डिस्ट्रिक्ट एडमिनिस्ट्रेशन इक्ट्ठा हो जाता है जिसके कारण सारे काम ठप्प हो जाते हैं । यह बात गल्त है। मैंने यह बात ग्रिवैंसिज कमेटी की मीटिंग में उठाई थी । उपाध्यक्ष महोदय, एस0 वाई0 एल0 कैनाल हरियाणा प्रदेश की जीवन रेखा है । मैंने इस अभिभाषण को बड़े ध्यान से पढ़ा है लेकिन इस अभिभाषण को पढ़ने के बाद बड़ा दुःख हुआ कि इसके अन्दर एस0वाई0एल0 कैनाल के बारे में एक भी शब्द नहीं कहा गया । इसके अन्दर एस0वाई0एल0 नहर के बारे में जिकर तक नहीं किया गया जबकि एस0वाई0एल0 कैनाल हरियाणा प्रदेश की जनता के लिए जीवनरेखा है । लीडर ऑफ दि हाउस कई दिन से यह कहते आ रहे हैं कि एस0 वाई0एल0 कैनाल एक साल में बन जाएगी लेकिन अब इनको किसी पंडित ने कह दिया कि आप 6 महीने का नाम ले दो अब इन्होंने कहना शुरू कर दिया कि 6 महीने में बन जाएगी । अब पता नहीं इनके 6 महीने कब से शुरू होंगे । (घंटी) उपाध्यक्ष महोदय, अभी तो मैंने बहुत सी बातें कहनी हैं इन्होंने बीच में बोल कर मेरा टाईम खराब कर दिया । उपाध्यक्ष महोदय, 21 फरवरी, 1991 को उस समय के प्रधान मन्त्री श्री चन्द्रशेखर ने यह निर्णय लिया था कि एस0 वाई0 एल0 कैनाल बी0आर0ओ0 से बनवा दी जाए । इस समय के मुख्य मन्त्री भी कहते रहे कि बी0आर0ओ0 के माध्यम से उस कैनाल का काम करवाएंगे लेकिन बड़े दुःख की बात है कि दो बजट सैशन हो चुके और तीसरा बजट श्री मांगेराम गुप्ता की अपनी अटैची में बन्द है। एस0वाई0एल0 कैनाल को बनाने के लिए एक भी पैसा नहीं रखा गया । यदि बजट में पैसे का प्रावधान नहीं किया जाता है तो यह नहर कैसे बन पाएगी । क्यों लोगों को गुमराह किया जा रहा है ? एक तरफ चीफ मिनिस्टर जी कहते हैं कि चण्डीगढ़ नहीं जाने देंगे । मैं इस बात की डिटेल में ना जा कर आपके माध्यम से सरकार तक एक बात पहुंचाना चाहता हूं कि अगर सरकार अपनी गद्दी बचाने के लिए लोगों को गुमराह करेगी और अपने आकाओं को खुश करने के लिए हरियाणा के हितों की तिलांजलि देगी तो हम उसको बर्दाश्त नहीं करेंगे । मैं और हमारी पार्टी हर कुर्बानी देने के लिए तैयार होंगे ।

श्री उपाध्यक्ष : चौहान साहब, आप बैठ जाएं, अब आपका समय समाप्त हो चुका है। (शोर)

प्रो0 छतर सिंह चौहान : डिप्टी स्पीकर साहब, हमारे जिले में नहरी पानी की काफी कमी है।

श्री उपाध्यक्ष : चौहान साहब आप बैठिए।

प्रो0 छतर सिंह चौहान : डिप्टी स्पीकर साहब, * * *

श्री उपाध्यक्ष : मेरी परमिशन के बगैर जो बोला जाए वह रिकार्ड न किया जाए।

श्री बंसी लाल : डिप्टी स्पीकर साहब, इन्होंने नहरों के बारे में बात करनी है और दूसरी बहुत इम्पोर्टेंट बातें कहनी हैं इसलिए इनकी बातों को रिकार्ड पर आने दें।

प्रो0 छतर सिंह चौहान : उपाध्यक्ष महोदय, हमारे जिले भिवानी में नहरों की बहुत बुरी हालत है। जब मुख्य मंत्री भिवानी जिले में जाते हैं तो कहते हैं कि चौधरी बंसी लाल ने कुछ नहीं किया और जब दूसरे जिलों में जाते हैं तो कहते हैं कि चौधरी बंसी लाल ने सारा पैसा भिवानी जिले में लगा दिया। इनकी अपनी ही भाषा में विरोधाभाष है। मैं आपके जरिए कहना चाहता हूं कि जो आयुमैंनटेशन कैनाल बनी थी, उनकी सफाई नहीं हो रही। पानी टेल तक नहीं जा रहा जिससे किसानों को अपनी फसल के लिए पानी नहीं मिल रहा। ये तो यहां पर ध्यान नहीं देते क्योंकि ये तो राजस्थान में, एटैची लेकर सरकार बनाने के लिए पहुंच जाते हैं। दूसरी सरकारों को बनाने/तोड़ने का काम भारत की सरकार ने इनको दे रखा है। श्री ए0सी0चौधरी जी मंत्री हैं, ये बिना पावर के मंत्री हैं। हमारी सारी नहरें सिल्ट से भरी पड़ी हैं। एक पैसा भी इन नहरों की सफाई के लिए खर्च नहीं हो रहा। इस प्रकार का अपेक्षापूर्ण व्यवहार इनको हमारे साथ नहीं करना चाहिए और न ही इनको शोभा देता है। श्री ए0सी0 चौधरी कहते हैं कि मैं तो खान हूं, पठान हूं। मैं इनसे कहता हूं कि आप कुछ भी हों लेकिन हमें आप पानी दे दें ताकि हमारी नहरों के छोर तक पानी पहुंच जाए। पीने के पानी के बारे में कंवर राम पाल सिंह जी कहते हैं कि हम पीने का पानी 110 लीटर दे रहे हैं जबकि हम यह कह रहे हैं कि आप 110 तो क्या, हमें 20 लीटर ही दे देंगे तो वही काफी है। आज हमारे यहां पर पीने के पानी की काफी समस्या है। मैं सरकार से निवेदन करना चाहता हूं कि अब गर्मी का मौसम आने वाला है। भिवानी जिले में पीने के पानी की समस्या पिछले साल भी थी इस साल भी है इसलिए आपसे अनुरोध है कि आने वाले गर्मी के मौसम में इस समस्या को दूर करने के लिए आवश्यक कदम उठाए ताकि लोगों को पानी मिल सके। हमारे वहां पर जो वाटर टैक्स हैं, उनकी छटाई भी काफी दिनों से नहीं हुई है। हमारे भिवानी जिले में टैंकों की सफाई न होने की वजह से लोगों को पीलिया हो गया है। इनको फिगर्ज का तो पता नहीं होगा लेकिन ये रजिस्टर से पता लगा सकते हैं कि कितने लोगों को

*Not recorded as ordered by the chair.

वहां पर पीलिया हुआ है। श्री ए0 सी0 चौधरी जब वहां पर मीटिंग में गए थे तो उस समय इनको 86 की फिगर्ज बताई थी, जबकि मैं इनको बताना चाहता हूं कि यह फिगर्ज 86 नहीं है बल्कि 886 है। पानी मैला व गन्दा होने की वजह से ही लोगों को पीलिया होता है। वाटर टैंक का जो फिल्टर मीडिया है वह दो फुट है, 9 फुट होना चाहिए जबकि हमारे वहां सिर्फ 3 फुट का भी नहीं है। इसी वजह से लोगों को पीलिये की शिकायत है। (विघ्न) चौधरी साहब, आप हरियाणा सरकार के नुमायन्दे के रूप में वहां पर आते हैं। भिवानी जिले के साथ पिछले अढ़ाई साल से सौतेला व्यवहार हो रहा है। (घन्टी)

श्री उपाध्यक्ष : चौहान साहब, आप बैठिए। आपको बोलते हुए आधा घंटा हो चुका है। अब श्री मनी राम खेहरवाला जी बोलेंगे।

प्रो0 छतर सिंह चौहान : डिप्टी स्पीकर साहब, मैं आपसे प्रार्थना करूंगा कि मुझे अभी काफी कुछ कहना है इसलिए मुझे थोड़ा समय बोलने के लिए और देने की कृपा करें।

श्री उपाध्यक्ष : चौहान साहब, आपको बोलते हुए काफी समय हो गया है इसलिए अब आप बैठिए। अगर आपने कुछ और बात कहनी है तो वह आप बजट के समय कह लेना। (विघ्न) आप अपनी स्पीच केवल एक मिनट में खत्म करें।

प्रो0 छतर सिंह चौहान : डिप्टी स्पीकर साहब, हमारी नहरों में हफ्ते के 7 दिनों में से केवल 3 दिन पानी चलता है। मैं आपके माध्यम से माननीय इरीगेशन मिनिस्टर से कहूंगा कि वे हमारी नहरों में पूरा पानी दें ताकि हमारे इलाके का किसान अपनी जमीन की सिंचाई वक्त पर कर सके। इसके साथ ही डिप्टी स्पीकर साहब, बिजली की हालत बहुत बुरी है और लोगों को पूरी बिजली नहीं मिल रही है। सरकार इस बारे में भी ध्यान दे।

श्री उपाध्यक्ष : छतर सिंह जी, आप अब बैठें। आपको बोलते हुए काफी समय हो गया है। (विघ्न)

प्रो0 छतर सिंह चौहान : डिप्टी स्पीकर साहब, मैं अपनी बात को कन्क्लूड ही कर रहा हूं, मुझे थोड़ा समय अपनी बात को पूरी करने के लिए दीजिए। उपाध्यक्ष महोदय, जहां तक दक्षिणी हरियाणा का ताल्लुक है, इस हल्के के साथ अन्याय हो रहा है। हमारे हिस्से का पानी काट कर सिरसा और हिसार जिलों को दिया जा रहा है। जो हमारे जिले के हिस्से का पानी है, वह हमें मिलना चाहिए। इस सरकार को किसी भी जिले के साथ भेदभाव नहीं रखना चाहिए। हमारी नहरों में पानी चलना चाहिए। उपाध्यक्ष महोदय, सिरसा और हिसार के लोग भी हमारे भाई हैं हमें उनसे गिला या शिकायत नहीं है परन्तु सरकार को पानी का सही बंटवारा करना चाहिए। डिप्टी स्पीकर साहब, जब तक ये घर का बंटवारा सही नहीं करेंगे, तब तक सब को न्याय कैसे

[प्रो0 छतर सिंह चौहान]

दे सकेंगे ? सरकार को चाहिए कि महीने में 15 दिन पानी हमें दें। अगर हमें 15 दिन पानी मिल जाता है तो उससे हमारा किसान अपनी खेती की पैदावार को बढ़ा सकेगा। गरीब मजदूर खेतीहर मजदूर का भला होगा। श्री ओ0पी0 चौधरी जी यहां पर बैठे हुए हैं, मैं उनसे निवेदन करना चाहूंगा कि हमारे इलाके में बिजली की सप्लाई पूरी दी जाए। श्री ओ0पी0 चौधरी जी कहते हैं कि 16 घण्टे बिजली दी जा रही है लेकिन असल में ऐसा नहीं है। बहन चन्द्रावती जी भी बैठी हुई हैं, इनके हल्के लोहारु में भी बिजली की हालत बहुत बुरी है। इनको साथ लेकर श्री ओ0पी0 चौधरी हमारे इलाके में चलें, अगर किसान यह कह दें कि उन्हें 8 घण्टे भी बिजली मिल रही है तो मैं खुद को कसूरवार मानूंगा, नहीं तो ये दोषी हैं। डिप्टी स्पीकर साहब, इनको भेदभाव का रवैया छोड़ देना चाहिए। इन शब्दों के साथ मैं एक बार फिर निवेदन करना चाहूंगा कि भिवानी जिले में सड़कों की मुरम्मत की ओर विशेष ध्यान दिया जाए, नहरी पानी के बंटवारे में कोई भेदभाव न किया जाए, बिजली किसान को पूरी दी जाए। डिप्टी स्पीकर साहब, इन शब्दों के साथ मैं आपका धन्यवाद करते हुए अपना स्थान ग्रहण करता हूं।

श्री मनी राम केहरवाला (एलनाबाद–अनुसूचित जाति) : उपाध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बोलने का समय दिया, उसके लिए मैं आपका धन्यवाद करता हूं। इस हरियाणा ने बहुत ही बुरे दिन देखे हैं। लेकिन जो गांधी जी की, गौतम जी की सोच थी, इन 27 सालों के अर्से में वैसे ही बनने की कोशिश की है और उसी लाईन पर आज हरियाणा चल रहा है। मुझे बड़े ही अफसोस के साथ कहना पड़ता है कि कुछ लोग अखबारों में प्रजातन्त्र की बात करते हैं, लोकतन्त्र की बात करते हैं। जब ये बातें अखबारों में छपती हैं और जब ये अखबारें वकीलों के पास, व्यापारियों के पास, स्टूडेन्ट्स के पास जाती हैं तो वे हंसते हैं। उपाध्यक्ष महोदय, वे यह भी अखबारों में कहते हैं कि नाजायज कब्जे नहीं होने देंगे, लोकतन्त्र पर कब्जा नहीं होने देंगे। इस खबर के नीचे नाम श्रीम प्रकाश चौटाला का लिखा जाता है। लोग खबर पढ़ने के बाद हंसते हैं कि यह बात कौन बोल रहा है।

दूसरे उपाध्यक्ष महोदय, ये लोग हमें शिक्षा देते हैं। मैं तो यह कहता हूं कि आज हरियाणा के लोगों को सब कुछ समझ आ गया है। हमारे महामहिम गवर्नर महोदय तीन बार इस हाउस में अभिभाषण देने आए, और ये लोग वाक आउट कर गए और अब ये हमें शिक्षा देने की बात करते हैं ? हमारे महामहिम राज्यपाल महोदय ने हरियाणा के प्रजातन्त्र को सही लाइन पर खड़ा कर दिया। मैं तो यह कहता हूं कि बात सिर्फ इतनी थी कि इन लोगों को अपनी मन मर्जी नहीं करने दी गई। हमारे गवर्नर साहब ने देश को मजबूत करने का काम किया है। आज कुछ विदेशी ताकतें, हमारी दुश्मन हैं, वे नहीं चाहते कि भारत मजबूत हो। इसलिए हमारे महामहिम ने उनके विरोध में हमारे सदन में प्रस्ताव पेश किया। उसके लिए मैं धन्यवाद करता हूं।

उपाध्यक्ष महोदय, आईटम चाहे कुछ भी हो, हमारे महकमों की तरक्की की जो बात हो, हरियाणा की तरक्की की तरफ ले जाने की जो बात हो, उस का इस अभिभाषण में जिक्र आया है।

बिजली के बारे में आप ही अन्दाजा लगाएं, हिसार में 1000 मैगावाट, फरीदाबाद में 820 मैगावाट, जमुना नगर में 840 मैगावाट के प्रोजैक्टस का प्रपोजल है। अब हरियाणा के अन्दर बिजली का संकट नहीं रहेगा। इन लोगों की सरकार दो बार 1977 में तथा 1987 में आई थी और इन्होंने डक्का भी नहीं तोड़ा था। यहां तक कि एक बिजली घर भी नहीं लगाया। जब भी कांग्रेस की सरकार आई और चौधरी भजन लाल जी मुख्य मंत्री बने, तो इनके दिमाग में यही बात रहती है कि कैसे हरियाणा को तरक्की पर ले जाया जाए। जब भी मुख्य मंत्री बनकर चौधरी भजन लाल जी आते हैं तो दो चार थर्मल प्लांट या बिजली के बड़े सब-स्टेशन या बड़े पावर हाउसिज बनाते हैं। इनके दिमाग में हमेशा यही बात रहती है कि प्रदेश की तरक्की किस तरह से की जाए। मुख्य मन्त्री जी कभी भी इनकी तरह से यह नहीं सोचते हैं कि ढाई साल के बाद जनता क्या फैसला देगी। भजन लाल जी के दिमाग में हमेशा एक ही बात रहती है कि हरियाणा के हर एक आदमी को, चाहे वह हरिजन भाई हो, चाहे वह बैकवर्ड क्लास का हो या कोई भी हो, को आगे ले जाना है, हरियाणा को विकास के मार्ग पर ले जाना है। उपाध्यक्ष महोदय, बदकिस्मती की बात तो यह है कि जैसे ही कांग्रेस का राज आता है, ये लोग कहने लगते हैं कि थर्मल प्लांट लगाओ, एस0वाई0एल0 बनाओ। उपाध्यक्ष महोदय, फल तो ये खा जाते हैं जबकि पौधा कांग्रेस लगाती है। सर, बागड़ी भाषा में एक कहावत है कि यह तो बटाऊ चारे के लिए आते हैं और खुर्दबुर्द करके चले जाते हैं। इस तरह की नीयत इनकी रहती है। इस तरह का इनका सिस्टम है। लेकिन आगे से इनको कोई भी पसन्द नहीं करेगा, कोई भी इनको नजदीक नहीं लगायेगा (विघ्न) क्योंकि इन्होंने गांधी जी की दिखाई हुई लोकतन्त्र की ताकत को ललकारा है। गांधी जी ने लोकतन्त्र को हर एक वर्ग के घर घर जाकर मजबूत किया था और वही लोकतन्त्र की ताकत उन्होंने लोगों को दी थी। लेकिन इन लोगों ने उस ताकत को छीनने की कोशिश की, इसलिये हरियाणा की जनता इनको बर्दाश्त नहीं करेगी। इनको हरियाणा की जनता जान गयी है इसलिये अबकी बार तो ये लोग 17 चुनकर आ भी गए हैं लेकिन अगली बार ये दो चार ही चुनकर आएंगे। (विघ्न) उपाध्यक्ष महोदय, ये कभी तो एस0 वाई0 एल0 की बात करते हैं कभी अबोहर और फाजिल्का की बात करते हैं तथा कभी चंडीगढ़ की बात करते हैं लेकिन मैं यह बात चैलेन्ज के साथ कहता हूं कि चौधरी भजनलाल ही एस0 वाई0 एल0 को बनवाएंगे, चौधरी भजनलाल ही अबोहर व फाजिल्का को हरियाणा को दिलवाएंगे और चौधरी भजनलाल ही अन्य विकास के काम करेंगे। (विघ्न) उपाध्यक्ष महोदय, ये 1977 और 1987 में दो बार चुनकर आए और सरकार बनायी।

श्री रमेश कुमार : उपाध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है । सर, अभी चौधरी मनीराम जी कह रहे थे कि इस बार सजपा के 17 विधायक चुनकर आए हैं तथा अगली बार इनमें से एक भी चुनकर नहीं आएगा । मैं यह कहना चाहता हूं कि इस हाउस में इनके जितने भी आदमी हैं, वे सब इस्तीफा देकर इलैक्शन लड़कर देख लें, तब पब्लिक बता देगी कि 17 विधायकों की जगह पर हमारे 68 विधायक चुनकर आएंगे या फिर इनके आदमी चुनकर आएंगे खासतौर से मनीराम जी जरुर इस्तीफा देकर इलैक्शन लड़कर देख लें ।

श्री मनी राम केहरवाला : उपाध्यक्ष महोदय, चाहे एस0 वाई0 एल0 की बात हो चाहे अबोहर व फाजिल्का की बात हो और चाहे चंडीगढ़ की बात हो, इनकी सरकार 1977 में बनी थी और पंजाब में प्रकाश सिंह बादल थे जिनसे किसी ने एक बार यह कहा था कि चौधरी साहब, बारिश चाहिए, तो वे कहने लगे कि बादल को दरख्वास्त दे दो बारिश आ जाएगी । उपाध्यक्ष महोदय, जो आदमी ऐसी बातें कहे कि पानी के लिए बादल को दरख्वास्त दे दो तो ऐसे आदमी को पंजाब का मुख्य मन्त्री बना दिया । (विघ्न) उपाध्यक्ष महोदय, 1977 से लेकर 1980 तक इन्होंने इस बारे में कोई बात नहीं की । अबोहर फाजिल्का की कोई बात नहीं की । चंडीगढ़ की कोई बात नहीं की (शोर एवं व्यवधान) आज मैं हाउस के अन्दर बधाई देना चाहूंगा आदरणीय मुख्य मन्त्री जी को । मैं आपको बता देना चाहूंगा कि रिजोल्यूशन लाने वाले अबोहर-फाजिल्का को पाने के लिये .....
(शोर एवं व्यवधान)

श्री राम कुमार कटवाल : उपाध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है । माननीय सदस्य ने बोलते हुए कहा कि उस समय की सरकार ने पानी की कोई बात नहीं की । मौजदा चीफ मिनिस्टर चौधरी भजन लाल और पूर्व मुख्य मन्त्री श्री बंसी लाल ने माना है कि न मेरे टाईम में कोई काम हुआ और न तुम्हारे टाईम में कोई काम हुआ । काम हुआ है तो सिर्फ चौधरी देवी लाल के जमाने में हुआ है । (विघ्न)

श्री मनी राम केहरवाला : उपाध्यक्ष महोदय, जो लोग यह बात दिमाग में रखते हैं कि रैजोल्यूशन ले आओ अबोहर-फाजिल्का मिले न मिले, चंडीगढ़ मिले न मिले, पानी आए न आए . . . . . (शोर एवं व्यवधान)

श्री धीरपाल सिंह : उपाध्यक्ष महोदय, मेरी आपसे गुजारिश है कि हमने एस. वाई. एल. और अबोहर फाजिल्का के प्रस्ताव पर ट्रेजरी बैंचिज के साथियों से रैजोल्यूशन लाने के लिये खुले मन से बात कही थी । यह पूरे प्रदेश के हित की बात है, यदि इसका श्रेय मुख्य मन्त्री जी लेना चाहते हैं तो लें, लेकिन उसके बावजूद किसी के पेट में दर्द हो और वह प्रदेश के हित की बात को घुमा-फिराकर कहीं और ले जाए तो इससे प्रदेश का अहित होता है । हम तो मुख्य मन्त्री जी को

समर्थन देने की बात कह रहे थे, अगर उस प्रस्ताव से सरकार भागती है तो यह भी लोग देखेंगे कि कौन इस प्रदेश का हित चाहता है ?

श्री उपाध्यक्ष : धीरपाल जी, जो रिजोल्यूशन की बात आपने कही है, वो इस समय एजेन्डा पेपर पर नहीं है ।

श्री मनी राम कहरवाला : उपाध्यक्ष महोदय, मैं एस0वाई0एल0 और अबोहर-फाजिल्का के बारे में सिर्फ इतना ही कहना चाहूंगा कि अगर कोई हरियाणा के अन्दर इसको लेकर आ सकता है, कोई पार्टी इस काम को सिरे चढ़ा सकती है तो वह कांग्रेस पार्टी ही सिरे चढ़ा सकती है, चौधरी भजन लाल ही उसको ले कर आ सकते हैं क्योंकि यह एक ऐसी शख्सियत है जिसकी नीयत साफ है इन लोगों को जब राज मिल जाता है तो ये एस0 वाई0 एल0 का नाम भी जबान पर नहीं लाते और जुलूस की शक्ल में राजस्थान, पंजाब, हरियाणा, दिल्ली और यू0 पी0 में घूमते हैं और कहते हैं कि बादल जी, आओ चलो घूम आएं । इनसे विकास का काम नहीं होता (घंटी) उपाध्यक्ष महोदय, आज हरियाणा प्रगति की तरफ चल रहा है । हमारे मुख्य मन्त्री जी विदेश गए थे इन लोगों ने कितनी बे-बुनियाद बातें करनी शुरू की थीं कि अपना इलाज कराने गए हैं, अपना ये कराने गए हैं लेकिन मुख्य मन्त्री जी ने 5–6 कंट्रीज के फौरेन इन्वेस्टर्ज को तैयार करके एक ऐसा सिस्टम हरियाणा के अन्दर बना दिया, यहां के विकास के लिये, तरक्की के लिए इन्होंने ऐसा किया कि हरियाणा के बेरोजगार नौजवान ही इस काम में लगेंगे । यह एक बहुत ही बड़ी बात है और इसके लिये मुख्य मन्त्री जी बधाई के पात्र हैं ।

उपाध्यक्ष महोदय, आपने देखा होगा, दिल्ली से चंडीगढ़ जायें तो उस सड़क पर फोरलेनिंग का काम करने के बारे में अढ़ाई साल पहले बात हो रही थी । उसका जो ठेकेदार था जो फोरलेनिंग का काम करने के लिये तय हुआ था, उस आदमी से कमीशन लेने के लिये उसको काम नहीं करने दिया गया । उससे ये लोग कमीशन लेना चाहते थे, पैसा लेना चाहते थे । इन्होंने कहा कि इतना पैसा दो, फिर यहां पर काम कर सकते हो लेकिन इस सरकार के मुख्य मन्त्री जी के होते हुए पैसे की कोई बात नहीं है । इन्होंने उस ठेकेदार को यह कहा कि आप इसे बनाओ ताकि हरियाणा की तरक्की हो । इसके लिये इस पर दिन रात काम चल रहा है । आप इस बात से अन्दाजा लगायें कि इसमें कोई ऐसी बात नहीं है क्योंकि यहां पर दिन रात बड़ी तेजी से काम चल रहा है । इन लोगों ने सिर्फ कमीशन लेने के लिये यह काम रोक रखा था । इसी तरह से नहरों की या इरीगेशन की बात है । कभी तो कुछ कहते हैं और कभी कुछ कहते हैं । चौधरी बंसी लाल या चौधरी ओम प्रकाश चौटाला भी इस बारे में बात कहते हैं । मैं केवल एक सवाल पूछना चाहता हूं, हम लोग तो पहली बार बनकर आये हैं, लेकिन यहां पर आप लोग तो काफी समय से हो । आप भी तो पंजाब की कोआप्रेशन से कोई ठीक सिस्टम बना सकते

[श्री मनी राम केहरवाला]

थे। हरियाणा में चौधरी भजन लाल के मुख्य मन्त्री आने से पहले कितने ही मुख्य मन्त्री रहे हैं, लेकिन कभी किसी ने पानी के इस मसले को टच नहीं किया। यह बात ठीक है कि दक्षिणी हरियाणा भी हमारा अपना इलाका है, ये हमारे अपने भाई हैं। हमारे मुख्य मन्त्री जी कहते हैं कि इसी लिये तो मैं एस0 वाई0 एल0 का पानी जल्दी लाना चाहता हूं ताकि दक्षिणी हरियाणा के लोगों को भी पूरा पानी मिल सके। न तो दक्षिणी हरियाणा के लोगों से इन्होंने कुछ लेना है, न ही उत्तरी हरियाणा के लोगों से इन्होंने कुछ लेना है और न ही सिरसा और हिसार के लोगों से इन्होंने कुछ लेना है। इन्होंने तो अखाड़ा खड़ा करना है, इसके अलावा और कोई काम नहीं है। मैं नहरी महकमे के मन्त्री और मुख्य मन्त्री महोदय को इस बात के लिये बधाई देना चाहता हूं कि इन्होंने 800 करोड़ रुपया वर्ल्ड बैंक से लेने का इन्तजाम किया है। चाहे नहरों की बात हो, चाहे खालों की बात हो और चाहे टेल ऐन्ड तक पानी पहुंचाने की बात हो, अब सरकार इस बात के लिये पूरी कोशिश करेगी ताकि हरियाणा के किसान का भला हो सके। इसके अतिरिक्त मैं इन्हें एक और बात के लिये बधाई देना चाहता हूं। एजुकेशन के मामले में सरकार ने 5 साल में 500 स्कूल अपग्रेड करने का प्रावधान किया है। इस हिसाब से हरेक साल में 100 स्कूल अपग्रेड होंगे। उपाध्यक्ष महोदय, आप भली भान्ति जानते हैं। मैं तो इस बारे में यह अर्ज करूंगा कि 100 की बजाये कम से कम 200 स्कूल हरेक साल अपग्रेड करने चाहिएं। इस मामले में हमारे क्षेत्र की तरह कई क्षेत्र पिछड़े हुए हैं। इसलिये जितना भी हम शिक्षा के विस्तार के मामले में कर सकें, करना चाहिए। टैक्नीकल एजुकेशन के मामले में भी हम जितना कर सकें, उतना करना चाहिये। इससे हरियाणा में एजुकेशन का बेस बढ़ेगा। हरियाणा में एजुकेशन के मामले में और टैक्नीकल एजुकेशन के मामले में बहुत से लोगों की स्थिति पढ़ने लायक नहीं है। गरीब लोगों की मदद करने के लिये सरकार ने लड़कियों को जो मुफ्त शिक्षा देने का एलान किया है, वह एक अच्छा कदम है। मैं इसके लिये अपने शिक्षा मंत्री, टैक्नीकल एजुकेशन मन्त्री और मुख्य मन्त्री महोदय को बधाई देना चाहता हूं जिन्होंने बी0ए0 पास और एम0ए0 पास नौजवानों को फ्री टैक्नीकल एजुकेशन देने के मामले में एलान किया है। इसके लिये मैं इनको बधाई देना चाहता हूं। इसके अलावा स्कूलों के मामले में 100 की बजाये 200 स्कूलों का प्रावधान होना चाहिये। इसमें भी कुछ लड़कियों के स्कूलों को अपग्रेड करने का प्रावधान जरूर होना चाहिये। इसमें सुधार करने की जरूरत है। उपाध्यक्ष महोदय, एक बात मैं और अर्ज करना चाहता हूं कि सामाजिक परिवेश में एक बात बहुत ही जरूरी है। तीन-तीन मरले के प्लाट्स 30—35 साल पहले दिये गये थे। मैं मुख्य मन्त्री जी से नम्र निवेदन करना चाहता हूं कि ये प्लाट्स हरिजनों को और भूमिहीनों को कम से कम दो साल पहले की जरूरत के आधार पर दिलवा दें। जो पहले प्लाट्स दिये गये थे,

वह सन् 1956 में दिये गये थे । उन लोगों के परिवार भी बढ़े हैं। अब उनको प्लाट्स की जरूरत है । मेरा कहना यह है कि सारे हरियाणा में सर्वे कराकर इन गरीब लोगों को प्लाट्स दिये जायें ताकि यह भी झोंपड़ी की जगह या मकान की जगह ले सकें और रहने लायक कुछ बना सकें। एक बात हरिजन धर्मशालाओं के बारे में कहना चाहूंगा, यह बहुत जरूरी है ।

श्री उपाध्यक्ष : केहरवाला जी, आप अब कन्कल्यूड करें ।

श्री मनी राम केहरवाला : ठीक है जी, हरिजन चौपालों का जहां तक ताल्लुक है, यह हरेक गांव में है । यह तो सांझी जगह बनी हुई है । चाहे किसी की बारात हो या कोई मीटिंग की बात हो या किसी प्रकार की बैठक करने की बात हो, इन चौपालों को इस्तेमाल किया जाता है । उपाध्यक्ष महोदय, हरिजन चौपालों का प्रावधान इस साल बजट में भी किया जा सकता है ताकि लोगों को यह महसूस हो कि उनका अपना राज है । हरियाणा के हरिजन को और हरियाणा के गरीब आदमी को यह महसूस हो कि हरियाणा में जो चौधरी भजन लाल का राज है, वह उसका अपना राज है और चौधरी भजन लाल के राज में गरीब आदमी को कोई तकलीफ नहीं होगी । उपाध्यक्ष महोदय, चौधरी भजन लाल के राज में एक ही वर्ग को तकलीफ है और वह वर्ग न जाट है, न ब्राह्मण है, न बनिया है और न हरिजन या बैकवर्ड क्लास के लोग हैं । बल्कि तकलीफ गुण्डागर्दी करने वाले वर्ग को है । उपाध्यक्ष महोदय, उनको यही तकलीफ है कि वे इस राज में गुण्डा-गर्दी नहीं कर सकते । वे किसी को भजन लाल के राज में तंग नहीं कर सकते । आज हालत यह है कि हरियाणा के किसी गरीब पर, किसी मजदूर पर, किसी हरिजन पर और किसी स्त्री पर और सड़क पर चलने वाले किसी भी आदमी पर कोई गुण्डा हाथ नहीं डाल सकता। इन लोगों को यही तकलीफ है कि अब वे कोई गुण्डागर्दी नहीं कर पा रहे हैं। उपाध्यक्ष महोदय, चौधरी भजन लाल तो भगवान कृष्ण का रूप हैं। जब वे गर्म होते हैं तो इनको कोई रोक नहीं सकता । जब इनका चक्र चलता है तो दुश्मन छोड़ कर भाग जाता है । उपाध्यक्ष महोदय, इन शब्दों के साथ मैं समाप्त करता हूं । (शोर एवं व्यवधान)। उपाध्यक्ष महोदय, हरियाणा के गुण्डा लोगों को यह पता होना चाहिये कि यह राज शरीफ लोगों का है और भले लोगों का है और अब गुण्डागर्दी की कोई बात चलने वाली नहीं है । इतनी बात कहकर मैं आपसे इजाजत चाहता हूं।

प्रो० राम बिलास शर्मा (महेन्द्रगढ़) : उपाध्यक्ष महोदय, आपको बहुत धन्यवाद । मैं आपके द्वारा माननीय सदस्यों से प्रार्थना करूंगा कि मुझे बीच में कोई न टोके । (शोर एवं व्यवधान)। उपाध्यक्ष महोदय, मुश्किल से तो मुख्य मन्त्री जी का समझौता कराया है और फिर मुझे छेड़ रहे हैं। बड़ी मुश्किल से मामला सुलझा है। उपाध्यक्ष महोदय, राज्यपाल महोदय ने इस सदन में अभिभाषण पढ़ा और चौधरी हरि सिंह नलवा ने उसके समर्थन में उनके धन्यवाद के लिये एक प्रस्ताव मूव किया ।

[प्रो0 राम बिलास शर्मा]

राज्यपाल महोदय ने बड़ा ठीक कहा कि मैं संसद को बधाई देता हूं कि उन्होंने काश्मीर में पाकिस्तान की गतिविधियों के विरुद्ध सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित किया। उपाध्यक्ष महोदय, भारत की महान संसद ने एक अच्छी परम्परा डाली है। इसमें भारतीय जनता पार्टी का योगदान अहम है। उसी तरह के एक प्रस्ताव का हम मुख्य मन्त्री जी से प्रार्थना कर रहे हैं। गवर्नर साहब, अगर इसमें यह जोड़ देते तो it would be graceful and it would be more truthful कि आज जो काश्मीर की स्थिति है, उसके लिये कांग्रेस की जो सरकारें हैं वही जिम्मेदार हैं और उसमें यह भी जोड़ देते कि 1952 में जो भारत के इंडस्ट्रीज मिनिस्टर रहे डा0 श्यामा प्रसाद मुकर्जी को कुर्बान होने से बचा लिया होता अगर आर्टिकल 370 को हटाने की बात उनकी मान ली होती, आर्टिकल 370 को उसी समय खत्म कर दिया होता, तो काश्मीर के अढ़ाई लाख परिवार आज नर्क की जिन्दगी न बिताते। उपाध्यक्ष महोदय, अगर यह जोड़ दिया जाता है आज पाकिस्तान जो उछल कूद रहा है और बेनजीर आखों में कालस डाल कर हिन्दुस्तान को धमका रही है यह न होता। यदि पाकिस्तान की पीठ पर अमरीका नहीं होता तो वह ऐसा नहीं कर सकता था। इसमें यह जोड़ दिया जाता कि डंकल प्रस्ताव अमरीका का प्रैशर टैकटिस है। परन्तु कांग्रेस की सरकार और दिल्ली की सरकार डरती है। आज काश्मीर में मानव अधिकारों की बात चल रही है। जब काश्मीर से एक तबके की बहिनों की आंखों पर पाकिस्तान जिन्दाबाद के नारे लिख कर दिल्ली में भेज दिया गया था, तब अमरीका को मानव अधिकारों की याद नहीं आई। राज्यपाल महोदय के अभिभाषण में यदि ये शब्द भी आते तो और अच्छा होता। उपाध्यक्ष महोदय, हरियाणा में पिछले दिनों बिजली की जो स्थिति रही उसके बारे में आप भी जानते हैं। आप भी एक चुनाव क्षेत्र से संबंधित हैं। आपके हल्के में शहरी इलाका ज्यादा है और गांव कम है लेकिन मेरे हल्के में गांव ज्यादा हैं। हमारे यहां पूरे 6 महीने तक बिजली का अकाल रहा। किसान ऐड़ी रगड़ कर आंसू बहाते रहे। जिस इलाके से हम आते हैं वहां पीने का पानी बिजली पर आधारित है। पशुओं को भी बिजली चलने पर पीने के लिये पानी मिलता है। वहां पर बिजली की क्या हालत रही है उस बारे में मैं बताना चाहता हूं। हमारे इस सदन के माननीय मन्त्री सब बंसी सिंह जी मेरे हल्के नांगल सिरोही गांव में गए थे। इनको किसानों ने घेर कर इनके सामने अपनी तकलीफें रखीं। इनको वहां पर मानना पड़ा था कि हमारी मजबूरी है और हम फेल हो गए हैं। बिजली नहीं है इसलिये मैं नहीं दिला सकता। तब जा कर ये वहां से निकल सके। मेरे हल्के के लोग सीधे सादे हैं। आज उनके पशु प्यासे मर रहे हैं और उनके खेत में पानी नहीं है और न ही उनके घरों में रोशनी है। उपाध्यक्ष महोदय, जहां तक किसानों के बिजली के बिलों का संबंध है वे कहीं पर तो सौ रुपए बढ़ गए हैं। कहीं पर डेढ़ सौ रुपए

बढ़ गए हैं । पिछले साल बिजली के जो दाम बढ़े वे ट्यूबवल्ज के ऊपर भी बढ़, गांव में घरेलू खप्त पर भी बढ़े, शहरों में खप्त पर भी बढ़े और इंडस्ट्रियल सैक्टर पर भी रेट बढ़े। बिजली के दाम एक बार नहीं बढ़े, दो बार नहीं बढ़े बल्कि पिछले साल चार बार बिजली के दाम बढ़े। डिप्टी स्पीकर साहब, हरियाणा में बिजली हिन्दुस्तान में सब से ज्यादा महंगी है और फिर भी इसका भरोसा नहीं है कि बिजली आएगी या नहीं । अब लोग कहते है कि भजन लाल जी ने एन0 आर0 आई0 से समझौता किया है कि आप लालटेन का बिजनैस शुरू कर दें क्योंकि बिजली का तो कोई भरोसा नहीं है इसलिये लोग लालटेन तो जला लेंगे । उपाध्यक्ष महोदय, लालटेन फिर से आ गई और लोग चिमनी पर फिर से आ गए हैं । उपाध्यक्ष महोदय, दो समय की तो गारन्टी है कि उस समय हरियाणा में बिजली नहीं मिलती । एक तो जिस समय खाना खाते हैं और दूसरे जब राम लीला के दिन होते हैं । उस समय बिजली जरूर जाती है । आज जो बिजली के दाम बढ़े हैं वे इतने हाई पहुंच गए है कि इनको रोकने का सरकार के पास कोई तरीका नहीं है। इनको ये दाम नहीं बढ़ाने चाहिएं थे क्योंकि सथन आने वाला था और अगर बढ़ाने ही थे तो हाउस की सहमति से बढ़ाते ताकि इस मुद्दे पर चर्चा भी हो जाती। डिप्टी स्पीकर साहब, श्री ए0 सी0 चौधरी मेरे जिले में गए थे और वहां ये छोटे छोटे स्थानों पर भी गए थे .....

बैठक का समय बढ़ाना

श्री उपाध्यक्ष : अगर हाउस की सहमति हो तो बैठक का समय बढ़ा दिया जाए ?

सिंचाई मन्त्री (श्री जगदीश नेहरा) : डिप्टी स्पीकर साहब, अब 1.30 बजे गया है आप माननीय सदस्य को बोलने के लिये कल समय दे देना।

प्रो0 राम बिलास शर्मा : डिप्टी स्पीकर साहब, कल तो नान ओफिशियल डे है, इसलिये मुझे बोलने के लिये आज ही समय दे दें।

श्री उपाध्यक्ष : शर्मा जी, आप कितना समय और लेंगे ।

प्रो0 राम बिलास शर्मा : डिप्टी स्पीकर साहब, मैं 20 मिनट और लूंगा ।

मुख्य मन्त्री (चौधरी भजन लाल) : उपाध्यक्ष महोदय, कल तो नान ओफिशियल डे है इसलिये शर्मा जी को बोलने के लिये आज ही समय दे दें और हाउस का समय 5 मिनट के लिए बढ़ा दें।

आवाजें : ठीक है जी, हाउस का टाईम 5 मिनट बढ़ा दिया जाए।

श्री उपाध्यक्ष : ठीक है, हाउस का टाईम 5 मिनट बढ़ाया जाता है ।

राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर चर्चा (पुनरारम्भ)

प्रो० राम बिलास शर्मा : उपाध्यक्ष महोदय, 28 अगस्त, 1991 को भूत माजरा गांव के गरीब किसान की दो लड़कियां लापता हो गई । (शोर) उन लड़कियों की 17 साल और 19 साल उमर थी । उनमें से एक लड़की की लाश 31 अगस्त को मिल गई । दूसरी कुसुम नाम की लड़की को आज तक हरियाणा की पुलिस बरामद नहीं कर सकी है । उनके दुखी पिता का आरोप है कि पुलिस का एक खास औफिसर इस मामले को खुर्दबुर्द करना चाहता है। इसके अलावा उपाध्यक्ष महोदय, मैं एक बात यह भी कहना चाहता हूं कि जब पाकिस्तान का एक हिस्सा खत्म हुआ उस समय बंगलादेश से कुछ लोग हिन्दुस्तान की सभी स्टेट्स में बसने के लिये भेजे गये थे। करनाल के अन्दर भी बंगलादेश से कुछ लोग आकर बस गए । मेरे पास करनाल के एक अशोक सोमदार की दरखास्त है । उसको हिन्दुस्तान से मोहब्बत करने की सजा यह मिली कि उसके साथ बहुत बुरा व्यवहार किया गया । उस आदमी ने दरखास्त दी कि हमारी बहन बेटियों के साथ इस करनाल सदन के लोग दुर्व्यवहार करते हैं । इस बात पर उसको थाने में ले जा कर बहुत बुरी तरह से पिटवाया गया। और उसको कह दिया कि तुमने जिनके खिलाफ शिकायत की है जब तक तुम उनका टट्टी पशाब नहीं चाटोगे तब तक तुम्हारी जान नहीं छोड़ेंगे । उपाध्यक्ष महोदय, उनको हिन्दुस्तान से मोहब्बत करने की सजा यह दी जा रही है । हरियाणा सरकार को उनको बसाने की जिम्मेदारी दी गई थी लेकिन उनके साथ ऐसा व्यवहार किया जा रहा है । इसी तरह से उपाध्यक्ष महोदय, चरखी दादरी के गांव दुधवा का एक अशोक नाम का लड़का जीप का ड्राइवर था वह आज तक लापता है । सब जगह धक्के खाने के बाद भी आज तक उसकी मरे जिन्दे की जानकारी नहीं है । उस जीप की कोई जानकारी नहीं है । उपाध्यक्ष महोदय, चौधरी भजन लाल जी ने श्री ओ० पी० गुप्ता सैशन जज की अध्यक्षता में एक कमिशन मुकर्रर किया था उनकी रिपोर्ट मेरे पास है । इस सदन के एक एक्स एम० एल० ए० श्री चमन लाल को बड़ी बेरहमी से मारा गया और उनको बहुत बुरी तरह से पीटा गया था। उनके लिये एक कमिशन मुकर्रर किया गया था, वह जो रिपोर्ट है उसको पढ़ने में काफी समय लगेगा । मैं रैलेवैन्ट पोर्शन ही पढ़ता हूं ।

Shri O. P. Gupta, in his report says :—

Final Conclusion :-

"57 My final conclusions are as follows :

(a) that Shri Ram Phal respondent did detain illegally Shri Chaman Lal and his two sons on 22-6-1992 uptil 23-6-1992 and his version and that of Shri Dharmbir Singh, A. S. I. that they were arrested only on 23-6-1992 is false and a thought out version;

(b) that Shri Ram Phal respondent, and, at his behest other police officials did beat and torture Shri Chaman Lal and his two sons in the police station and the alleged factum of their being challaned under section 107/151 Cr. P.C. is a thought out version and conccoted story.."

और उनके खिलाफ धारा 107/51 लगा दी गई जो असंवैधानिक थी । सैशन जज आगे अपनी रिपोर्ट में फरमाते हैं कि उनका लड़का इन्द्रेस कुमार एक इंजीनियर होने के बावजूद महाभारती सेवा का प्रचारक है, उनको उल्टा लटकाया गया ।

बैठक का समय बढ़ाना

श्री उपाध्यक्ष : अगर हाउस की सैंस हो तो हाउस का समय 5 मिनट और बढ़ा दिया जाए ।

आवाजें : ठीक है जी, हाउस का टाईम 5 मिनट और बढ़ा दिया जाए ।

श्री उपाध्यक्ष : ठीक है । हाउस का टाईम 5 मिनट और बढ़ाया जाता है ।

राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर चर्चा (पुनरारम्भ)

प्रो० राम बिलास शर्मा : उपाध्यक्ष महोदय, सारी फाईंडिंग्ज के साथ अन्याय होता है । सम्मानित लोगों की इज्जत के साथ किस तरह से लोगों ने टार्चर किया है, चमन लाल की 75 साल की उम्र है और वे इस सदन के सम्मानित सदस्य रहे हैं और उनके लड़के को भी पीटा गया । कमीशन ने जो रिपोर्ट दी उस पर कोई कार्यवाही नहीं हुई । डिप्टी स्पीकर साहब, जब हाउस बैठने का नोटिस आया तो लोगों को लगा था कि अब हरियाणा के हितों का ध्यान रखा जाएगा लेकिन अब रोजाना कभी जालंधर से कभी पटियाला से सरदार बेअन्त सिंह जी फरमा देते हैं कि इस लेड़ी नूं चण्डीगढ़ साढ़े ते ट्रांसफर कर दित्ता जावेगा । आज इस बारे में प्रस्ताव की बात आई तो मुख्य मन्त्री जी ने कह दिया .....(विघ्न) परन्तु अब हरियाणा के लोग इस बारे में चिन्तित हैं । चण्डीगढ़ भी एक शहर है, यह कोई जानवर नहीं है । चण्डीगढ़ में हमारे भाई रहते हैं । हरियाणा के बहुत से लोग रहते हैं । पंजाब और हरियाणा के लोगों की आपस में कोई दुश्मनी नहीं है । मुख्य मन्त्री जी के नाते सब लोगों को अपनी अपनी जिम्मेदारी निभानी चाहिये । डिप्टी स्पीकर साहब, जिस मुद्दे को लेकर यह सरकार चुनी गई थी, एस० वाई० एल० रावी व्यास का पानी दक्षिण हरियाणा तक पहुंचाने का, उस संबंध में अब तक कोई कार्यवाही नहीं हुई है । सरकार इस बारे में सदन को कुछ बता नहीं सकती । लेकिन अब दिक्कत यह है .....(विघ्न) अब मुख्य मन्त्री जी ने फरमा दिया है कि पंजाब के

[प्रो० राम बिलास शर्मा]

हालात 10 साल बाद ठीक हुए हैं । सारे देश की हमदर्दी उनके साथ है । सरदार बेअन्त सिंह की वाही वाही हो रही है । परन्तु पंजाब में हालात खराब हुए, इसकी सजा हरियाणा के लोगों को कैसे दी जा सकती है ? क्या हरियाणा के लोगों का वहां के हालात खराब करने में कोई योगदान था ? उसकी तपत तो हमने भुगती है । हमारी अपनी पार्टी के लोगों ने इसकी सजा भुगती है । जिला पार्टी पानीपत के अध्यक्ष महेन्द्र रंजन शहीद हुए, कैथल में शहीद हुए, डबवाली में शहीद हुए । उसकी तपत हमने भुगती । उसका खामियाजा हमने भुगता है । अब अगर हालात वहां पर ठीक हो गए तो is it a credit on a one person ? नहीं । लगातार लड़ाई जो लड़ी गई है वह अनेक राजनीतिक दलों ने, जो हिम्मत के साथ कदम उठाया और हमने भी अपनी बात सदन में कही, उन सब को इसका क्रेडिट जाता है । हरियाणा और पंजाब के लोगों को इसका क्रेडिट जाता है । पंजाब के हिन्दू और सिख भाई चारे को इसका क्रेडिट जाता है। It is not one person कि उसके कारण से यह चमत्कार हुआ है । क्रेडिट मिल गया और उसकी सजा हरियाणा को क्यों मिले और उसके लिये हम यह कह दें कि पंजाब के हालात खराब हो जाएंगे, इसलिये एस० वाई० एल० नहीं बननी चाहिए, इसलिये रावी व्यास का पानी नहीं लेना चाहिए और इसलिए चण्डीगढ़, अबोहर और फाजिल्का के 107 गांव की बात नहीं कहनी चाहिए। इस तर्क से हम सहमत नहीं हैं । इस संबंध में सरकार ने नरमी बरती है । हरियाणा के कलेम को ढीला किया है । इनकी घोषित नीति थी, जिस मुद्दे पर इन्होंने यह चुनाव जीता है; उस मुद्दे के कलेम को कम किया है, इससे हरियाणा के लोग बहुत चिंतित हैं । उपाध्यक्ष महोदय, हमारे यहां पर एक लैंदर कन्स्ट्रैक्शन फैडरेशन है । कमीशन की जो रिपोर्ट थी, उस पर कोई कार्यवाही नहीं । इस फैडरेशन के कोई एम० डी० हैं । इस सोसायटी के 1500 से 2000 सदस्य हैं । उपाध्यक्ष महोदय, इन एम० डी० ने 1 करोड़ रुपये की हेराफेरी की है । इसकी जांच हरियाणा के डिप्टी रजिस्ट्रार ने की है । इसके अलावा, सी० एम० के फलाईंग स्क्वैड ने भी जांच की है । इस एम० डी० ने एक करोड़ रुपये की अनियमितताएं की हैं और गबन किया है, लेकिन जांच के बावजूद भी कोई कार्यवाही नहीं । पता नहीं सरकार ने कुछ ऐसे लोगों को अभयदान दिया है । मुख्यतार सिंह ने एक नाबालिग लड़की से शादी कर ली । अब कह रहे हैं कि चौकीदार की किताब में रामकली नहीं राम कला है । यानी एक 'ई' की मात्रा को हटाने में इतने दिन लगते हैं ? यानी ऐसी चीजों को ऐसे हश-अप किया जाये ? सच्चाई कभी मरती नहीं । उपाध्यक्ष महोदय, हत्या हो जाए तो उस पर कार्यवाही नहीं होती । भूतमाजरा की बात मैंने कही । जिस बाप की लड़की गई, हम सब मां बाप हैं, बेटी बेटे वाले हैं, भाई बहन हम रखते हैं, उसकी भी कोई जांच यह सरकार नहीं कर पाई ? इससे सरकार की नालायकी जाहिर होती है । क्या इस हरियाणा प्रांत में चुनाव नहीं हुए, क्या यहां पर सरकार नहीं है ? क्या यहां

पर पुलिस के ऊपर करोड़ों रुपये खर्च नहीं होते ? क्या हम इस बात का पता नहीं लगा सकते ? (विघ्न) उपाध्यक्ष महोदय, इनको तकलीफ होती है कि हम इन मुद्दों को उठाते क्यों हैं ? (विघ्न)

श्री उपाध्यक्ष : आपको दिया गया समय खत्म हो गया है, आप अपनी बात को खत्म करें ।

प्रो० राम बिलास शर्मा : डिप्टी स्पीकर साहब, आप 10 मिनट का समय और बढ़ा दीजिए या फिर मैं कल बोल लूंगा । मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि मैं 10 मिनट में कन्क्लूड कर दूंगा ।

बैठक का समय बढ़ाना

श्री उपाध्यक्ष : कल तो नान ऑफिशियल डे है । यदि हाउस की सैंस हो तो समय 5 मिनट बढ़ा दिया जाए ।

आवाजें : ठीक है जी ।

श्री उपाध्यक्ष : हाउस का समय पांच मिनट और बढ़ाया जाता है ।

राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर चर्चा (पुनरारम्भ)

प्रो० राम बिलास शर्मा : उपाध्यक्ष महोदय, पहले यदि कोई बात सदन में सरकार के नोटिस में लाई जाती थी या किसी अधिकारी को दोषी पाया जाता था तो सरकार उस पर पूरी कार्यवाही करती थी । हरियाणा में कर्मचारियों का आन्दोलन हुआ । कल भी यहां गरिफ्तारियां हुई हैं । आज स्टेट गिरफ्तारियां हो रही हैं, गोलियां चलाई जा रही हैं, नारनौल में गोली चली, राव बसी सिंह जी के क्षेत्र का सरेन्द्र यादव उसमें मारा गया और एक दूसरा आदमी राज कुमार शर्मा इस गोली कांड में मारा गया । उपाध्यक्ष महोदय, कैथल में गोली चलने से लोग मरे । लोग मुख्य मन्त्री जी के पास अपने ग्रिवन्सिज के रिड्रैस के लिये आते हैं तो उनके साथ ऐसा किया जाए जैसा कि कैथल में किया गया । उपाध्यक्ष महोदय, लाश मिले और मामला खत्म हो जाए । हत्या हत्या है, चाहे वह हत्या पुलिस की वर्दी में ही क्यों न हो, पुलिस की वर्दी में जो हत्या हुई है, क्या वह स्टेट मर्डर नहीं है, क्या इसकी जांच नहीं होनी चाहिए ? नारनौल में दो लोगों की मौत हुई, उस मामले में आज तक कोई कार्यवाही नहीं हुई है । कर्मचारी आन्दोलन के बाद मुख्य मन्त्री जी ने समझौता कर लिया । यह बहुत ही अच्छी बात है । डिप्टी स्पीकर साहब, आन्दोलन के समय कर्मचारियों पर किस तरह से पानी की बौछारें की गई ।

[प्रो० राम बिलास शर्मा]

25 फरवरी को हमारे लोगों पर पानी की बौछार का यह नया तरीका कांग्रेस पार्टी ने ईजाद किया है। लोगों को गोली से मारो, लाठी से मारो। भिवानी में कर्मचारियों पर पानी की बौछारें छोड़ी गई, कर्मचारियों को घरों से गिरफ्तार किया गया, उनके बच्चों को गिरफ्तार किया गया, 15 हजार कर्मचारियों को टर्मिनेट कर दिया ऐस्मा के तहत ? डिप्टी स्पीकर साहब, कर्मचारी सरकार के बहुत ही सिग्नीफिकैंट पिल्लर्ज हैं। State does not mean Ministers. State does not mean Chief Minister. State means कर्मचारी, अधिकारी जनता और प्रैस सब मिला कर स्टेट बनती है। किस तरह निर्दयता से लोगों को टर्मिनेट किया गया, घरों से उनके बच्चों को उठा लाए ? उस आन्दोलन के बाद जो कर्मचारियों के साथ समझौता हुआ है, जिन छोटी छोटी मांगों को सरकार ने माना था, उन पर भी अमल नहीं हो रहा है और सरकार उस समझौते से अपने कदम पीछे हटा रही है। डिप्टी स्पीकर साहब, औरों को उपदेश देते हैं, करोड़ों का हवाला देते हैं। हरको फैडरेशन के कर्मचारियों को तनख्वाह देने के लिये लोन लिया गया परन्त शेर के पट्ठे एम० डी० ने उस पैसे से अपनी कार के लिये लोन ले लिया और कर्मचारियों को तनख्वाह नहीं दी गई। हमारे ऋषि कणाद ने कहा है कि दुनिया यूं ही चलती है :-

"ऋणम् कृत्वा घृतम् जिवते यावेत जीवत सुखम् जीवैः"

अर्थात कर्जा ले कर घी पीयो बाकी सब भाड़ में जाएं। कर्मचारियों के वेतन के लिये लोन लिया था और वह कर्जा ले गए कार के लिये। उपाध्यक्ष महोदय, इस सरकार ने बिजली के दाम बढ़ाये। स्पीकर साहब, पूरे हिन्दुस्तान में चौधरी भजन लाल का मन्त्री मण्डल सब से बड़ा है और बोझिल है, as far as the number of legislators are concerned, we are running two Governments in India. (घंटी) उपाध्यक्ष महोदय, राजस्थान में चौधरी भजन लाल जी की पी० एच० डी० फेल हो गई। राजस्थान का सदन 200 का है और मन्त्री हैं सिर्फ 24, इसी प्रकार से दिल्ली में 70 का सदन है और मुख्य मन्त्री समेत आठ मन्त्री हैं। यहां पर इतना बड़ा मन्त्री मण्डल है, बजाये उसको छोटा करने के ये कहते हैं कि बिजली के रेट बढ़ा दो, बिजली के रेट बढ़ा दिये। गरीब किसान जो हल के पीछे चलता है, इनकी कोशिश यही रहती है कि किस प्रकार से उसकी गर्दन पर छुरी चला कर उसकी जेब को हल्का किया जाये। अध्यक्ष महोदय, मन्त्री बनने के बाद सम्वेदना पता नहीं कहां चली जाती है। आनन्द सिंह डांगी जी बैठे हुए हैं। बड़े जोर से जनता और गरीब गुरबे की बात करते थे। डिप्टी स्पीकर साहब, आजू बाजू में गरीब लोग खड़े हैं, इतना बड़ा मन्त्री मण्डल है। इस सदन में हम लोगों की बात करते हैं, उनकी भावनाओं की अभिव्यक्ति करते हैं। हमें यह नहीं समझना चाहिये कि सारी पावर हमारे ही पास है। We are all masters we are almighty. यह नहीं समझना चाहिए कि हम इनके रहमो करम पर हैं। इनकी बातों को सब लोग देख रहे हैं आज गरीब लोग दुखी हैं, आम आदमी पीड़ित है,

आज लोगों को न्याय नहीं मिल रहा है, असरदार लोग गरीब आदमी की आवाज को दबा रहे हैं। (घंटी) डिप्टी स्पीकर साहब, मैं अर्ज करूंगा कि थोड़ा सा टाईम और बढ़ा दीजिए, मैं अपनी बात को खत्म कर रहा हूं।

बैठक का समय बढ़ाना

श्री उपाध्यक्ष : यदि हाउस की सहमति हो तो हाउस का 5 मिनट के लिये और समय बढ़ा दिया जाये।

आवाजें : ठीक है बढ़ा दिया जाये।

श्री उपाध्यक्ष: हाउस का समय 5 मिनट के लिये और बढ़ाया जाता है।

राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर चर्चा (पुनरारम्भ)

प्रो० राम बिलास शर्मा: उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से थोड़ा सा और बोलना चाहता हूं। असलमें राज्यपाल महोदय ने एक रस्म अदा की है। सरकार ने एक कागज तैयार करके दे दिया और उन्होंने वह बड़ी हिम्मत के साथ एक ही सांस में पढ़ दिया। परन्तु इसमें तथ्य नहीं है, नीति नहीं है, भविष्य नहीं है और न ही इसमें संकल्प है। It is a document without any performance of the Government. This is a Government without any performance. This is a Government without any purpose. क्यों कि किसी ने खाई और कुंआ देख लिया और सोचा कि इसमें पड़ना ही ठीक है। उपाध्यक्ष महोदय, इसलिये हरियाणा की जनता परेशान है। सबसे ज्यादा जो काम सरकार ने किया है, वह हरियाणा के हितों को अनदेखा करके किया है। चौधरी भजन लाल जी अक्सर प्रकाश सिंह बादल और चौधरी देवी लाल जी की दोस्ती का जिक्र करते हैं। उपाध्यक्ष महोदय, कहीं इन्होंने भी उन्हीं के पग चिन्हों पर चल कर किसी पगड़ी वाले से दोस्ती तो नहीं कर ली ? कहीं ये सरदार बेअन्त सिंह की दोस्ती में हरियाणा को चढ़ा तो नहीं रहे हैं ? भले ही मुख्य मन्त्री जी बड़ी जोर से कुछ भी कहें, परन्तु आज ये प्रस्ताव को मानते तो हम समझते कि ये इस हरियाणा के लिये किसी किस्म के दबाव में नहीं हैं, चाहे वह कांग्रेस हाई कमान का दबाव हो। उपाध्यक्ष महोदय मैं एक सबमीशन करना चाहता हूं कि अगर हरियाणा के हितों में किसी किस्म की ज्यादती हुई, चण्डीगढ़ के मामले को लेकर ज्यादती हुई, चण्डीगढ़ कोई जानवर नहीं है, कोई चीज नहीं है जिसको लपेट कर दे दिया जाएगा। चण्डीगढ़ में हरियाणा के लोगों की जीती जागती भावनाएं हैं। चण्डीगढ़ के साथ हमारी भावना का रिश्ता है, अबोहर फाजिल्का और 107 गांव के बारे में चार प्राईम मिनिस्टर्ज फैसला कर चुके हैं। ऐसा नहीं हो सकता कि जब चाहा,

[प्रो० राम बिलास शर्मा]

हरियाणा को पंजाब के हालात के लिये कुर्बान कर दो । आज हरियाणा और पंजाब के लोगों की कोई दुश्मनी नहीं है । केसधारी और हिन्दु भाई का अटूट रिश्ता है, यह पंजाब की धरती ने शाबित कर दिया । दोनों मिलकर रहे हैं, यह भी साबित कर दिया । यह तो कांग्रेस की राजनीति है जो अपने स्वार्थ के लिये दोनों को लड़ाना चाहती थी । वह नानक की धरती धन्य है, गोविन्द की धरती धन्य है कि वे आपस में लड़े नहीं और इनका पर्दाफाश हुआ । डिप्टी स्पीकर साहब, मुख्य मन्त्री को चाहिये कि वे हरियाणा के हितों के लिये फार-फ्रन्ट पर आएं । इनको अगर इसमें कहीं पर भी विपक्ष के सहयोग की जरुरत है तो हम सब इनके पीछे लगने के लिये तैयार हैं । ये एस० वाई० एल० की बात, अबोहर फाजिल्का और चण्डीगढ़ की बात करें । अगर हरियाणा के साथ कोई ज्यादती हुई तो हरियाणा की जनता माफ नहीं करेगी । इसके साथ ही मैं आपका धन्यवाद करते हुए अपनी जगह लेता हूँ ।

Mr. Deputy Speaker : Now the House stands adjourned till 9.30 A. M. tomorrow.

1.48 P.M. | (The Sabha then adjourned till 9.30 a. m. on Thursday, the 3rd March, 1992.)

25695—H.V.S.—H.G.P., Chd.